सोनिया-राहुल के खिलाफ आरोप पत्र पर संज्ञान लेने से अदालत का इन्कार
- 7

कमजोर होते रुपये ने बढ़ाई विदेशी निकासी दबाव में घरेलू शेयर मार्केट
- 10

जॉर्डन के शाह के साथ वार्ता से दोनों देशों के बीच साझेदारी हुई मजबूत
- 11

ग्रुप ऑफ डेथ में सात्विक और चिराग की होगी कड़ी परीक्षा
- 12

आज का मौसम

22.0° अधिकतम तापमान

07.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.58

सूर्यास्त 05.19

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष त्रयोदशी, 02:32 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 17 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 23, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

मौत का कोहरा : यमुना एक्सप्रेस-वे पर भिड़ंत के बाद बसों-कारों में आग, 13 जिंदा जले

मथुरा में तड़के 4 बजे 8 बस और तीन कारों के टकराने से भीषण हादसा, 95 घायल

- प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी ने जताया शोक
- तीन मृतकों की शिनाख्त, बुरी तरह जले शवों की डीएनए जांच होगी

मथुरा, एजेंसी

मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर धूधू कर जलतीं बसें। ● एजेंसी

मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार तड़के आठ बसों और तीन कारों के आपस में टकराने के बाद कई वाहनों में लगी आग में 13 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में 95 से ज्यादा लोग घायल भी हुए हैं। हादसे में जान गंवाने वालों के प्रति प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी ने भी शोक जताया है।

इस बीच जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी (एडीएम) के नेतृत्व में चार सदस्यीय जांच टीम का गठन किया है, जिसे दो दिनों के भीतर तफ्तीश पूरी कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। यमुना एक्सप्रेस-वे के आगरा-नोएडा साइड पर मंगलवार तड़के हादसा हुआ था। मथुरा के एसएसपी श्लोक कुमार ने कहा, आगरा से नोएडा की ओर जा रहे वाहनों की आपस में टक्कर हो गई। कोहरा होने से कम दृश्यता के कारण यह हादसा हुआ। सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचीं और सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। बलदेव थाना प्रभारी रंजना सचान ने कहा, 13 में से अब तक सिर्फ तीन की ही पहचान हो पाई है। इनकी पहचान प्रयागराज के निवासी अखिलेंद्र प्रताप यादव (44), आजमगढ़ निवासी रामपाल (75) और गोंडा जिले के छपिया थाना क्षेत्र के मुस्कान बाजार निवासी सुल्तान (62) के रूप में हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शेष मृतकों के शव से सैंपल लेकर डीएनए जांच के लिए भेजे जा रहे हैं और उनके परिजनों से मिलान के बाद ही मृतकों की पहचान संभव हो सकेगी। हादसे के बाद मार्ग परिवर्तन भी किया गया है। आगरा मण्डल के आयुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह एवं पुलिस उप महानिरीक्षक शैलेष कुमार पांडेय ने भी जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मौका मुआयना किया और हादसे में हुई मौतों पर दुख प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, जनपद मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये देने की घोषणा की।

(संबंधित खबर पेज-7 पर)

कई किमी तक सुनाई दी वाहन टकराने की आवाज

यमुना एक्सप्रेस-वे पर हुए भीषण हादसे के बाद राहत कार्य में जुटे स्थानीय लोगों ने बताया कि वाहनों की टक्कर की आवाज कई किलोमीटर दूर के गांवों तक सुनाई दी, जिससे सुबह की शांति भयावह चीख-पुकार में बदल गई। भारी धुंध के कारण बचाव कार्य में भी कठिनाइयां आईं। हादसा आगरा से नोएडा की तरफ माइलस्टोन 127 पर कोहरा के कारण हुआ। दुर्घटनाग्रस्त बसों में आग को काबू करने के लिए मौके पर दमकल की गाड़ियों को बुलाया गया।

4 अन्य जिलों में हुए हादसों में 12 की गई जान

मंगलवार को प्रदेश के चार जिलों में घने कोहरे की वजह से हुए अलग-अलग सड़क हादसों में 12 लोगों की मौत गई। उन्नाव में फॉर्च्यूनर के डिवाइडर के टकराने पर 4 की जान चली गई। वहीं, मेरठ में दो, बस्ती में चार और बाराबंकी में दो व्यक्तियों की मौत हो गई तथा करीब 14 लोग घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार इन हादसों की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस टीम पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया।

हंगामे के बीच 'जी राम जी' विधेयक लोस में पेश

- अप्रचलित और पुराने कानूनों को निरस्त करने वाले विधेयक को लोकसभा की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने विपक्ष के तीखे विरोध के बीच मंगलवार को लोकसभा में 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' पेश किया, जो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर लाया गया है। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण)' (विकसित भारत- जी राम जी) विधेयक, 2025' पेश करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दी।

विपक्षी सदस्यों ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाया जाना उनका अपमान है। उन्होंने यह भी कहा कि विधेयक को वापस लिया जाए या फिर संसदीय समिति के पास भेजा जाए। चौहान ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा, महात्मा गांधी हमारे दिलों में बसते हैं। उन्होंने सवाल किया, कांग्रेस की सरकार ने भी जवाहर रोजगार योजना का नाम बदला था तो क्या यह पंडित जवाहरलाल नेहरू का अपमान था? उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि महात्मा गांधी ने भी रामराज्य की कल्पना की थी और उनके आखिरी शब्द भी 'हे राम' थे। वहीं, अप्रचलित और पुराने हो चुके 71 कानूनों को समाप्त करने या संशोधित करने के प्रावधान वाले 'निरसन और संशोधन विधेयक, 2025' को लोकसभा मंजूरी दे दी।

बीमा क्षेत्र में 100% एफडीआई वाला विधेयक लोस में पारित

नई दिल्ली। लोकसभा ने बीमा क्षेत्र में एफडीआई को 100 प्रतिशत तक बढ़ाने के प्रावधान वाले विधेयक को मंगलवार को मंजूरी दे दी। विधेयक पर चर्चा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद सदन ने विपक्षी सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए 'सबका बीमा सबकी रक्षा विधेयक, 2025' को ध्वनि मत से स्वीकृति दे दी।

ब्रीफ न्यूज

यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 24 जनवरी से

लखनऊ/ प्रयागराज। यूपी बोर्ड ने इंटरमीडिएट की प्रयोगात्मक परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। सचिव भगवती सिंह के अनुसार, परीक्षाएं दो चरणों में होंगी। पहले चरण में 24 जनवरी से 1 फरवरी तक आगरा, सहारनपुर, बरेली, लखनऊ, झांसी, चित्रकूट, अयोध्या, आजमगढ़, देवीपाटन एवं बस्ती मंडल के जनपदों में प्रयोगात्मक परीक्षाएं कराई जाएंगी। दूसरे चरण में 2 फरवरी 2026 से 9 फरवरी तक अलीगढ़, मेरठ, मुरादाबाद, कानपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी तथा गोरखपुर मंडल के जनपदों को शामिल किया गया है।

दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र बिना पेट्रोल-डीजल नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने मंगलवार को घोषणा की कि 18 दिसंबर से राजधानी में वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र के बिना वाहनों को पेट्रोल पंप पर ईंधन भरवाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सिरसा ने कहा कि वाहन मालिकों को नियम का पालन करने के लिए एक दिन का समय दिया गया है। मंत्री ने कहा कि पेट्रोल पंप पर लगाए गए कैमरे बगैर वैध पीयूसी प्रमाणपत्र वाले वाहनों की स्वत: पहचान कर लेंगे, और गुरुवार से ऐसे वाहनों को बिना किसी टकराव या व्यवधान के ईंधन देने से इनकार कर दिया जाएगा।

भारत-जॉर्डन का व्यापार पांच सालों में होगा दोगुना, 5 समझौतों पर हस्ताक्षर

- प्रधानमंत्री मोदी बोले- शाह अब्दुल्ला द्वितीय के साथ वार्ता से प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी हुई मजबूत

अम्मान, एजेंसी

जॉर्डन के क्राउन प्रिंस के साथ कार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत-जॉर्डन द्विपक्षीय व्यापार को अगले पांच वर्ष में दोगुना करके पांच अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का मंगलवार को प्रस्ताव रखा। साथ ही उन्होंने जॉर्डन की कंपनियों को देश की उच्च आर्थिक वृद्धि का लाभ उठाने और अच्छा मुनाफा कमाने के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान दोनों देशों के बीच पांच समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। वह किंग अब्दुल्ला द्वितीय के निमंत्रण पर दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे थे।

प्रधानमंत्री मोदी और किंग अब्दुल्ला द्वितीय ने यहां भारत-जॉर्डन व्यापार मंच को मंगलवार को संबोधित किया। इस सम्मेलन में युवराज हुसैन और जॉर्डन के व्यापार एवं उद्योग मंत्री तथा निवेश मंत्री भी उपस्थित रहे। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों को मजबूत बनाने के महत्व को स्वीकार किया। साथ ही दोनों पक्षों के उद्योगपतियों से इस क्षमता एवं अवसरों को वृद्धि और समृद्धि में बदलने का आह्वान किया। किंग अब्दुल्ला द्वितीय ने कहा कि जॉर्डन के मुक्त व्यापार समझौतों और भारत की आर्थिक शक्ति को मिलाकर दक्षिण एशिया एवं पश्चिम एशिया तथा उससे परे एक आर्थिक गलियारा बनाया जा सकता है। मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की सफलता, जॉर्डन और दुनिया भर में इसके साझेदारों के लिए अपार वाणिज्यिक अवसर प्रदान करती है।

स्वयं कार चला मोदी को संग्रहालय ले गए युवराज

अम्मान। भारत और जॉर्डन के संबंधों में गर्मजोशी को दर्शाते हुए अरब देश के युवराज अल हुसैन बिन अब्दुल्ला द्वितीय मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी को स्वयं कार चलाकर जॉर्डन संग्रहालय लेकर गए। युवराज पैगंबर मोहम्मद की 42वीं पीढ़ी के सीधे वंशज हैं। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा कि वह संग्रहालय में जॉर्डन के इतिहास और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को दिखाने के लिए अल-हुसैन के प्रति आभारी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने युवराज के साथ विस्तृत बातचीत की है तथा जॉर्डन की प्रगति के प्रति उनका जुनून स्पष्ट रूप से नजर आया। वर्ष 2014 में निर्मित यह संग्रहालय प्रागैतिहासिक काल से लेकर वर्तमान समय तक क्षेत्र की सभ्यतागत यात्रा को दर्शाता है। संग्रहालय में 15 लाख वर्ष पुरानी जानवरों की हड्डियां और चूना प्लास्टर से बनीं 9,000 वर्ष पुरानी ऐन गजल की मूर्तियां हैं, जिन्हें दुनिया की सबसे प्राचीन मूर्तियों में से एक माना जाता है।

गलत तथ्य की प्रस्तुति भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्षता पर प्रहार

विधि संवाददाता,प्रयागराज

- 69,000 सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा-2019 को लेकर हाईकोर्ट ने की टिप्पणी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 69,000 सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा-2019 से जुड़े एक मामले में स्पष्ट किया है कि आवेदन पत्र में वास्तविक से अधिक अंक भरकर प्राप्त की गई नियुक्ति शुरू से ही अवैध है और इसे मानवीय भूल कहकर वैध नहीं ठहराया जा सकता।

कोर्ट ने शिक्षा और भर्ती प्रणाली की पारदर्शिता पर टिप्पणी करते हुए कहा कि शिक्षा क्षेत्र में की गई नियुक्तियां समाज के भविष्य को प्रभावित करती हैं, इसलिए चयन प्रक्रिया में ईमानदारी और पारदर्शिता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने गलत तथ्यों के आधार पर प्राप्त नियुक्ति के संबंध में कहा कि ऐसी स्थिति में न तो अनुच्छेद 14 के अनुसार समानता का सिद्धांत लागू होगा और न ही अभ्यर्थी को किसी प्रकार की सहानुभूति मिल सकती है। भर्ती प्रक्रिया में गलत तथ्यों को दर्शाने की प्रवृत्ति की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कोर्ट ने यह भी कहा कि भर्ती प्रक्रिया में गलत तथ्य प्रस्तुत करना चयन की निष्पक्षता व पारदर्शिता पर सीधा प्रहार है। जो अभ्यर्थी जानबूझकर अधिक अंक दर्शाकर स्वयं को लाभ की स्थिति में रखते हैं, वे सार्वजनिक नियुक्ति की पवित्रता को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसी नियुक्तियां कानून की नजर में टिकाऊ नहीं होतीं। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि धोखाधड़ी से उत्पन्न अधिकार कानून द्वारा संरक्षित नहीं होते। अवैध नियुक्ति समय बीतने से वैध नहीं हो जाती, भले ही अभ्यर्थी ने कई वर्ष सेवा कर ली हो। भर्ती प्रक्रिया में राज्य पर यह संवैधानिक दायित्व होता है कि वह मेरिट और निष्पक्षता की रक्षा करे।

सभी मामलों को एक जैसा मानने से इनकार

हाईकोर्ट ने याचिकाओं के माध्यम से प्रस्तुत सभी मामलों को एक जैसा मानने से इनकार किया। रिकॉर्ड के अवलोकन के बाद कोर्ट ने पाया कि स्वीटी शौकीन और तीन अन्य के मामलों में या तो अंक बढ़ाने का आरोप सही नहीं था या उन्हें इससे कोई अनुचित लाभ नहीं मिला। ऐसे अभ्यर्थियों को कोर्ट ने हानिग्रद स्थिति में माना और उनकी सेवा समाप्ति के आदेश रद्द कर दिए। इसके विपरीत न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकलपीठ ने अवधेश कुमार चौधरी और छः अन्य अभ्यर्थियों के मामलों में माना कि उन्होंने वास्तविक से अधिक अंक भरकर मेरिट सूची में अनुचित लाभ प्राप्त किया। ऐसे मामलों में नियुक्ति रद्द किए जाने को कोर्ट ने पूरी तरह कानूनसम्मत ठहराया।

गोवा नाइटक्लब अग्निकांड में लूथरा बंधु थाईलैंड से प्रत्यर्पित

- गोवा पुलिस को आरोपियों की दो दिन की ट्रांजिट रिमांड मिली

नई दिल्ली। गोवा के 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब के सह-मालिकों गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा को थाईलैंड से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद मंगलवार को दिल्ली पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया गया। इस नाइटक्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी।

दिल्ली की एक अदालत ने गोवा पुलिस को लूथरा बंधुओं की दो दिन की ट्रांजिट रिमांड प्रदान की। थाईलैंड से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद लूथरा बंधुओं को पटियाला हाउस अदालत में पेश किया गया था। जांचकर्ताओं का आरोप है कि नाइटक्लब द्वारा अनिवार्य अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने के कारण यह घटना और भी गंभीर हो गई। घटना ने प्रबंधन द्वारा अग्नि सुरक्षा उल्लंघनों और चूक पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

बेंगलुरु-बरेली उड़ान 20 मिनट तक हवा में फंसी, दिल्ली डायवर्ट

कोहरा बना कारण

- बरेली से बेंगलुरु जाने वाले दोपहर 2:40 बजे के बाद वापस घर लौटे

बरेली। घने कोहरे ने मंगलवार को विजिबिलिटी बेहद कम कर दी जिससे बेंगलुरु से बरेली आई फ्लाइट को लैंड होने के लिए क्लियरेंस नहीं मिली। इस वजह से 321 सीटर एयरबस के 136 यात्री 20 मिनट तक हवा में फंसे रहे।

बाद में फ्लाइट दिल्ली के लिए डायवर्ट कर दी गई, इस वजह से बरेली में लैंड होने वाले यात्रियों को दिल्ली में उतरना पड़ा। दिल्ली से यात्री वाया टैक्सी बरेली और आसपास जिलों में पहुंचे। वहीं, बरेली से बेंगलुरु जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे 186 यात्रियों भी झेलनी पड़ी। बरेली एयरपोर्ट अथॉरिटी के निदेशक अवधेश अग्रवाल ने बताया कि विजिबिलिटी कम होने से उड़ान डायवर्ट की गई।

अनकैप्ड खिलाड़ियों पर जमकर बरसा पैसा, ऑस्ट्रेलिया के ग्रीन सबसे महंगे

आईपीएल नीलामी

- केकेआर ने 25.20 करोड़ रुपये लगाई बोली, पथिराना को 18 करोड़
- सीएसके का प्रशांत और कार्तिक पर दांव, 14.20-14.20 करोड़ में बिके

अबूधाबी, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के खिलाड़ियों की नीलामी में मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज हरफनमौला ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन के लिए रिकॉर्ड 25.20 करोड़ रुपये और श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना के लिए 18 करोड़ रुपये खर्च किए। इस नीलामी में 'अनकैप्ड' (अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलने वाले) भारतीय खिलाड़ियों को भी बड़ी सफलता मिली।

इसमें उप्र के प्रशांत वीर, राजस्थान के विकेटकीपर और आक्रामक बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को चेन्नई सुपर किंग्स ने एक समान 14.20 करोड़ रुपये में खरीदा। दोनों खिलाड़ी 30 लाख रुपये की आधार मूल्य में आने के बाद आईपीएल नीलामी के इतिहास में सबसे अधिक कीमत पाने वाले अनकैप्ड खिलाड़ी बन गए। जम्मू और कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी दार को भी दिल्ली कैपिटल्स ने 8.40 करोड़ रुपये में खरीदा। ग्रीन ने अपने हमवतन मिशेल स्टार्क (24.75 करोड़ रुपये) को पीछे छोड़ते हुए आईपीएल नीलामी में सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बनाया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इस हरफनमौला को सात करोड़ रुपये की बोली के साथ अपनी से जोड़ा।

एसआईआर निर्वाचन आयोग ने तीन राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूची जारी

एक करोड़ से अधिक मतदाता मसौदा सूची से हुए बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मंगलवार को तीन राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित की गई। सूची में 12.32 करोड़ मतदाताओं के नाम पाए गए हैं, जबकि 27 अक्टूबर को मतदाता सूची में 13.36 करोड़ लोग शामिल थे। करीब एक करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए हैं।

निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि मसौदा मतदाता सूची में उन नए मतदाताओं के नाम भी शामिल हैं, जिन्होंने मतदाता बनने के लिए फॉर्म 6 भरा था। पश्चिम बंगाल में, 27 अक्टूबर तक 7.66 करोड़ मतदाताओं में से 7.08 करोड़ मतदाताओं को मसौदा मतदाता सूची में शामिल किया गया, यानी 58 लाख का अंतर है। आयोग के अधिकारियों ने कहा कि जिन मतदाताओं ने गणना प्रपत्र वापस नहीं किए, उन्हें अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत/दो जगह मतदाता (एएसडी) वाली श्रेणी में शामिल किया गया है। उनके नाम सूची से नहीं हटाए गए हैं और अगले साल फरवरी में अंतिम सूची प्रकाशित होने से पहले संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी इस संबंध में निर्णय लेंगे। निर्वाचन आयोग ने 27 अक्टूबर को 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर की घोषणा की थी, लेकिन बाद में विभिन्न राज्यों के लिए समयसीमा में संशोधन किया था। पिछले सप्ताह, आयोग ने मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के अनुरोध पर पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में एसआईआर की समयसीमा बढ़ा दी थी। तमिलनाडु, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लिए कार्यक्रम में संशोधन किया गया था। उत्तर प्रदेश में गणना की अवधि 26 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है।

एसआईआर के बाद राज्यों में स्थिति

- पश्चिम बंगाल : 7.66 करोड़ मतदाताओं में से 7.08 करोड़ मसौदा मतदाता सूची में शामिल, 58 लाख बाहर।
- राजस्थान : 5.48 करोड़ मतदाताओं में से 5.04 करोड़ के नाम दर्ज, 44 लाख के नाम हटाए गए।
- गोवा : 11.85 लाख मतदाताओं में से 10.84 लाख को मसौदा मतदाता सूची में शामिल, 1.01 लाख के नाम हटाए
- पुडुचेरी : 10.21 लाख मतदाताओं में से 9.18 लाख का नाम मतदाता सूची में दर्ज, 1.03 लाख घट गए।
- लक्षद्वीप : 58,000 मतदाता थे और इनमें से 56,384 का नाम मतदाता सूची में दर्ज, 1616 के नाम हटाए।

अमृत विचार

बरेली , बुधवार,17 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

हर विधानसभा में भाजपा के 84 हजार वोट कट गए

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार लोगों के वोट कटवाने के लिए एसआईआर कर रही है। एसआईआर में आधार कार्ड नहीं माना जा रहा है। अब मुख्यमंत्री कह रहे है कि एसआईआर में चार करोड़ वोट कट गये। कटे वोट भाजपा के है। अगर चार करोड़ वोट कट गये है तो इस हिसाब से हर विधानसभा में भाजपा के 84 हजार वोट कट गये। भाजपा अभी से हार गयी। सपा प्रमुख ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है वह खुद उसी गड्ढे में गिर जाता है। भाजपा के साथ यही होगा। भाजपा नकारात्मक राजनीति करती है। निगेटिव सोचती है। दूसरों को नुकसान पहुंचाती है। भाजपा भगवान और महापुरुषों को सिर्फ नारे और स्लोगन तक रखती है। न तो उनके बताए रास्ते पर चलती है और न उनके विचारों पर चलती है।

इंडिया स्किल्स में पंजीकरण से यूपी अव्वल

अमृत विचार, लखनऊ : इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2025 के लिए सर्वाधिक पंजीकरण प्राप्त कर उप्र .ने देश में पहला स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के मार्गदर्शन का परिणाम है। यह बात कौशल विकास मिशन निदेशक पुलकित खरे ने सोमवार को मिशन मुख्यालय में मिशन स्तरीय गठित समिति की बैठक में कहीं। उन्होंने बताया कि बैठक का उद्देश्य पंजीकृत युवाओं के प्रशिक्षण, सतत समीक्षा और मार्गदर्शन की रणनीति को मजबूत करना रहा, ताकि उन्हें प्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार किया जा सके।

योजनाओं का लाभ हर पात्र तक पहुंचे : नरेन्द्र

अमृत विचार, लखनऊ : पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में संचालित सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पिछड़ा वर्ग राज्य मंत्री मंगलवार को सचिवालय स्थित सभागार में विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। बैठक में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की शादी अनुदान, छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति, कंप्यूटर प्रशिक्षण योजनाओं सहित बजट व्यय और रिक्त पदों की स्थिति की समीक्षा की गई।

सेवा निर्यातकों को वैश्विक बाजार में मिलेगी नई ताकत

सेवा निर्यात को लागू होगी विपणन विकास सहायता योजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : योगी सरकार ने सेवा क्षेत्र के निर्यात को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण और दूरगामी पहल की है। नई उत्तर प्रदेश निर्यात प्रोत्साहन नीति 2025–30 के अंतर्गत पहली बार सेवा निर्यातकों के लिए समर्पित विपणन विकास सहायता योजना लागू की जा रही है। इस पहल के साथ उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने सेवा निर्यात के लिए अलग और विशेष विपणन सहायता नीति को अमल में लाया है। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के सेवा निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धी बनाना, उनकी विपणन क्षमता को सुदृढ़ करना और वैश्विक मांग के अनुरूप सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करना है। इससे न केवल सेवा क्षेत्र के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि रोजगार सृजन, निवेश और प्रदेश की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

योजना का लाभ उन्हीं सेवा निर्यातकों को मिलेगा, जो निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो, उत्तर प्रदेश (यूपीईपीबी) और उत्तर प्रदेश निर्यात संवर्धन परिषद में पंजीकृत हों। साथ ही वे भारत सरकार द्वारा चिन्हित 12 चैंपियन सेवा क्षेत्रों के अंतर्गत सेवाओं का निर्यात कर रहे हों और उत्तर प्रदेश में उत्पन्न सेवाओं का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार कर रहे हों।

- सेवा निर्यात के लिए अलग और विशेष विपणन सहायता नीति को अमल में लाया गया

योजना की प्रमुख विशेषताएं

- सेवा निर्यातकों के लिए पहली बार अलग विपणन सहायता योजना
- आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन
- मेला समाप्ति के 120 दिनों के भीतर आवेदन अनिवार्य
- डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थी के खाते में भुगतान
- प्रथम आवत–प्रथम पावत के आधार पर दावों का निस्तारण

व्यापार मेलों के खर्च में 1 करोड़ तक सहायता

- इस योजना के तहत आयोजक संस्थाओं को भी बड़ा प्रोत्साहन दिया गया है। विदेशों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों, प्रदर्शनी और बायर–सेलर मीट के आयोजन पर कुल व्यय का 75 प्रतिशत, अधिकतम 1 करोड़ रुपये तक की सहायता दी जाएगी। देश में ऐसे आयोजनों के लिए अधिकतम 75 लाख रुपये की सहायता का प्रावधान है, जिसमें न्यूनतम 20 सेवा निर्यातक इकाइयों की भागीदारी अनिवार्य होगी।

नई नीति में यह भी छूट

- नई नीति के तहत सेवा निर्यातकों को विदेशों में आयोजित अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों, प्रदर्शनी और बायर–सेलर मीट में भागीदारी के लिए स्टॉल किराए के व्यय का 75 प्रतिशत (अधिकतम 2 लाख रुपये) तथा एक व्यक्ति की इकोनॉमी क्लास हवाई यात्रा पर हुए व्यय का 75 प्रतिशत (अधिकतम 1 लाख रुपये) तक की सहायता प्रदान की जाएगी। वहीं, देश में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्यापार मेलों में भागीदारी के लिए स्टॉल किराए पर अधिकतम 50 हजार रुपये और यात्रा व्यय पर अधिकतम 25 हजार रुपये की सहायता अनुमन्य होगी।

लक्ष्य स्पष्ट है, ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य को लेकर प्रशासनिक मशीनरी को और तेज़ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने साफ कहा कि लक्ष्य सही दिशा में बढ़ रहा है, लेकिन अब गति, समन्वय और समयबद्धता ही सफलता की कुंजी होगी। किसी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्देश दिए कि मंत्रिगण अपने-अपने विभागों की मासिक समीक्षा, मुख्य सचिव पाक्षिक समीक्षा और अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/विभागाध्यक्ष साप्ताहिक समीक्षा अनिवार्य रूप से करें।

मुख्यमंत्री योगी मंगलवार को एनेक्सी में सीएम डैशबोर्ड व वित्तीय स्वीकृतियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016-17 में उत्तर प्रदेश की जीएसडीपी जहां 12.5 लाख करोड़ रुपये थी, वह 2024-25 में बढ़कर 29.78 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है। 2025-26 में इसके 36 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि देश की अर्थव्यवस्था में यूपी की हिस्सेदारी 2016 में 8 प्रतिशत थी, जो अब 9 प्रतिशत से अधिक हो गई है। यह प्रदेश की मजबूत आर्थिक प्रगति का संकेत है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मंत्रिगण अपने-अपने विभागों की मासिक समीक्षा, मुख्य सचिव पाक्षिक समीक्षा और अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/विभागाध्यक्ष साप्ताहिक समीक्षा अनिवार्य रूप से करें। कार्यों में देरी या लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में बताया गया कि जीएसडीपी लक्ष्य का 93 प्रतिशत पहले ही प्राप्त किया जा चुका है। अब लगभग 42 लाख करोड़ रुपये के दीर्घकालिक लक्ष्य की ओर प्रदेश तेजी से अग्रसर है।

सीएम डैस बोर्ड की बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या और वित्त मंत्री सुरेश खन्ना। अमृत विचार

मुख्यमंत्री ने रियल-टाइम डेटा अपलोड, फाइलों के त्वरित निस्तारण और केंद्र सरकार से समन्वय पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि बजट का समय से और गुणवत्तापूर्ण व्यय सुनिश्चित किया जाए। नियोजन विभाग को सभी विभागों का डेटा साप्ताहिक रूप से एकत्र करने के लिए मजबूत तंत्र विकसित करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि, ऊर्जा और उद्योग प्रदेश की आर्थिक वृद्धि के मुख्य स्तंभ बनकर उभरे हैं। उत्तर प्रदेश देश के कुल 21 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादन में योगदान दे रहा है और कृषि विकास दर 13 प्रतिशत से अधिक बनी हुई है। बेहतर बीज, उन्नत तकनीक और फसल विविधीकरण से किसानों की आय और उत्पादन दोनों में वृद्धि हुई है। सीड पार्क और यूपी एग्रीज परियोजना को और गति देने के निर्देश दिए गए।

ऊर्जा क्षेत्र में बिजली चोरी और तकनीकी हानियों में कमी से निगमों की स्थिति सुधरी है। पीएम कुसुम-सी योजना के तहत सोलर पार्क और बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स से उत्पादन बढ़ा है। स्वास्थ्य क्षेत्र में पीएम जन आरोग्य योजना से अस्पतालों की आय और स्वास्थ्य अवसंरचना में विस्तार हुआ है। मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा, पर्यटन, होम-स्टे पॉलिसी, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, डिजिटल लाइब्रेरी, आंगनबाड़ी केंद्रों को प्री-प्राइमरी शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित करने और श्रमजीवी महिला छात्रावासों के निर्माण में तेजी लाने के भी निर्देश दिए।

- मुख्यमंत्री की सीएम डैशबोर्ड और वित्तीय स्वीकृतियों की समीक्षा
- कहा-वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की राह पर यूपी, देरी नहीं चलेगी
- विभागीय कामकाज की मासिक-पाक्षिक-साप्ताहिक समीक्षा के निर्देश

क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, अंतिम मील तक पहुंच पर सरकार का फोकस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : 'विकसित उत्तर प्रदेश' बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी सरकार का प्रमुख जोर क्षेत्रीय आवागमन संपर्क (रीजनल कनेक्टिविटी) को मजबूत करने के साथ-साथ 'अंतिम मील कनेक्टिविटी' सुनिश्चित करने पर है, ताकि शहरों, कस्बों, औद्योगिक क्षेत्रों और आवासीय इलाकों के बीच आवागमन तेज, सुरक्षित और सुगम हो सके। प्रदेश सरकार हाई-स्पीड परिवहन नेटवर्क के जरिए शहरी क्षेत्रों के बीच दूरी और यात्रा समय कम करने का रोडमैप तैयार कर रही है। इसके तहत प्रमुख शहरों, आर्थिक केंद्रों और औद्योगिक हब को जोड़ने पर फोकस किया गया है। भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में एक हजार किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में हाई-स्पीड नेटवर्क को चरणबद्ध ढंग से विकसित करने की कार्ययोजना बनाई जा रही है। इससे लोगों की दैनिक आवाजाही आसान होने के साथ आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। रीजनल ट्रांसपोर्ट सिस्टम के विस्तार के लिए लगभग 1500 किलोमीटर क्षेत्र में विस्तारित परिवहन नेटवर्क के विकास पर काम हो रहा है। साथ ही विभिन्न ऑर्बिटल कॉरिडोर्स के निर्माण का खाका भी तैयार किया गया है। इन कॉरिडोर्स से शहरों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी स्थापित होगी और शहरी इलाकों में यातायात का दबाव कम होगा। औद्योगिक क्षेत्रों, लॉजिस्टिक्स हब और नगरीय केंद्रों के आपसी जुड़ाव से प्रदेश की शहरी अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।सरकार इंटरसिटी परिवहन को भविष्य-उन्मुख बनाने के लिए मेट्रो रेल परियोजनाओं के संचालन और विस्तार, वॉटर मेट्रो नेटवर्क तथा नई तकनीकों पर आधारित परिवहन विकल्पों पर भी विचार कर रही है।

- हाई-स्पीड नेटवर्क व कॉरिडोर से व्यापार, रोजगार और शहरी अर्थव्यवस्था को मिलेगी गति
- विकसित उप्र का लक्ष्य साधने को रीजनल ट्रांसपोर्ट सिस्टम का विस्तार

योजना के प्रमुख बिंदु

- हाई-स्पीड परिवहन नेटवर्क से शहरों के बीच तेज आवागमन
- लगभग 1500 किमी क्षेत्र में रीजनल ट्रांसपोर्ट सिस्टम का विस्तार
- ऑर्बिटल कॉरिडोर्स से ट्रैफिक दबाव में कमी
- मेट्रो, वॉटर मेट्रो व इंटरसिटी कनेक्टिविटी पर फोकस
- अंतिम मील कनेक्टिविटी को प्राथमिकता

महाकुंभ भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की जीवंत अभिव्यक्ति : मुख्यमंत्री

- **अमृत विचार, लखनऊ :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मंगलवार को लखनऊ में लेखिका मीनाक्षी सिंह एवं ब्लूम्सबरी इंडिया के प्रबंध निदेशक राहुल श्रीवास्तव ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान योगी को एक्सप्रेशन ऑफ डिविनिटी : महाकुंभ नामक पुस्तक भेंट की गई। मुलाकात के दौरान सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और साहित्यिक विषयों पर संवाद हुआ। मुख्यमंत्री ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की जीवंत अभिव्यक्ति है ।मीनाक्षी सिंह लेखिका एवं विजुअल स्टोरीटेलर हैं, जो भारतीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं पर कार्य करती हैं। उनकी पुस्तक एक्सप्रेशन ऑफ डिविनिटी : महाकुंभ 2025 (दिव्यता की अभिव्यक्तियां : महाकुंभ) ब्लूम्सबरी इंडिया द्वारा प्रकाशित है। यह पुस्तक महाकुंभ 2025 के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयामों को चित्रात्मक एवं भावात्मक रूप में प्रस्तुत करती है। पुस्तक में महाकुंभ की दिव्यता, परंपराओं, साधना, आस्था और जनजीवन के विविध पहलुओं का समग्र चित्रण किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुस्तक के लिए मीनाक्षी सिंह को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की जीवंत अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के साहित्यिक प्रयास न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हैं, बल्कि उसे वैश्विक मंच पर भी पहचान दिलाने में सहायक होते हैं।

कानपुर में राज्य स्तरीय मक्का कार्यशाला आज

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में मक्का की खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा 17 दिसंबर को कानपुर में राज्य स्तरीय मक्का कार्यशाला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय के शताब्दी भवन सभागार में "त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम" योजना अंतर्गत कार्यक्रम होगा। कार्यशाला के मुख्य अतिथि कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्यप्रताप शाही होंगे। कृषि निदेशक पंकज त्रिपाठी ने दी, उन्होंने बताया कि "त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम" योजना वर्ष 2024-25 से 2027-28 तक चार वर्षों के लिए संचालित की जा रही है, जिसका कुल परिव्यय 14,656.45 करोड़ रुपये है। योजना में प्रदेश के सभी 75 जिलों में मक्का की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। वर्तमान में केंद्र सरकार की राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना के अंतर्गत मक्का के लिए केवल 13 जिले ही चयनित हैं।

सदन की कार्यवाही के दौरान नहीं होंगी समितियों की बैठकें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में विधानमंडल सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही को निर्बाध और प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से सभी प्रशासनिक समितियों की बैठकों पर रोक रहेगी। संसदीय कार्य विभाग की ओर से जारी शासनादेश के अनुपालन के लिए मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। प्रमुख सचिव जेपी सिंह-II की ओर से जारी शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि संसद या राज्य विधानमंडल के सत्र के दौरान मंडल, जिला अथवा अन्य स्तरों पर गठित ऐसी किसी भी समिति की बैठक आयोजित नहीं की जाएगी, जिनमें सांसद या विधायक सदस्य अथवा नामित सदस्य हों। शासनादेश में वर्ष 1998 में जारी पूर्व आदेश का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि यह व्यवस्था इसलिए लागू की गई है, ताकि विधायकों की विधायी जिम्मेदारियों में किसी प्रकार का व्यवधान न आए और वे सत्र की कार्यवाही में पूरी तरह सहभागी रह सकें। शासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल विशेष परिस्थितियों में ही इस व्यवस्था से अपवाद संभव होगा और वह भी तब, जब लोकसभा, राज्यसभा अथवा राज्य विधानमंडल का सत्र लगातार तीन दिनों के लिए स्थगित हो।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश विधानमंडल का तृतीय सत्र-2025, 19 दिसंबर से प्रारंभ हो रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए शासन ने सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने स्तर पर इस आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराएं। इसके लिए संबंधित विभागों, कार्यालयाध्यक्षों और अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक निर्देश जारी करने को कहा गया है। शासनादेश की प्रतिलिपि सभी अपर मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों, सचिवों, पुलिस महानिदेशक, विधानसभा एवं विधान परिषद सचिवालय सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को भेज दी गई है। शासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित स्तर पर जिम्मेदारी तय की जाएगी।

- शासनादेश के अनुपालन के लिए मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को जारी हुए निर्देश

शासनादेश की मुख्य बातें

- विधानमंडल/संसद सत्र के दौरान समितियों की बैठकें नहीं होंगी
- सांसद या विधायक सदस्य वाली सभी प्रशासनिक समितियां दायरे में
- वर्ष 1998 के शासनादेश के प्रावधानों का हवाला
- केवल तब छूट, जब सत्र लगातार तीन दिन स्थगित हो

लेखपाल के 7,994 पदों पर भर्ती कार्यक्रम जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी राहत भरी खबर है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने राजस्व परिषद के नियंत्रणाधीन लेखपाल के 7,994 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी कर दिया है। प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2025 के अंकों के आधार पर मुख्य परीक्षा के लिए 29 दिसंबर से ऑनलाइन आवेदन शुरू होंगे। अभ्यर्थी 28 जनवरी 2026 तक आवेदन और परीक्षा शुल्क जमा कर सकेंगे। आवेदन में संशोधन एवं शुल्क समायोजन की अंतिम तिथि 4 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए पीईटी-2025 उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। पीईटी स्कोर के आधार पर अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। इसके बाद लिखित परीक्षा, दस्तावेज सत्यापन एवं अन्य निर्धारित प्रक्रियाओं के माध्यम से अंतिम चयन किया जाएगा। जिन अभ्यर्थियों को पीईटी में शून्य या उससे कम नकारात्मक अंक प्राप्त होंगे, उन्हें मुख्य परीक्षा के लिए शॉर्टलिस्ट नहीं किया जाएगा।

- पीईटी-2025 के अंकों के आधार पर मुख्य परीक्षा, 29 दिसंबर से ऑनलाइन आवेदन

चार दिन चलेगा सत्र, 22 को अनुपूरक बजट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 19 से 24 दिसंबर तक चार दिन चलेगा। विधानमंडल सचिवालय के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे की ओर से विधायकों को आधिकारिक सूचना जारी कर दी गई है। कार्यसूची कार्यक्रम विधानसभा अध्यक्ष द्वारा स्वीकृत किया गया है। विधानमंडल सत्र के दौरान 22 दिसंबर को अनुपूरक बजट पेश होगा, इसे लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियां तेज रहेगी।

प्रमुख सचिव की ओर से जारी पत्र के अनुसार, सत्र की शुरुआत 19 दिसंबर (शुक्रवार) को होगी, जबकि 20 दिसंबर (शनिवार) और 21 दिसंबर (रविवार) को बैठक नहीं होगी। इसके बाद 22 दिसंबर (सोमवार) को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनुपूरक अनुदानों की मांगें प्रस्तुत की जाएंगी। यह प्रस्तुति दोपहर 12:20 बजे सदन में की जाएगी । कार्यसूची के अनुसार, 22 दिसंबर को अनुपूरक बजट की प्रस्तुति के साथ ही विधायी कार्य भी संपन्न होंगे। 23 दिसंबर (मंगलवार) को विधायी कार्यों के साथ अन्य कार्यों पर विचार किया जाएगा, जबकि 24 दिसंबर (बुधवार) को अनुपूरक अनुदानों पर चर्चा, मांगों पर विचार, मतदान और उनसे संबंधित विनियोग विधेयक को सदन की अनुमति से पुनः प्रस्तुत कर पारित किया जाएगा।

पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सत्र के दौरान पूर्व में प्रख्यापित अध्यादेशों के स्थानापन्न विधेयक और कुछ नए विधेयकों को सदन में विचारार्थ लिए जाने की संभावना है। इन विधेयकों को किस क्रम में लिया जाएगा, इसकी सूचना विधायकों को यथासमय अलग से दी जाएगी। जारी सूची के अनुसार, जिन अध्यादेशों के स्थानापन्न विधेयक सदन में लाए जा सकते हैं, उनमें पेंशन, निजी विश्वविद्यालय, नगर निगम, दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, शिक्षा सेवा चयन आयोग सहित कुल आठ अध्यादेश शामिल हैं। इस संबंध में सूचना मुख्यमंत्री, राज्यपाल सचिवालय, विधानसभा अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, सभी मंत्रियों, मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों सहित संबंधित विभागों को भी भेज दी गई है। साथ ही विधानसभा सचिवालय की वेबसाइट पर भी कार्यसूची अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं।

- यूपी विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 19 से 24 दिसंबर तक

जीवित मतदाताओं को मृत घोषित कर सबमिट कर दिया : श्यामलाल पाल

- अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को दिए गए ज्ञापन में आरोप लगाया है कि प्रदेश की कई विधानसभा क्षेत्रों में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा जीवित मतदाताओं को मृत घोषित कर उनके गणना प्रपत्र सबमिट कर दिए गए हैं। शिकायतों के बावजूद जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई, जो अत्यंत गंभीर विषय है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मंगलवार को ज्ञापन के माध्यम से प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। सपा ने झांसी सदर विधानसभा क्षेत्र का मामला उठाते हुए आरोप लगाया है कि मतदेय स्थल संख्या-2 पर 23 मतदाताओं द्वारा भरे गए गणना प्रपत्र बीएलओ को जमा किए गए थे, लेकिन बाद में सभी 23 मतदाताओं को मृत घोषित कर दिया गया।

बैठक | विधानसभा अध्यक्ष बोले, लोकतांत्रिक व्यवस्था में विशेषाधिकार समिति की भूमिका अहम

विशेषाधिकार समिति की बैठक में गिनाईं जिम्मेदारियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि विधानसभा की विशेषाधिकार समिति का लोकतांत्रिक व्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। यह समिति विधायिका की गरिमा, अधिकारों और मर्यादाओं की रक्षा का सशक्त माध्यम है।

विशेषाधिकार समिति की उद्घाटन बैठक में महाना ने स्पष्ट किया कि समिति को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी औपचारिकता और संवैधानिक मर्यादा के साथ करना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की गलतफहमी या अनावश्यक विवाद की स्थिति उत्पन्न हो। विधानसभा अध्यक्ष ने समिति के सदस्यों से कहा कि विशेषाधिकार समिति के कार्य और अधिकारों को लेकर किसी को कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन यह आवश्यक है कि सभी जनप्रतिनिधि और संबंधित पक्ष अपने अधिकारों का प्रयोग एक निर्धारित सीमा के भीतर करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अधिकार जितने महत्वपूर्ण हैं, उतनी ही जिम्मेदारियां भी हैं। अधिकारों के साथ कर्तव्यों का संतुलन ही लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाता है।महाना ने कहा कि किसी भी संस्था या व्यक्ति को ऐसी भाषा, व्यवहार या आचरण से बचना चाहिए, जिससे सदन की प्रतिष्ठा और गरिमा पर प्रश्नचिह्न लगे। विधानसभा की मर्यादा सर्वोपरि है और इसकी रक्षा करना सभी जनप्रतिनिधियों और संबंधित पक्षों का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी जनप्रतिनिधि जनता के प्रति जवाबदेह हैं। जनता ने जिन अपेक्षाओं और विश्वास के साथ अपने प्रतिनिधियों को चुना है, उन पर खरा उतरना हम सबकी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

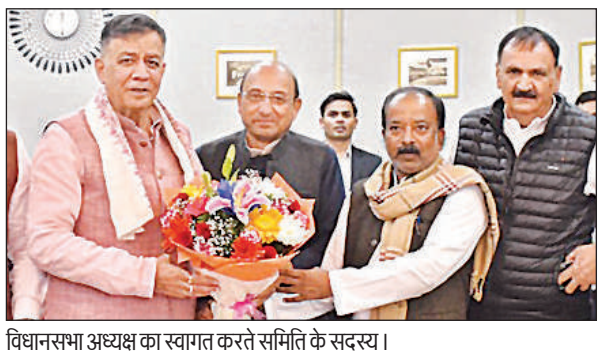

विधानसभा अध्यक्ष का स्वागत करते समिति के सदस्य।

संयम, धैर्य और मर्यादा में करें कार्य

- विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने समिति के सभी सदस्यों से संयम, धैर्य और मर्यादा के साथ कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि इन्हीं मूल्यों के आधार पर समिति लोकतांत्रिक संस्थाओं की साख और विश्वसनीयता को और मजबूत कर सकती है। इससे पहले विशेषाधिकार समिति के सदस्यों ने विधानसभा अध्यक्ष का अंग वस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप कुमार दुबे सहित विधानसभा सचिवालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

साढ़े तीन करोड़ के मादक पदार्थ के साथ चार गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: एएनटीएफ ने मंगलवार को प्रदेश के तीन जिलों में बड़ी कार्रवाई की है। गोरखपुर यूनिट ने मादक पदार्थ की तस्करी करते दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से करीब 530 ग्राम हेरोइन बरामद की है। बरामद माल की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा भदोही में दो करोड़ और लखनऊ यूनिट ने निगोहां में 25 लाख के गांजा के साथ एक-एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

- एएनटीएफ ने की प्रदेश के तीन जिलों में की बड़ी कार्रवाई

एएनटीएफ गोरखपुर यूनिट ने गोरखपुर-वाराणसी हाइवे के एकला के पास से राजघाट के चकरा अव्वल निवासी छेदी यादव और दुर्गाबाड़ी रोड चरनचौक निवासी अरुण सिंह को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से टीम ने 530 ग्राम हेरोइन, स्कूटी, मोबाइल व नकदी बरामद की। हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 1.10 करोड़ रुपये है। दोनों के खिलाफ गीडा थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पूछताछ में बताया कि दोनों हेरोइन बाराबंकी के जैतपुर टीकरा उसमा से लेकर जाते थे। जिसे छोटे पैकेट में सप्लाई करते थे। इसी तरह एएनटीएफ लखनऊ यूनिट ने निगोहां-नगराम रोड़ से मीरखनगर जाने वाली रोड़ परथाना से तस्कर को गिरफ्तार किया। पकड़ा गया आरोपी अनिकेत मौर्या रायबरेली के जगतपुर के जिगना पूरे देव का रहने वाला है। आरोपी के पास से 49.050 किलो ग्राम गांजा, चार पहिया वाहन, दो मोबाइल व नकदी बरामद हुई। बरामद गांजा की कीमत 25 लाख रुपये है। वहीं, भदोही में मेरठ व प्रयागराज यूनिट ने छापेमारी कर 380 किलो गांजा बरामद किया।

न्यूज ब्रीफ

मां से बिछुड़े हाथी के बच्चे को अपनाएगा पीटीआर

पीलीभीत, अमृत विचार : बिजनौर की बढ़ावरपुर वन रेंज में मां से बिछुड़े हाथी के बच्चे को पीलीभीत टाइगर रिजर्व अपनाएगा। उसे जल्द ही यहां लाया जाएगा। शासन के निर्देश पर टाइगर रिजर्व प्रशासन ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है। करीब 15 दिन पहले जंगल में हथिनी ने बच्चे को जन्म दिया था, लेकिन हथिनी उसे छोड़कर चली गई। अब यह दुधमुंहा हाथी का बच्चा पीलीभीत टाइगर रिजर्व में अन्य चार हाथियों के साथ ही रहेगा।

यमुना-गंगा एक्सप्रेस-वे को जोड़ने को बनेगा लिंक एक्सप्रेस-वे

नोएडा, एजेंसी : यमुना और गंगा एक्सप्रेस-वे को 74.3 किलोमीटर लंबे लिंक एक्सप्रेसवे के जरिए आपस में जोड़ा जाएगा, जिसके लिए कुल 56 गांवों की जमीन का अधिग्रहण होगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना पर लगभग 4,000 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इसका निर्माण उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) कराएगा।

मेरठ में कार के हिंडन नदी में गिरी दो की मौत

मेरठ, एजेंसी : मेरठ में एक कार के हिंडन नदी में गिरने से उसमें सवार एक हेड कांस्टेबल समेत दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। घटना सोमवार रात बालैनी मार्ग पर बालैनी पुल की है, लेकिन घटना की जानकारी मंगलवार को मिली। जानी थाना प्रभारी निरीक्षक अखिल कुमार मिश्र ने हादसे में बागपत जिले के सिंघावली अहीर थाना में तैनात हेड कांस्टेबल एवं बुलंदशहर के गंगाहरि निवासी राहुल कुमार (35) और बागपत निवासी अजरुद्दीन (32) की मौत हो गई।

याद किया गोरक्ष पीठ से तीन पीढ़ियों का निकट का रिश्ता, शिष्यों से की निरंतर रामकाज में जुड़े रहने की कामना

अयोध्या के वशिष्ठ भवन में योगी ने डॉ. वेदांती को दी श्रद्धांजलि

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार: वशिष्ठ भवन में मंगलवार को गोरक्षपीठ के तीन पीढ़ियों के रिश्ते की कड़ी और राममंदिर आंदोलन के रणनीतिकारों में रहे ब्रह्मर्षि व पूर्व सांसद डॉ. राम विलास दास वेदांती के पार्थिव शरीर देख मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भावुक हो गए। उन्होंने भारी मन से डॉ. वेदांती को श्रद्धा सुमन अर्पित कर विदा किया।

गोलोकवासी डॉ. रामविलास वेदांती को श्रद्धांजलि अर्पित करते मुख्यमंत्री योगी।

योगी जन भावनाओं के सागर में नहीं डूबते, लेकिन यहां सीएम योगी के बोल बता रहे थे कि वह आज भावुक हैं। हालांकि उन्होंने इसे संभालने की कोशिश की लेकिन पत्रकारों से बातचीत में उनके भावुक होने की बात साफ हो गई। उन्होंने गोरक्षपीठाधीश्वर व अपने दादा गुरु महंत दिग्विजय नाथ से डॉ. वेदांती के गुरु और श्रीराम मंदिर आंदोलन के सूत्रधारों में एक हनुमानगढ़ी के महंत बाबा अभिराम दास के करीबी रिश्ते की बात कहकर भावुक होने का कारण स्पष्ट कर दिया। सीएम योगी ने कहा वेदांती जी महाराज का पूरा जीवन ही रामकाज को समर्पित था। यह भी एक संयोग है कि प्रभु श्रीराम की पावनकथा का वाचन करते उन्होंने नश्वर देह का त्यागकर साकेतवास किया। बोले श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के शुरूआत से उसके मूर्त रूप लेने और आंदोलन के सुखद परिणाम को देखने का सौभाग्य उन्हें प्राप्त हुआ।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पर 25 नवंबर को धर्मध्वजा आरोहण के समारोह में भी वेदांती जी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने अगली पीढ़ी के उनके शिष्यों और अनुयायियों से राम काज अभियान से जुड़े रहने की कामना की।

इसके पूर्व अयोध्या पहुंचने पर उन्होंने हनुमानगढ़ी में हनुमानजी महराज और राम मंदिर में राम लला का पूजन-अर्चन किया। आरती उतारी। यहां पहुंचने पर महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता सहित भाजपा नेताओं और अफसरों ने उनकी स्वागत किया। सीएम योगी ने आम लोगों का अभिवादन किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डॉ. वेदांती पूरा जीवन राम मंदिर आंदोलन के लिए सक्रिय रहे। उनके योगदान को याद करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 1983 में श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति अभियान के आरंभ से लेकर अब तक आयोजित प्रत्येक आंदोलन और कार्यक्रम में वेदांती जी महाराज की सक्रिय भूमिका रही। भले ही वे भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके साकेतवासी होने पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनके शिष्यों व आश्रमवासियों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए में अयोध्या आया हूं।

स्कूल वैन से कुचलकर तीन साल की बच्ची की मौत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बड़ी बहन को वैन से आता देख छोटी भागकर पास पहुंची, सामने आने पर वैन ने कुचल दिया

अमृत विचार : स्कूल की छुट्टी के बाद लौटकर आई बड़ी बहन के पास भागकर जाना तीन साल की बच्ची को महंगा पड़ गया। बड़ी बहन स्कूल वैन से उतरी तो छोटी बहन वैन के नीचे आ गई। हादसे में बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। देर शाम तक बच्ची के परिजनों ने चालक के खिलाफ तहरीर नहीं दी थी।

हादसा जरीफनगर थाना क्षेत्र के गांव पड़रिया में हुआ। गांव निवासी नरेश की छह साल की बेटी माही पास के गांव शेखूपुरा स्थित एक स्कूल में पढ़ती है। मंगलवार को माही स्कूल वैन से घर आई थी। वह अपने घर के सामने गाड़ी से उतरी। इसी दौरान तीन साल की उसकी बहन सृष्टि खेलते हुए पहुंच गई। सामने बहन को देखकर उत्साहित थी, लेकिन वह गाड़ी के सामने आ गई। इसी दौरान चालक ने वैन बढ़ा दी और सृष्टि पहिये के नीचे आ गई। गाड़ी का अगला पहिया सृष्टि के ऊपर से गुजर गया।

लोगों ने हादसा देखकर शोर मचाया और दौड़कर मौके पर दौड़े। इसी दौरान चालक ने गाड़ी आगे बढ़ी दी। गाड़ी का दूसरा पहिया भी बच्ची के ऊपर से गुजर गया। लोगों ने चालक को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहे। गाड़ी चालक मौके से भाग गया। मृतक के परिजनों की ओर से तहरीर नहीं दी गई है।

हर नैतिक चूक पर बर्खास्तगी जैसा कठोर दंड देना न्यायसंगत नहीं

भारतीय समाज में शिक्षक का स्थान अत्यंत ऊंचा : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी), प्रयागराज के पूर्व लेक्चरर की बर्खास्तगी के आदेश में हस्तक्षेप करते हुए कहा है कि भारतीय समाज में शिक्षक का स्थान अत्यंत ऊंचा है और उससे यह अपेक्षा की जाती है कि वह छात्र-शिक्षक संबंध की मर्यादा बनाए रखे। छात्रा के साथ व्यक्तिगत और शारीरिक संबंध रखना शिक्षक के पद की गरिमा के विपरीत है।

शिक्षक-छात्र के बीच ऐसा संबंध गुरु-शिष्य परंपरा के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है, जिस पर भारतीय शिक्षा व्यवस्था आधारित है। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने राजेश सिंह की याचिका को निस्तारित करते हुए की।

कोर्ट ने रिकॉर्ड का विश्लेषण करते हुए कहा कि मामला यौन उत्पीड़न का नहीं, बल्कि सहमति से बने संबंध का है, जो छात्रा के संस्थान छोड़ने के बाद भी लगभग तीन वर्षों तक चला। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि शिकायत घटना के वर्षों बाद दाखिल की गई, लेकिन शिकायतकर्ता द्वारा कोई एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई। कोर्ट ने संस्थान की कार्रवाई में प्रक्रियागत खामियों की ओर भी संकेत किया। निर्णय में कहा गया कि बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार चार्जशीट, विधिवत विभागीय जांच, गवाहों की जिरह जैसी अनिवार्य

प्रक्रियाओं का पालन नहीं हुआ।

कोर्ट ने स्वीकार किया कि यद्यपि याची ने उच्च नैतिक मानकों का पालन नहीं किया, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि हर नैतिक विफलता या चूक पर सेवा से बर्खास्तगी जैसा सबसे कठोर दंड दिया जाए। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी माना कि केवल इस आशंका पर कि शिक्षक भविष्य में ऐसा आचरण दोहरा सकता है, उसे शिक्षा संस्थान से पूरी तरह बाहर करना न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता, विशेषकर जब रिकॉर्ड पर अन्य कोई शिकायत नहीं है। कोर्ट ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि अगर लंबे संबंध के बाद विवाह हो गया होता, तो संभवतः शिकायत न आती। इस पृष्ठभूमि में केवल नैतिकता के आधार पर बर्खास्तगी उचित नहीं ठहराई जा सकती। शिक्षक का आचरण निंदनीय है, लेकिन दंड तय करते समय अनुपातिकता, परिस्थितियां और समग्र रिकॉर्ड को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इन्हीं निष्कर्षों के आधार पर कोर्ट ने 28 फरवरी 2006 के बर्खास्तगी आदेश में दंड की सीमा तक हस्तक्षेप किया और निर्देश दिया कि अनुशासनात्मक प्राधिकारी कोर्ट की टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए उचित दंड पर नया आदेश पारित करें।

माघ मेले की तैयारी

प्रयागराज में आगामी माघ मेला 2026 के लिए गंगा नदी के किनारे एक तैरता हुआ पुल बनाते श्रमिक। माघ मेला की शुरुआत पौष पूर्णिमा के दिन 3 जनवरी 2026 से होगी। इसके बाद मकर संक्रांति 15 जनवरी, मौनी अमावस्या 18 जनवरी, वसंत पंचमी 23 जनवरी, माघी पूर्णिमा 1 फरवरी और महाशिवरात्रि 15 फरवरी 2026 को प्रमुख स्नान पर्व पड़ेंगे। ● एजेंसी

कोडीन कफ सिरप मामले में दो आरोपियों की याचिका खारिज

प्रयागराज, एजेंसी

- कई फर्जी कंपनियां बनाकर हो रहा था अवैध कारोबार

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कोडिन कफ सिरप मामले में दो आरोपियों- सिंटू उर्फ अखिलेश प्रकाश और आकाश मौर्य की रिट याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं। याचिकाकर्ताओं ने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को चुनौती देते हुए इस मामले में गिरफ्तारी पर रोक लगाने के अनुरोध के साथ अदालत का रुख किया था। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की पीठ ने पारित किया। इन आरोपियों के खिलाफ जौनपुर स्थित कोतवाली पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

अदालत ने कहा कि ये आरोपी एक बड़े सीमापार नारकोटिक्स नेटवर्क के संदिग्ध सरगना हैं और उत्तर प्रदेश में कथित कोडिन आधारित कफ सिरप की तस्करी के रैकेट के सदस्य हैं। इस नारकोटिक्स नेटवर्क का कथित तौर पर निर्माण फर्जी कंपनियों और फर्जी दस्तावेजों पर किया गया था। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि इन आरोपियों ने गाजियाबाद और वाराणसी में स्टॉक प्वाइंट से भारी मात्रा में कोडिन मिले कफ सिरप को झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार, नेपाल और बांग्लादेश पहुंचाने के लिए एक श्रृंखला बनाई थी। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि अवैध खेप को वैध फार्मा खेप के रूप में पहुंचाने के लिए कई फर्जी कंपनियां बनाई गई थीं। इस मामले में गाजियाबाद, वाराणसी, जौनपुर और अन्य जिलों में कई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एक दूसरी पीठ ने इसी तरह के मामले में दो आरोपियों को अंतरिम संरक्षण देते हुए अगली सुनवाई की तिथि 17 दिसंबर निर्धारित की थी।

बच्चियों की अपील पर डीएम ने हटवा दी लाइन

संवाददाता, संभल/चंदौसी

- 11000 वोल्ट की डेड बिजली लाइन घर के ऊपर से गुजर रही थी

अमृत विचार: दो मासूम बच्चियों ने घर के ऊपर से 11000 वोल्ट की डेड लाइन हटवाने के लिए वीडियो जारी कर जिलाधिकारी से भावुक अपील की। बच्चियों का वीडियो कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

लोगों ने इसे अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट से जमकर शेयर किया, जिससे मामला प्रशासन तक पहुंच गया। इसके बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर बिजली विभाग हरकत में आया और बच्चियों के मकान की छत से लाइन हटा दी गई। मामला चंदौसी क्षेत्र के कस्बा इलाके में गणेश कॉलोनी के पीछे सीता आश्रम रोड स्थित गुलडेरा रोड पर सरकारी ट्यूबवेल के पास का है। विदुषी राणा और उसकी छोटी बहन महिमा राणा ने अपने मकान के ऊपर से गुजर रही करीब 15 साल से बंद पड़ी 11000 वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के तार को पकड़कर वीडियो बनाती दिखाई दे रही हैं। वीडियो में बच्चियां सीधे डीएम अंकल से अपील करती हैं कि उनके घर के ऊपर से गुजर रहे इन खतरनाक तारों को हटवा दिया जाए। वीडियो में बच्चियां कहती हैं, हेलो डीएम संभल सर, हमारे घर के ऊपर से यह तार हटवा दीजिए। इसकी वजह से हमें बहुत परेशानी होती है। हम अपने घर की छत तक नहीं बना पा रहे हैं।

यह लाइन पिछले 15 साल से बंद पड़ी है। बच्चियों की मासूम अपील ने हर किसी को भावुक कर दिया। बताया गया कि विदुषी और महिमा राणा का एक छोटा भाई शिवा राणा भी है। उनके पिता रामबाबू राणा और मां पुष्पा राणा हैं।

पटाखा फैक्ट्री में धमाका, एक की मौत

बिजनौर, अमृत विचार: बिजनौर के थाना नजीबाबाद कोतवाली मार्ग पर जलालाबाद क्षेत्र के मोहल्ला मुनीरगंज निवासी हमराज व काशिफ की शिफा फायर वर्क्स के नाम से फैक्ट्री है। मंगलवार सुबह 40 - 50 मजदूर जिसमें महिलाएं भी थीं काम कर रहे थे।

फैक्ट्री में आम के पेड़ के नीचे मजदूर सुधीर कुमार (35) निवासी गांव पाडला थाना किरतपुर गंधक-पोटाश छान रहा था कि अचानक तेज धमाका हुआ। सुधीर की मौके पर ही मौत हो गई। उसका सिर धड़ से अलग हो गया।

अजमेर शरीफ जा रहे जायरीनों की बस ट्रक से टकराई, 4 की मौत

बस्ती, एजेंसी

जिले में जायरीनों की एक बस की एक ट्रक से आमने-सामने की टक्कर हो गई जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना सोमवार देर रात बस्ती-लुंबिनी रोड पर कोतवाली थाना क्षेत्र के हरदिया चौराहे के पास उस वक्त हुई जब संत कबीर नगर से अजमेर शरीफ उर्स के लिए जा रही बस की एक ट्रक से सीधी टक्कर हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसे में दो जायरीनों के अलावा बस और ट्रक के चालक की मौत हो गई।

मृतकों की पहचान बस्ती जिले के निवासी अब्दुल्ला (60), मुख्तार अली (75), संदीप पांडे (32) और सिद्धार्थनगर निवासी शिव राज सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बाघ घेरने के मामले में तीन वाहनों के चालक-गाइड पर रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : बराही रेंज में सफारी वाहनों से बाघ को घेरने के मामले में कार्रवाई का सिलसिला शुरू हो गया है। रेंज स्तर से हुई कार्रवाई में तीन सफारी वाहनों के चालक-नेचर गाइडों के विरुद्ध विभागीय केस दर्ज किया गया है।

वहीं इन सभी सफारी वाहनों को पर्यटन सेवा से बाहर कर दिया गया है। इधर उप प्रभागीय वनाधिकारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर अब संबंधित रेंज के अधिकारी-कर्मचारियों पर भी कार्रवाई तय मानी जा रही है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पर्यटन नियमों के उल्लंघन का मामला 7 दिसंबर का है। बराही रेंज में दूसरी शिफ्ट के दौरान साइफन पुल पर सफारी वाहनों से बाघ को घेरने का मामला उजागर हुआ था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में करीब 4 सफारी वाहन पुल के दोनों छोर पर खड़े दिखाई दिए थे।

छह बच्चों के साथ भूख से जूझ रही मां

संवाददाता, मझगईं

- महिला ने सोशल मीडिया पर लगाई मदद की गुहार

अमृत विचार: क्षेत्र के हककलपुर गांव में एक गरीब परिवार की हालत इन दिनों बेहद दयनीय हो गई है। परिवार के मुखिया की लंबी बीमारी के बाद हुई मौत ने उनकी पत्नी और छह बच्चों को ऐसे हालात में ला खड़ा किया है, जहां दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं हो पा रही है। प्रशासनिक मदद न मिलने से दाने-दाने को मोहताज हुई महिला ने अब सोशल मीडिया पर मदद की गुहार लगाई है।

छोटे-छोटे बच्चों के साथ सोशल मीडिया पर मदद की गुहार लगाती महिला।

गांव हककलपुर निवासी विजय पाल मौर्य लंबे समय से गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। इलाज के लिए परिवार ने अपनी दो बीघा जमीन गिरवी रख दी और नकदी जमा पूंजी थी वह दवा में खर्च हो गई। बावजूद इसके रविवार को विजय पाल की मौत हो गई। पति की मौत के बाद आरती देवी पर छह छोटे-छोटे बच्चों की परवरिश की जिम्मेदारी है। मजबूरी के चलते आरती देवी ने अपने छह बच्चों के साथ हाथ जोड़कर सोशल मीडिया पर एक दर्द भरी पोस्ट डालकर लोगों से मदद की अपील की है। यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है। अब देखना यह है कि समाज और प्रशासन इस जरूरतमंद परिवार की मदद के लिए आगे आता है या नहीं।

सख्ती

मुख्यमंत्री ने कहा- अन्नदाता को खाद के लिए भटकना पड़ा तो कोई नहीं बचेगा, तय होगी जवाबदेही

खाद माफिया पर एनएसए के तहत होगी कार्रवाई : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कृषि मंत्री प्रतिदिन करेंगे समीक्षा सीएम कार्यालय से हर जिले पर रखी जाएगी सीधी निगरानी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में खाद की कालाबाजारी, मिलावट और नकली खाद बेचने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए दो टूक कहा है कि ऐसे तत्वों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि खाद माफिया पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत कार्रवाई होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अन्नदाता किसान को खाद को लेकर किसी भी प्रकार की परेशानी हुई तो दोषी चाहे जिस स्तर का हो, कार्रवाई से नहीं बच पाएगा।

मंगलवार को कृषि एवं सहकारिता मंत्री की मौजूदगी में हुई उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने खाद की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सहकारिता और कृषि मंत्री प्रतिदिन खाद की स्थिति की समीक्षा करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री कार्यालय से हर जिले पर सीधी निगरानी रखी जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि डीएम, एडीएम और एसडीएम खुद मैदान में उतरें और खाद की दुकानों व समितियों पर औचक निरीक्षण करें। फील्ड में तैनात अधिकारियों की गतिविधियों की निरंतर निगरानी होगी। मिलीभगत सामने आई तो खुली विजिलेंस जांच कराई जाएगी।

प्रदेश में खाद की मौजूदा उपलब्धता

यूरिया : 9.57 लाख मीट्रिक टन
- सहकारी क्षेत्र : 3.79 लाख मीट्रिक टन
- निजी क्षेत्र : 5.78 लाख मीट्रिक टन

डीएपी : 3.77 लाख मीट्रिक टन
- सहकारी : 1.47 लाख मीट्रिक टन
- निजी : 2.30 लाख मीट्रिक टन

एनपीके : 3.67 लाख मीट्रिक टन
- सहकारी : 0.88 लाख मीट्रिक टन
- निजी : 2.79 लाख मीट्रिक टन
- रबी बुवाई लगभग पूरी
- गेहूं में टॉप ड्रेसिंग के लिए यूरिया वितरण जारी
- प्रतिदिन औसतन 54,249 मीट्रिक टन यूरिया का वितरण

वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी पर सख्त

मुख्यमंत्री ने एनेक्सी में हुई दूसरी उच्चस्तरीय बैठक में वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य को लेकर विभागों को और तेज़ी से काम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2016-17 में प्रदेश की जीएसडीपी जहां 12.5 लाख करोड़ रुपये थी, वहीं वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 29.78 लाख करोड़ रुपये हो गई है। वर्ष 2025-26 में 36 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। उन्होंने निर्देश दिए कि मंत्रीगण मासिक, मुख्य सचिव पाक्षिक और विभागाध्यक्ष साप्ताहिक समीक्षा सुनिश्चित करें।

उत्तराखंड में बेसिक शिक्षक बनने के लिए कड़ा मुकाबला

देहरादून, अमृत विचार: बेसिक शिक्षक बनने के लिए मुकाबला कड़ा हो गया है। प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत बेसिक शिक्षकों की जनपदवार भर्ती प्रक्रिया के तहत 1670 पदों के सापेक्ष 61861 अभ्यर्थी आवेदन कर चुके हैं। ज्यादा पद अल्मोड़ा और पौड़ी में हैं।

विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए हैं। ज्यादा अल्मोड़ा में 241 पदों के सापेक्ष 6634 आवेदन मिले हैं जबकि सबसे कम चम्पावत जिले में 85 पदों के सापेक्ष 5190 आवेदन मिले हैं। सभी जनपदों में आवेदित आवेदनों की स्क्रूटनी की जा रही है। इसके बाद अभ्यर्थियों की मेरिट लिस्ट तैयार होगी।

वीर जवानों ने सर्वोच्च बलिदान से की राष्ट्र की रक्षा: धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- कहा-सेना के शौर्य, त्याग और गौरवगाथा स्मरण करने का दिन

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, हमारे वीर जवानों ने अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान से 1971 के युद्ध में राष्ट्र की अखंडता और स्वाभिमान की रक्षा की। यह सेना के शौर्य, त्याग और अटूट राष्ट्रनिष्ठा की गौरवगाथा को स्मरण करने का दिन है, जो हमारे इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित है।

विजय दिवस पर गांधी पार्क में आयोजित श्रद्धांजलि एवं सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने 1971 के युद्ध के सैनिकों और शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सैनिक कल्याण निदेशालय और जिला सैनिक कल्याण कार्यालय (डीडीहाट, हरबर्टपुर, पिथौरागढ़ एवं हरिद्वार) इन सभी पांच कार्यालयों में सरकारी वाहन दिए जाएंगे।

बलिदानियों के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी में समायोजित करने का निर्णय लिया गया है। वहीं, सरकारी नौकरी के लिए आवेदन करने की अवधि भी 2 वर्ष से बढ़ाकर 5 वर्ष कर दी गई है। शहीदों के परिजनों को मिलने वाली सम्मान राशि को बढ़ाकर 50 लाख रुपये किया गया है।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389

सुविधायें
- सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
- रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
- ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रो सिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
- सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
- दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
- गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
- रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
- बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
- अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
- रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
- लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रातः 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

प्री वेडिंग फोटो शूट के बहाने मंगेतर से दुष्कर्म

रिपोर्ट दर्ज होने पर मांगी माफी, आर्यसमाज मंदिर में की शादी

संवाददाता, बरेली/ कैंट

अमृत विचार : कैंट थाना क्षेत्र में रहने वाली युवती को प्री-वेडिंग फोटोशूट के बहाने एक युवक ने उत्तराखंड ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं फिर मुकदमे से बचने के लिए आर्य समाज मंदिर में शादी भी कर ली। आरोप है कि शादी के बाद दहेज के लिए अमानवीय उत्पीड़न करना शुरू कर दिया। पीड़िता के डॉक्टर पिता ने मामले की शिकायत एसएसपी अनुराग आर्य से की। एसएसपी के आदेश पर कैंट थाने में सात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता के मुताबिक उसकी शादी 3 मार्च को बदायूं रोड थाना सुभाषनगर निवासी युवक से तय हुई थी। शादी से पहले आरोपी उसे प्री-वेडिंग शूट के नाम पर उत्तराखंड ले गया। जहां उसकी मर्जी के खिलाफ जबरन शारीरिक संबंध बनाए गए। आरोप है कि 14 फरवरी को आरोपी के पिता की मौत के बाद युवक ने शादी से साफ इंकार कर दिया। खुद को ठगा महसूस कर पीड़िता ने थाना कैंट में रिपोर्ट दर्ज कराई।

मुकदमा दर्ज होते ही आरोपी बैकफुट पर आया और गिरफ्तारी से बचने के लिए 1 अप्रैल को आर्य समाज मंदिर, सुभाषनगर में शादी कर ली। आरोप है कि इसके बाद भी पीड़िता को पत्नी का दर्जा नहीं दिया गया। उसे घर में अकेला छोड़कर आरोपी गायब रहता था और विरोध करने पर मारपीट व अभद्रता करता था। इसी बीच एक महिला का फोन आया, जिसने गालियां देते हुए कहा कि युवक ने केवल केस से बचने के लिए उससे शादी की है। घर छोड़ दो, नहीं तो जहर देकर मार देंगे।

- शादी के बाद दहेज के लिए किया प्रताड़ित, दूसरी महिला के साथ रहने लगा पति
- एसएसपी के आदेश पर पति सहित सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

आरोप है कि इसके बाद ससुराल पक्ष का दहशत भरा चेहरा सामने आया। सास, जेठ, जिठानी, ननद और ननदोई ने मिलकर 20 अक्टूबर को 25 लाख रुपये नकद और बुलेट मोटरसाइकिल की मांग रखी। मांग पूरी न होने पर बंद कमरे में बेरहमी से पिटाई की गई और गला दबाकर हत्या का प्रयास किया गया। ससुरालियों ने 24 अक्टूबर को पीड़िता को केवल एक जोड़ी कपड़ों में घर से बाहर निकाल दिया और दहेज लाने तक वापस न आने की धमकी दी। एसएसपी के आदेश के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म, दहेज उत्पीड़न, मारपीट, जान से मारने की धमकी समेत अन्य गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है।

घर में अकेली महिला से दुराचार का प्रयास

नवाबगंज, अमृत विचार : एक दबंग ने एक महिला के घर में घुसकर उससे दुराचार का प्रयास किया, महिला के शोर मचाने पर वह उससे गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। जब महिला का पति घर आया तो उसने उसे सारी बात बताई तो वह आरोपी के घर शिकायत करने गया जिससे गुस्साए दबंग और उसके परिजनों ने महिला के घर में घुसकर उसकी और उसके पति की पिटाई कर दी घटना की रिपोर्ट महिला की ओर से थाना नवाबगंज में दर्ज करायी गयी है नवाबगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में एक महिला अपने पति के साथ रहती है। 13 दिसंबर की शाम उसका पति गांव मे ही एक दुकान पर सामान खरीदने गया था। महिला घर में अकेली थी इसी बीच गांव का ही संजू उसके घर में घुस आया और उसे दबोच कर दुराचार का प्रयास किया और महिला के कपड़े फाड़ डाले जिसका विरोध करते हुए उसने शोर मचाया तो वह उसे गाली गलौज करते हुए फरार हो गया जब उसका पति घर आया तो महिला ने सारी बात बताई। घटना की रिपोर्ट संजू, राजीव व संतोष के खिलाफ थाना नवाबगंज में रिपोर्ट दर्ज करायी गयी है

किशोरी के साथ मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

फतेहगंज पूर्वी। दुकान पर खरीदारी के दौरान मारपीट करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद किशोरी के पिता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

किसानों के खातों में पहुंचा 21 करोड़ से अधिक भुगतान

फरीदपुर, अमृत विचार: द्वारिकेश चीनी मिल ने एक सप्ताह तक मिल को गन्ना देने वाले किसानो को 21 करोड़ का भुगतान कर दिया है। यह भुगतान किसानों के खाते में पहुंच गया है। भुगतान की यह अवधि 2 से 8 दिसंबर की अवधि की है ।

मिल प्रबंधन ने बताया कि 15 दिसंबर को किसानों को गन्ने का यह भुगतान किया गया है। अब तक मिल द्वारा इस सत्र में कुल 8519.06 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। यह आंकड़ा अपने आप में मिल की किसान-हितैषी नीति की गवाही देता है।

मिल प्रबंधन ने किसानों को सलाह देते हुए ठंड के मौसम में गन्ने की कटाई टालने की अपील की गई है, क्योंकि कम तापमान में कटी फसल की पेड़ी में अच्छा फुटाव नहीं होता, जिससे अगली फसल प्रभावित हो सकती है। मिल को केवल साफ-सुथरा तथा ताजा गन्ना ही सप्लाई करने का अनुरोध किया गया है। यह उत्पादन बढ़ाने में मदद करेंगे, बल्कि गुणवत्ता बनाए रखकर किसानों की आय को भी सुरक्षित करेंगे। द्वारिकेश चीनी मिल ने अपनी प्रतिबद्धता को पेराई सत्र 2025-26 में किसानों को समय पर भुगतान करके मुस्कान लौटा दी है।

गन्ना किसानों ने फूंका मंत्री का पुतला

नवाबगंज में भुगतान नहीं होने पर गन्ना मंत्री का पुतला फूंकते किसान। • अमृत विचार

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : पिछले दो सालों के गन्ना भुगतान की मांग को लेकर चल रहे धरना प्रदर्शन में मंगलवार को जहां आंदोलनकारियों ने गन्ना मंत्री का पुतला फूंका वहीं पुतला फूंकने के दो घंटे बाद ही धरना समाप्त करने की घोषणा कर दी गई। बताया जाता है कि अधिकारियों ने मार्च तक भुगतान किए जाने का भरोसा दिया है।

बताते चलें कि 8 दिसंबर से सामाजिक संस्था पैनी नज़र की अध्यक्ष सुनीता गंगवार गन्ना भुगतान की मांग को लेकर तहसील परिसर में अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया था। जोर शोर से चल रहे धरना प्रदर्शन में क्षेत्र के गन्ना किसान सर्द रात धरने में गुजार रहे थे। सोमवार को किसानों ने धरना स्थल पर जहां गन्ने की होली जलाई थी, वहीं मंगलवार को आंदोलनकारियों ने गन्ना मंत्री का पुतला फूंका और उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए ओसवाल चीनी मिल प्रबंधन से गन्ना भुगतान कराए जाने की मांग की। नौवें दिन धरने पर सुनीता गंगवार एडवोकेट, पूर्व ब्लॉक प्रमुख तेज प्रकाश गंगवार, नीलम गंगवार, वहीद अहमद, रामरतन गंगवार, ब्रह्मानन्द गंगवार, बृजेश गंगवार, वीडीसी अर्जुन सिंह गंगवार, सुरेश पटेल, भुवनेश गंगवार, नरेश गंगवार, सुरेंद्र गंगवार, संजीव गंगवार, बलवीर सिंह, महेश गंगवार, नानक चन्द शर्मा, हरीश गंगवार पप्पू, रामकिशन गंगवार, अमित गंगवार, उमरायलाल, लीलाधर पप्पू बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

- पुतला फूंकने के कुछ घंटे बाद नौवे दिन आश्वासन के बाद धरना किया समाप्त

आंदोलनकारियों से एसडीएम उदित पवार, तहसीलदार दुष्यन्त प्रताप सिंह, सीओ नीलेश मिश्र, कोतवाल अरुण कुमार श्रीवास्तव ने वार्ता की और सामाजिक संस्था की अध्यक्ष को आश्वासन दिया कि चीनी मिल की सम्पत्ति को कुर्क कर लिया गया है।

मिल संपत्ति की नीलामी की प्रकिया शीघ्र किए जाने के बाद किसानों को बकाया भुगतान किया जाएगा। इस आश्वासन के बाद धरना समाप्त की घोषणा की गई।

मर्जी से कर दी धरना समाप्ति की घोषणा

धरने में कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव सुरेश पटेल एडवोकेट ने पैनी नजर संस्था की अध्यक्ष सुनीता गंगवार पर आरोप लगाया है कि उन्होंने किसानों को विश्वास में लिए बिना खुद की मर्जी से धरना समाप्ति की घोषणा की है जबकि किसानों की बैठक कर उनकी राय जरूर लेनी चाहिए। इस एकतरफा फैसले से किसानों में मायूसी है।

शिक्षिका को 12 साल बाद मिला जमीन पर कब्जा

फरीदपुर, अमृत विचार : 12 साल कोर्ट में मुकदमा चलने के बाद मंगलवार को महिला को उसकी जमीन का हक वापस मिल गया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने शिक्षा विभाग में प्रवक्ता पद से सेवानिवृत सरोज जायसवाल की कब्जा की गई जमीन को मंगलार को मुक्त कराया।

श्याम सुंदर कन्या इंटर कॉलेज के निकट तुलसी रेस्टोरेंट एंव जन सेवा केंद्र संचालित हो रहा था। रामपुर निवासी सरोज जायसवाल के पति ने मोहल्ला फर्रखपुर निवासी तुलसीराम जायसवाल को अपनी जगह कारोबार करने के लिए दी थी। आरोप है कि तुलसीराम व संदीप जायसवाल आदि ने कूट रचित दस्तावेज तैयार कर वसीयत बनाकर वर्ष 2013 में सिविल न्यायालय जूनियर डिवीजन में एक वाद दायर किया। इसका निर्णय 29 मई 2019 को सरोज जायसवाल की पक्ष में आ गया।

इसके बाद 11 दिसंबर 2025 को संजीव आदि ने अपील दायर की इसमें 16 दिसंबर को पुनः सरोज जायसवाल आदि के पक्ष में तुलसी रेस्टोरेंट एवं जन सेवा केंद्र को खाली करने के लिएकोर्ट ने आदेश जारी कर दिया। इसी के बाद पुलिस फोर्स की मौजूदगी में मंगलवार को संजीव आदि के कब्जे से मुक्त कराकर सरोज को कब्जा दे दिया गया।

अपनी ही जमीन पाने के लिए सरोज जायसवाल ने 12 साल लड़ाई लड़ी।

न्यूज डायरी

कॉलेज में 512 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

मीरगंज, अमृत विचार : मंगलवार को राजेंद्र प्रसाद डिग्री कॉलेज में मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत राजश्री मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल द्वारा एक दिवसीय फ्री स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया गया।इसमें छात्र-छात्राओं सहित 512 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस अवसर पर डॉ अनुपम शर्मा एवं डॉ मृदुला शर्मा ने सभी को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने को जागरुक किया। शिविर में स्त्री एवं प्रसूति रोग की डॉ गजाला, प्राची एवं अनुज सिंह, डॉ अर्चित, प्रखर, डॉ प्रयास मिश्रा, सरबजीत, डॉ जितेंद्र, ज्योति, डॉ वैष्णवी, आसिमा राना, डा. अंजर अहमद व अशक्ति ने चेकअप आदि किया तथा दवाइयों का वितरण किया गया। कैंप में महाविद्यालय के प्रोफेसर शिवकुमार सिंह प्राचार्य, प्रोफेसर विजय बहादुर सिंह बिष्ट, डॉ रेखा, रानी बंसल संयोजक, मिशन शक्ति कार्यक्रम, डॉ ममता रंजन, डॉ एकता श्रीवास्तव, डॉ नीलम राठौर, वीरेंद्र शर्मा, केपी सिंह खनी, शिव प्रताप सिंह, वेद प्रकाश शर्मा, संजय शर्मा आदि रहे।

लाभार्थियों को जोड़कर राजस्व बढ़ोत्तरी पर जोर

शेरगढ़ अमृत विचार : ब्लाक के पंचायत सहायकों का अनावासीय आय के सृजन ओएसआर पर आधारित दो दिवसीय प्रशिक्षण ब्लाक सभागार में संपन्न हुआ। जिसमें प्रशिक्षकों ने कॉमन सर्विस सेंटर पर पीपीटी और चर्चा के माध्यम से समझाते हुए सेवा शुल्क से आय, स्थानीय सुविधा देकर अधिक लाभार्थियों को जोड़कर राजस्व में बढ़ोतरी कराने पर जोर दिया। राज्य प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह तोमर, सोनल तोमर, अनीता गंगवार, सुहैब ने बैंक के प्रोडक्ट्स के बारे में चर्चा की। प्रशिक्षण के समापन सत्र पर राज्य प्रशिक्षक ने कहा कि पंचायतों की अपनी मजबूत आय राजस्व, सशक्त स्थानीय शासन की नींव है। समापन के दौरान ग्राम प्रधान हरिओम, प्यारेलाल यदुवंशी, विकास गंगवार, श्रीकृष्ण, सुनील कुमार मौर्य, आशिफ हुसैन, पंचायत सहायक श्रद्धा श्रीवास्तव, अनामिका सिंह, शिवानी तिवारी, सुमन कुमारी, जोया खान, नीलम, सोनम रानी, अरविंद मौर्य, फिरोज आदि पंचायत सहायकों ने ने प्रतिभाग किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न आतिशबाजी छोड़कर बांटी मिठाई

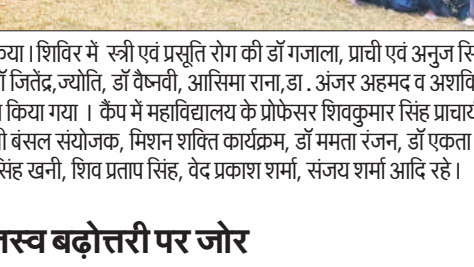

मीरगंज : सोमवार को भाजपा नेता ओमपाल गंगवार ने तहसील गेट पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी व राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन के बनने पर खुशी मनाई। इस दौरान आतिशबाजी छोड़ी गई। एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई इस दौरान तेजपाल सिंह फौजी, भगवान सिंह गंगवार, अभिषेक गंगवार जग्गू, अमरनाथ गुप्ता, सतीश गंगवार, कुवेंद्र मौर्य आदि रहे।

बिजली उपभोक्ताओं को बिल राहत योजना की दी जानकारी

भदपुरा, अमृत विचार : बिजली विभाग ने मंगलवार को गांव तिगरी में बिजली बिल राहत योजना के तहत शिविर आयोजित कर उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी दी। एस डी ओ अरुण कुमार ने बताया कि योजना में बिजली बिलों के भुगतान में छूट की विभिन्न श्रेणियां, बिल समायोजन की प्रक्रिया और बकाया राशि के भुगतान के लिए किश्त सुविधा उपलब्ध होगी। 1 दिसंबर से 28 फरवरी तक योजना चलेगी। तय अवधि में आवेदन करने वाले उपभोक्ताओं को बकाया राशि पर लगने वाले शुल्क और सरचार्ज में भारी छूट मिलेगी, साथ ही किश्त में भुगतान की सुविधा भी प्राप्त होगी। जेई जगदीश कुमार ने अपील की कि उपभोक्ता इस योजना का लाभ उठाने में देरी न करें और अपने बिजली बिलों का समय पर निस्तारण करें। इस दौरान सौरव संविदा कर्मचारी देवेश कुमार, लाला राम, भागीरथ और लीलाधर सहित अन्य बिजली कर्मी मौजूद रहे।

युवती को मंडप से उठा ले जाने की धमकी

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : मामला क्षेत्र के एक गांव का है। गांव की एक किशोरी कि शादी थाना वहेडी के उनई चपटा के एक युवक के साथ तय हुई थी, जिसमें 12 फरवरी को बारात आना तय हुआ था।

आरोप है कि किशोरी के गांव में मूलचंद के घर थाना बहेड़ी के गांव उलेहतापुर के सौरभ का आना जाना था, गांव में उसकी ननसाल है, किसी तरह उसने किशोरी का नम्बर प्राप्त कर लिया और आए दिन उससे अश्लील बातें करने लगा, जिसका विरोध किए जाने पर सौरभ ने उससे कहा कि वह उससे ही शादी करेगा। अगर उसने इंकार कर दिया तो वह उसे मंडप से उठाकर ले जाएगा।

आरोप है शोहदे ने उसके फोटो बनाकर किशोरी के मंगेतर से भेज दिए जिस पर उसका तय रिश्ता टूट गया। किशोरी के पिता की तहरीर पर पुलिस ने सौरभ और मूलचंद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

पत्नी को न बुलाने पर युवक को पीटा, रिपोर्ट

आंवला, अमृत विचार : पत्नी को मायके से न बुलाने की बात पर दो लोगों ने मोहल्ले के ही एक युवक की लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटकर घायल कर दिया।

मोहल्ला मोहब्बतगंज गौंटिया निवासी मुकेश ने बताया कि दो दिन पूर्व मोहल्ले के शान और तन्नू उर्फ सिद्धांत उसके घर पहुंचे और गालियां देने लगे। जब उसने विरोध किया तो दोनों ने पूछा कि वह अपनी पत्नी को मायके से क्यों नहीं बुला रहा है। मुकेश के जवाब देने पर दोनों आक्रोशित हो गए और लोहे की रॉड से उस पर हमला कर दिया। हमले में मुकेश के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं हैं। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच आरम्भ कर दी है।

आग से खोखा जलकर राख

आंवला, अमृत विचार : पान बीड़ी के एक खोखे में आग लगने से खोखा राख हो गया। पीड़ित ने साजिशन आग लगाने का आरोप लगाया है। अधिवक्ता अवनीश तिवारी ने बताया कि उरला गांव निवासी प्रेमपाल गिरि तहसील गेट तिराहे के समीप पान बीड़ी और चाय का खोखा लगाकर रोजी-रोटी चला रहे थे। सोमवार को खोखे में आग लगने उसका सामान जल गया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवम्बर 2024 में मेरा निकाह तसलीम अंसारी के साथ हुआ था उस समय मैं नाबालिग थी। अब मैं बालिग हो गयी हूँ तथा अपने भविष्य के निर्णय लेने में सक्षम हूँ। मैंने अपने पूर्व पति तसलीम अंसारी के गलत रवैये व गलत संगत के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है। अब मै आसिम अली पुत्र अकरम भली निवासी लालू नगला थाना शीशगढ़ जिला बरेली के साथ रह रही हूँ। **शायनूर पुत्री इरशाद अली निवासी ग्राम बंजरिया थाना शीशगढ़ जिला बरेली।**

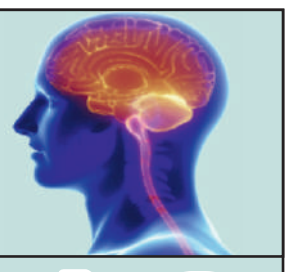

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र राजपाल व उसकी पत्नी ममता को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **पूरनलाल पुत्र लाखन निवासी ग्राम खण्डुआ, थाना उधैती जनपद बदायूँ।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड सं. 9413 7487 5233 में मेरा नाम भूलवश पूनम दर्ज हो गया था जिसे बदलकर अब मैंने सही नाम नन्हीं दर्ज करा दिया है लेकिन ऑनलाइन में अभी भी पूनम नाम ही दर्ज है। **नन्हीं और पूनम ये दोनों नाम एक ही महिला के है। नन्हीं पत्नी देवकी प्रसाद निवासी 22 बाकरगंज चौकी, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : घबराहट, छाती में दर्द या भारीपन, सांस फूलना, पैरों में सूजन, हाई ब्लडप्रेशर, हाई कोलेस्ट्रोल, डाइबिटीज (शुगर), सीने या पेट में जलन या दर्द, हार्ट अटैक, हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षो का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट) (के.जी.एम.यू. लखनऊ)
निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें +91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
- प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP)
- गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL)
- गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL)
- पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

न्यूज ब्रीफ

कांवर खास के प्रधान मान सिंह का निधन

शेरगढ़,अमृत विचार : ग्राम पंचायत कांवर खास (बालपुर) के ग्राम प्रधान मानसिंह गंगवार का आकस्मिक निधन हो गया। वे 46 वर्ष के थे तथा बीते लंबे अरसे से बीमार चल रहे थे। मंगलवार को शोकाकुल माहौल में उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया।सूचना मिलते ही ब्लाक प्रमुख भूपेंद्र कुर्मी, राजीव शर्मा, प्यारेलाल यदुवंशी, प्रताप सिंह, अनिल गंगवार, देवेंद्र सिंह चौहान, केपी गंगवार, प्रधान छोटे खां,, श्रीकृष्ण, राहुल राना, ग्राम प्रधान हरिओम गंगवार, सुमित शर्मा समेत ब्लाक कर्मचारियों और ग्राम प्रधानों ने उनके निधन पर गहरा दु:ख जताया है।

लंबित विवेचनाओं को पूरा करने के निर्देश

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : मंगलवार को थाना के ओआर के दौरान सीओ हाइवे शिवम आशुतोष सिंह लंबित विवेचनाओं पर दरगाओं को नाराजगी जताई साथ ही जल्द विवेचना पूर्ण करने के निर्देश दिए। सीओ ने बताया मंगलवार को उन्होंने दोपहर के बाद थाना पहुंचकर बारी बारी से दरोगाओं को बुलाकर विवेचनाओं और इलाके में अपराध नियंत्रण की जानकारी ली। साथ ही लंबित विवेचनाओं को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए जल्द पूरी करने के सख्त निर्देश दिए।इसके अलावा मिशन शक्ति के तहत महिलाओं की सुरक्षा और अपराध नियंत्रण कर शातिर अपराधियों की निगरानी कर उनको सलाखों के पीछे भेजने के थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक कुमार को निर्देश दिए।

टोल प्लाजा पर वाहनों में लगाए रिफ्लेक्टर

फरीदपुर, अमृत विचार : एनएचआईटी की टीम ने फरीदपुर टोल पर वाहनों को रोककर उनमें रिफलेक्टर लगाए। वाहनों के आगे पीछे स्टीकर लगाकर सड़क यातायात को सुरक्षित किया गया। वाहन चालकों को धनी कोहरे को देखते हुए सावधानी पूर्वक वाहन चलाने एवं यातायात के नियमों का पालन करने के बारे में बताकर स्वयं के परिवार के साथ साथ दूसरों के परिवार को भी सुरक्षित रखने का आग्रह किया गया। इस मौके पर प्राधिकरण के मैनेजर कासिम खान एस के एम प्लाजा मैनेजर पवन आदि रहे।

बीएलओ ड्यूटी लगाने में भेदभाव की होगी जांच

एसडीएम और एसीएम ने दिवंगत शिक्षक के परिवार से की मुलाकात

संवाददाता, बिशारतगंज

बीएलओ के परिजन से मिलने पहुचीं एसडीएम आंवला और एसीएम। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मंगलवार सुबह उप जिलाधिकारी (एसडीएम) आंवला और सहायक नगर मजिस्ट्रेट (एसीएम) मृतक शिक्षक एवं बीएलओ विनोद कुमार शर्मा के निवास बिशारतगंज पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और उनके दुख को साझा किया। इस दौरान परिजनों ने अधिकारियों से बताया कि विनोद कुमार शर्मा की आयु 61 वर्ष थी और स्वास्थ्य भी ठीक नहीं चल रहा था। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) ड्यूटी से नाम हटाने के लिए प्रार्थना पत्र भी दिया था, लेकिन इसके बावजूद उन्हें ड्यूटी से मुक्त नहीं किया गया। परिजनों ने सवाल उठाया कि जब उनकी हालत नाजुक थी और अन्य शिक्षकों को राहत दी गई, तो उन्हें क्यों नहीं हटाया गया।

इस पर एसडीएम आंवला ने कहा कि पूरे प्रकरण की गहन जांच कराई जाएगी। यदि ड्यूटी लगाने में किसी प्रकार का भेदभाव या लापरवाही पाई जाती है, तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने विभागीय स्तर पर मिलने वाली सभी सुविधाएं शीघ्र ही परिवार को उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

बस में मिली दो साल की लावारिस बच्ची

नवाबगंज, अमृत विचार : रोडवेज बसों में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर दावों की पोल मंगलवार को उस समय खुल गई, जब एक दो वर्षीय मासूम बच्ची को बस में लावारिस छोड़ दिया गया। बस परिचालक बच्ची को सड़क पर छोड़कर बस लेकर चलता बना, जिससे बच्ची की जान पर गंभीर खतरा पैदा हो गया।

नवाबगंज थाना क्षेत्र के रिछोला किफायतुल्ला गांव निवासी सोनी, जिनका विवाह फरीदपुर कस्बे में हुआ है, सैटेलाइट से बस से मायके आ रही थीं। रिछोला पुलिस चौकी के पास बस से उतरते समय परिचालक ने बस में मौजूद बच्ची को महिला की बताते हुए जबरन साथ ले जाने को कहा। महिला द्वारा इनकार करने के बावजूद परिचालक ने बच्ची को सड़क पर छोड़ दिया और बस लेकर रवाना हो गया।

पंचायत सचिवों का आंदोलन स्थगित

संवाददाता, बरेली/शेरगढ़

● पंचायतों में संसाधन देने के बाद ही सचिवों की लगेगी ऑनलाइन हाजिरी

● एक दिसंबर से ग्राम पंचायत और ग्राम विकास अधिकारी दे रहे थे धरना

अमृत विचार: ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सचिवों की ऑनलाइन हाजिरी की व्यवस्था उन्हें जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने के बाद ही लागू की जाएगी। बीते 15 दिनों से फेशियल रिकॉग्निशन एटेंडेंस सिस्टम के विरोध व अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे ग्राम सचिवों ने मंगलवार को निदेशक पंचायती राज से आश्वासन मिलने के बाद अपना आंदोलन स्थगित कर दिया है।

ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष जितेंद्र गंगवार ने कहा कि मंगलवार को लखनऊ में पंचायती राज निदेशालय में उप्र ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप सिंह व ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चंद्र पांडेय ने पंचायती राज निदेशक अमित सिंह से मुलाकात कर उनसे बिंदुओं पर वार्ता हुई। संघ ने स्मार्ट मोबाइल फोन, सिम व उसके खर्च की व्यवस्था करने के साथ ही ऑनलाइन हाजिरी को लेकर आने वाली व्यावहारिक समस्याओं को उनके सामने रखा।

इस पर निदेशक ने आश्वासन दिया कि वह सुविधाएं दिलाने का प्रयास करेंगे और अगर ग्राम सचिव को कई गांव में भ्रमण करना पड़ता है तो वह जहां पर भी हों वहां से अपनी उपस्थिति दर्ज कर दें। ग्राम सचिवों के लिए मोटरसाइकिल भत्ता देने का प्रत्यावेदन शासन को भेजा जाएगा। फिलहाल निदेशक से वार्ता के बाद आंदोलन को स्थगित किए जाने की जिले में घोषणा कर दी गई।

ग्राम विकास अधिकारी संघ के अध्यक्ष सुरेंद्रवीर ने बताया कि मनरेगा की ऑडिट एक्ट के अनुरूप स्थानीय लेखा परीक्षक से न करा कर सामाजिक अंकेक्षण से कराने व परफॉर्मेंस ग्रांट की तरह चार्टर्ड अकाउंटेंट का विकल्प देने की मांग पर भी संतोष जनक वार्ता हुई है।

शेरगढ़ में पंचायत सचिव प्यारेलाल यदुवंशी ने प्रदेश नेतृत्व के हवाले से बताया कि पंचायत सचिवों की मांग पर उन्हें सरकारी एंड्राइड मोबाइल सेट,लैपटॉप,सीयूजी सिम तथा केंद्रीय वित्त के प्रशासनिक मद से डाटा भत्ता हेतु धनराशि की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाएगी। इस पर सभी ने संतोष जताया है। वार्ता के दौरान प्रमुख नेता मौजूद रहे। इस अवसर पर सुनील कुमार मौर्य,विकास गंगवार,श्री कृष्ण,आशिफ हुसैन तथा कई लोग मौजूद रहे।

धरना स्थल पर ही दूसरे दिन जलाया चूल्हा

आशा कार्यकर्ताओं ने धरना स्थल पर चूल्हा जलाकर भोजन व चाय बनाई।

संवाददाता, मीरगंज

● मांगों को लेकर कंपकंपाती ठंड में दूसरे दिन डटी रहीं आशा कार्यकर्ता

अमृत विचार: सीएचसी मीरगंज में आशा कार्यकर्ताओं की अनिश्चितकालीन हड़ताल दूसरे दिन मंगलवार को भी जारी रही। कड़ाके की ठंड के बावजूद आशा कार्यकर्ता रात भर धरना स्थल पर डटी रहीं और सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान नारेबाजी भी की गई। उन्होंने खाना भी वहीं पकाया और खाया।

आशा संगठन की प्रदेश सचिव जयश्री गंगवार ने बताया कि सरकार की अनदेखी के कारण आशा कार्यकर्ताओं को हड़ताल पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने कहा कि कई बार ज्ञापन सौंपे जाने के बावजूद उनकी मांगों पर कोई ठोस सुनवाई नहीं हुई हैप्रशासन और सरकार के अगले कदम पर सबकी नजर है। चेतावनी दी कि जब तक ठोस आश्वासन नहीं मिलता, तब तक यह धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा।

अलाव से राहत

मंगलवार को भी घना कोहरा छाया रहा। हवा के साथ बढ़ी ठंड के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। घने कोहरे के कारण जरूरी काम के लिए लोग घरों से निकले। कोहरे के चलते लोगों को वाहन चलाने में खासी मशक्कत करनी पड़ी। शाम होते-होते ठंडभी बढ़ गई। सड़क पर शाम छह बजे से ही सड़कों को कोहरे ने ढक लिया। शेरगढ़ में सुबह की ठंड और कोहरे से स्कूली बच्चे ठिठुरते हुए स्कूल कालेज पहुंचे। अन्य दिनों की अपेक्षा कार्यालयों में फरियादियों की भी संख्या कम रही।

आंवला में रसोई गैस का संकट कई दिन से उपभोक्ता परेशान

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : कस्बा समेत आसपास के हजारो एचपी गैस उपभोक्ताओं के लिए दिसंबर माह मुसीबत भरा बन गया है। गैस न आ पाने से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है। लोग पेट भरने के लिए पुनः चूल्हे का सहारा लेने को मजबूर हो गये हैं।

दरअसल सितारगंज प्लांट पर मरम्मत कार्य के कारण गैस सिलेंडर की सप्लाई नही मिल पा रही है। जिससे लोग गैस सिलेंडर पाने को इधर-उधर भटक रहे हैं। सिलेंडर न मिलने पर गांवों में चूल्हों का धुआं फिर छाने लगा है। जबकि कस्बे के लोग अन्य कंपनियों के सिलेंडरों को लेकर रिफिल कराने को मजबूर हैं। जे.एस.एचपी गैस एजेंसी आंवला को सितारगंज से सिलेंडर की आपूर्ति होती है। करीब 15 हजार उपभोक्ताओं वाली इस एजेंसी पर प्लांट में मरम्मत के कारण दिसंबर माह में अबतक केवल तीन ट्रक आए हैं। ऐजेंसी स्टॉफ के अनुसार 2, 13 और 15 दिसंबर को एक-एक ट्रक आया था। प्रति ट्रक में करीब 360 सिलेंडर लाए जाते हैं। जवकि प्रतिदिन एक से दो ट्रक सिलेंडर की खपत है। इसी संकट का सामना जी.एस. गैस एजेंसी अलीगंज और सूर्या एचपी गैस एजेंसी बड़ा गांव को भी करना पड़ रहा है। उपभोक्ता अरविंद कुमार ने बताया कि ट्रक आने की सूचना पाकर उपभोक्ता दौड़ते हैं लेकिन भीड़ में केवल चंद लोग ही सिलेंडर ले पाते हैं। मुकेश कुमार ने कहा कि गांवों में डिलीवरी नहीं पहुंच पा रही है। ग्रामीण लकड़ी इकट्ठा कर चूल्हे जलाने को मजबूर हैं। अनमोल और ऋषि ने कहा कि कस्बे में लोग इंडेन या भारत गैस के सिलेंडर लेकर अपने एचपी सिलेंडर में रिफिल कराने की जुगाड़ में लगे रहते हैं। कुछ अपनी जुगाड़ में सफल भी हो रहे हैं।

खाटू श्याम के भजनों पर झूमे भक्त

कैंट में भजन संध्या में भजनों की प्रस्तुति देते गायक। ● अमृत विचार

संवाददाता, कैंट

● कैंट में बाबा ब्रह्मदेव सेवा ट्रस्ट ने सदर बाजार में कराया कार्यक्रम

अमृत विचार : बाबा ब्रह्मदेव सेवा ट्रस्ट के तत्वाधान में सदर बाजार स्थित श्रीराम लीला स्थल पर मंगलवार को श्री खाटू श्याम भजन संध्या हुई।

इसमें गायक कुक्की अरोरा, हार्दिक अरोरा तथा आयोजिका अरोरा ने खाटू श्याम के सुन्दर भजनों की प्रस्तुति दी। मुख्यतः एक आस तुम्हारी है, मेरी हार नहीं होगी, श्याम बाबा हमें तुम्हारा प्यार चाहिए, हारे के सहारे आजा जैसे भजन सुना कर गायकों ने समां बांध दिया। कार्यक्रम रात्रि 12 बजे तक चला। इसके बादआरती संपन्न कराई गई। इस अवसर पर शशिकांत जायसवाल, श्रीधर शुक्ला, वैभव जायसवाल, आनंद नारायण साहू राजकुमार शर्मा, , कृपा शंकर पाल, के एल गेरा, जेवी सिंह, दिव्यांश जायसवाल, सुरेश तिवारी, गिरीश जायसवाल, लालमन, मनोज पुरी, देवता प्रसाद तिवारी, अनिल छोटे, सचिन जायसवाल, आशीष जायसवा आदि लोग उपस्थित रहे।

मेडल और प्रशस्ति पत्र पाकर बच्चों के खिले चेहरे

मेडल और प्रशस्ति पत्र के साथ प्रतिभाशाली बच्चे। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: राजकीय हाईस्कूल, टांडा सादात नवाबगंज में मंगलवार को वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक नवाबगंज डॉ. एमपी आर्य ने हाईस्कूल के टॉपर्स छात्रों और वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता, जूडो, वाद-विवाद, निबंध प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र का आधार है। मेहनत और लगन से पढ़ाई और खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र अपने जीवन में बड़ी ऊंचाइयां हासिल कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष सेंथल कम्बर एजाज शानू ने कहा ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता बढ़ाते हैं। वीरेंद्र गंगवार ने बच्चों के प्रदर्शन की प्रशंसा की। संचालन टीआर गंगवार ने किया। शिक्षिका ममता रानी और शिक्षक यशवंत सिंह वर्मा की सराहना की गई।

नहर में पानी नहीं, आंदोलन को चेताया

संवाददाता, शेरगढ़

कस्बे के निकट सफाई का इंतजार करती झाड़ियों में समाई शेरगढ़ राजवाहा।

अमृत विचार : क्षेत्र की शेरगढ़ राजबहाऔर बैरमनगर राजबहा की बदहाल स्थिति से किसान गहरी चिंता में हैं। दिसंबर का आधा महीना बीत जाने के बावजूद नहरों में पानी नहीं पहुंचा है, जिससे गेहूं समेत रबी फसलों की सिंचाई पर संकट खड़ा हो गया है।

भाकियू (अराजनैतिक) के जिलाध्यक्ष तेजपाल गंगवार ने कहा कि जमीनी स्तर पर नहरों की हालत ठीक नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही नहरों की पूरी सफाई कर पानी नहीं छोड़ा गया, तो किसान बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। बताया कि पुलिया के नीचे की मिट्टी और गाद नहीं निकाली जा रही। नहरों की पटरियों में चूहों के बिल बने हैं और कई स्थानों पर अवैध कब्जे व अतिक्रमण से नहर संकरी हो गई है। गांव मोहम्मदपुर निवासी किसान सोहनलाल ने कहा,जब नहरों में पानी ही नहीं मिलेगा तो आय कैसे बढ़ेगी। शेरगढ़ और बैरमनगर दोनों राजवाहा सूखी पड़ी हैं, मजबूरी में पंपिंग सेट से सिंचाई करनी पड़ रही है, जिससे लागत बढ़ रही है।

किसानों ने बताया कि इस समय गेहूं की फसल सिंचाई के लिए पूरी तरह तैयार है। शेरगढ़ राजवाहा से कस्बा शेरगढ़, बालपुर, पिपौली, रम्पुरा, सलपुरा समेत कई गांवों की खेती निर्भर है, लेकिन नहर में पानी न होने से सभी गांवों के किसान प्रभावित हैं। करीब तीन दशक पहले किच्छा नदी की बाढ़ में बैरमनगर राजवाहा कई स्थानों पर कट गई थी। आज तक उसकी मरम्मत नहीं कराई गई। किसानों ने चेतावनी दी है कि अब सिर्फ नहरों में पानी चाहिए।

सिंचाई विभाग के जिलेदार राम प्रकाश ने बताया कि जेसीबी और मजदूरों की मदद से नहर की सफाई कराई जा रही है और दिसंबर के अंतिम सप्ताह तक कार्य पूरा होने की उम्मीद है।

आईसीएआर में 10 दिवसीय उन्नत रोग निदान ट्रेनिंग शुरू

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● यूपी और उत्तराखंड के पशुपालन विभाग के अधिकारी हुए शामिल

अमृत विचार: आईवीआरआई और सेंटर फॉर एनिमल डिजीज रिसर्च एंड डायग्नोसिस (कैडराड) के संयुक्त निदेशालय की ओर से पशुधन एवं कुक्कुट रोगों के निदान के लिए उन्नत सीरोलॉजिकल और आणविक तकनीक पर 10 दिवसीय हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम की मंगलवार को शुरुआत हुई। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पशु चिकित्सकों और तकनीकी अधिकारियों की नैदानिक क्षमता को सुदृढ़ कर उन्हें रोग निदान की नवीनतम तकनीकों और उपकरणों से परिचित कराना रहा।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए संयुक्त निदेशक कैडराड डॉ. सोहिनी दे ने कहा कि तीव्र गति से विकसित हो रही पशु रोग निदान तकनीकों के साथ कदम से कदम मिलाने के लिए निरंतर कौशल उन्नयन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने राष्ट्रीय संदर्भ केंद्र के रूप में कैडराड की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्थान देश भर में रोग अन्वेषण, प्रयोगशाला निदान एवं महामारी विज्ञान आधारित निगरानी में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। 10 दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को आधुनिक सीरोलॉजिकल परीक्षण विधियों, पीसीआर आधारित उन्नत आणविक तकनीकों और रोगों के शीघ्र और सटीक निदान से जुड़े नवीनतम नवाचारों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम में वैज्ञानिक व्याख्यान, संवादात्मक सत्र, लाइव प्रदर्शन और प्रयोगशाला आधारित प्रायोगिक अभ्यास शामिल हैं।

नगर निगम की टीम ने किया निरीक्षण

फरीदपुर, अमृत विचार: मंगलवार को स्वच्छ शहर जोड़ी कार्यक्रम के अंतर्गत मेंटर निकाय नगर निगम बरेली की टीम ने नगर पालिका परिषद फरीदपुर की साफ सफाई व्यवस्था,एम आर एफ सेंटर, डोर टू डोर कलेक्शन आदि का बारीकी से निरीक्षण किया और फरीदपुर शहर को कैसे स्वच्छ बनाएं। कैसे स्वच्छ सर्वेक्षण में उच्च रैंकिंग को प्राप्त किया जाए इसके बारे में विस्तार से चर्चा की गई । कहा कि जनता में सफाई के प्रति जागरुकता पैदा करनी होगी। घर से निकलने वाला कूड़ा जगह जगह नहीं फैलाना है। उसे एजेंसी को देना है।

मीटिंग में सहायक नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा.नैन सिंह, मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक एमपीएस राठौर, अंकित सिंह, शोभित सिंह, सुरजीत सिंह चौहान तथा एसबीएम टीम की तनीषा यादव भी मौजूद रहीं।

कार्यक्रम | आईवीआरआई में आयोजित राष्ट्रीय भैंस विकास सम्मेलन के समापन सत्र में विशेषज्ञों ने रखे सुझाव

भारतीय भैंस की प्रजाति ब्लैक गोल्ड के संरक्षण पर जोर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● भैंसें ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पोषण सुरक्षा और आजीविका का महत्वपूर्ण आधार

अमृत विचार : आईवीआरआई में आयोजित राष्ट्रीय भैंस विकास सम्मेलन में मंगलवार को आयोजित समापन सत्र में विशेषज्ञों ने कहा कि भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भैंस पोषण सुरक्षा और आजीविका का महत्वपूर्ण आधार रही है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में आज भी भैंसों को संपत्ति के रूप में देखा जाता है। सम्मेलन में भारतीय प्रजाति की भैंस ब्लैक गोल्डन प्रजाति के संरक्षण की जरूरत बताई गई।

आईवीआरआई में आयोजित राष्ट्रीय भैंस विकास सम्मेलन-2025 का मंगलवार को समापन हो गया। समापत्र सत्र में मुख्य अतिथि केसीएमटी के महानिदेशक डॉ. अमरेश कुमार ने कहा कि भैंस भारत की ''ब्लैक गोल्ड'' है। यह केवल दुग्ध उत्पादन तक सीमित नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पोषण सुरक्षा और आजीविका का महत्वपूर्ण आधार रही है। इसे हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में भैंस को पारंपरिक रूप से संपत्ति के रूप में देखा जाता था। पहले भैंस केवल दूध देने वाला पशु नहीं थी, बल्कि ग्रामीण जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा थी। इसलिए इसका संरक्षण जरूरी है। सम्मेलन में भैंस अनुसंधान एवं विकास से जुड़े वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, विकास अधिकारियों और निजी क्षेत्र के बीच सार्थक संवाद हुआ।

समापन सत्र के दौरान मौजूद वैज्ञानिक व अन्य। ● अमृत विचार

आईवीआरआई के संयुक्त निदेशक (शोध) एवं कार्यवाहक निदेशक डॉ. एसके सिंह ने कहा कि यह सम्मेलन भैंस अनुसंधान एवं विकास से जुड़े वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं और निजी क्षेत्र के बीच सार्थक संवाद का सशक्त मंच बना है। उन्होंने भैंसों को एक विशिष्ट प्रजाति मानते हुए संरक्षण, प्रजनन सुधार, गुणवत्तापूर्ण दूध उत्पादन और किसानों को उचित मूल्य दिलाने के लिए विशेष नीतिगत पहलों की आवश्यकता पर जोर दिया। इंडियन सोसाइटी फॉर बफ़ेलो डेवलपमेंट के अध्यक्ष एवं बिहार एनिमल साइंस यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. इंद्रजीत सिंह ने बताया कि भारत के पास विश्व की लगभग 56 प्रतिशत भैंस आबादी है और वैश्विक भैंस दुग्ध उत्पादन में देश का योगदान करीब 68 प्रतिशत है। आयोजन सचिव डॉ. ज्ञानेन्द्र सिंह ने बताया सम्मेलन में 140 से अधिक शोध सार (एब्स्ट्रैक्ट्स) मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियों के रूप में प्रस्तुत किए गए। सभी को संकलित कर नीति-सुझाव पुस्तिका तैयार की जाएगी, ताकि भैंस विकास से जुड़े निर्णय वैज्ञानिक आधार पर लिए जा सकें। वभैंस आधारित पशुपालन के भविष्य के लिए एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

बैंक कर्मी बनकर लोन खाते बंद कराने के नाम पर ठगी

फर्जी रसीदें देकर ठगी करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया

सिरौली, अमृत विचार : बैंक का रिकवरी एजेंट बताकर लोगों को बैंक की फर्जी रसीदें देकर पैसे ऐंठने लोन खाता बंद कराने का झांसा देकर ठगी करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

सिरौली थाना क्षेत्र में कुछ लोगों ने पुलिस को शिकायत दी थी कि कुलदीप निवासी पराग जेजा थाना मिलक जिला रामपुर और ओम प्रकाश निवासी आंवला खुद को बैंक का रिकवरी एजेंट बताकर लोगों से संपर्क करते हैं और लोन खाता बंद कराने की बात कहते हैं। शिकायत के बाद पुलिस ने जांच कर नामजद दो लोगों को पकड़ा है। बताया कि ये ठग ऐसे लोगों को निशाना बनाते थे जिनका बैंक से कोई लोन चल रहा होता था। वे पीड़ितों को झांसा देते थे कि वे उनके लोन खाते को तुरंत बंद करा सकते हैं, बशर्ते वे एकमुश्त बकाया राशि उन्हें नकद सौंप दें।

पुलिस की गिरफ्त में ठग। ● अमृत विचार

विश्वास जीतने के लिए, अभियुक्त पीड़ितों को बैंक की फर्जी रसीदें देते थे, जिससे उन्हें यह यकीन हो जाता था कि उनका लोन खाता बंद हो चुका है। पैसे लेने के बाद दोनों आरोपी फरार हो जाते थे। जब पीड़ित बाद में बैंक में संपर्क करते, तो उन्हें पता चलता कि उनका लोन खाता अभी भी सक्रिय है और उन्हें दी गई रसीदें पूरी तरह से फर्जी थीं। इस तरह से दोनों ठगों ने कई लोगों को चूना लगाकर उनसे हजारों रुपये ठग लिए थे। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों से फर्जी बैंक रसीदें, नकदी और ठगी में इस्तेमाल किए जाने वाले अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों अभियुक्तों के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

तलाश अभियुक्त

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अभियुक्त बाबा विरेन्द्र उर्फ वीरू बाबा पुत्र भगवत शरण निवासी ग्राम सैण्डोली थाना मिलक जनपद रामपुर। थाना मिलक जनपद रामपुर पर पंजीकृत मु.अ.स. 448/25 धारा 115(2)/352/118 (2)/109 बीएनएस में वांछित अभियुक्त है। उक्त अभियुक्त की मन्दिर/गढ़ी आदि पर मिलने की सम्भावना है। जिस किसी को उक्त अभियुक्त दिखाई दो तो सूचित करने का कष्ट करें। सूचना प्रदान करने वाले को उचित ईनाम दिया जायेगा।

(पुष्कर सिंह)
प्रभारी निरीक्षक
थाना मिलक रामपुर
मो. 9454404165

(राघवेन्द्र प्रताप सिंह)
नि.अ./विवेचक
थाना मिलक रामपुर
मो. 7500003449

कार्यालय ग्राम पंचायत कटिघरा विकास खण्ड पसगवां-खीरी

पत्रांक : मेमो/निविदा सूचना प्रकाशन/वर्ष 2025-26

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कटिघरा में वर्ष 2025-26 मनरेगा योजना के अंतर्गत कार्य कराए जाने हेतु कार्य सामग्री की आपूर्ति हेतु पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मो के स्थाई फर्म जिनका आयकर/वाणिज्य कर विभाग में पंजीकृत हो, से मोहर बंद निविदा दिनांक 17.12.2025 से 30.12.2025 को अपरान्ह 2:00 बजे तक डाक द्वारा अथवा ग्राम पंचायत कटिघरा के पंचायत कार्यालय में निविदा पेटिका में आमंत्रित की जाती है, प्राप्त हुई निविदा पंचायत कार्यालय में 30 12 2025 अपरान्ह 4.00 बजे खोली जायेगी।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	प्राक्कलन की अनुमानित लागत	सामग्री
1.	शमशेर के मकान से अशफाक व इंसान के मकान तक खड़ंजा व नाली निर्माण कार्य	3,99,749,00	ईट, खड़ंजा ईट, सीमेंट, मौरंग, बालू, गिट्टी, रोड़ी इत्यादि
2.	वीरपाल के मकान से रोड तक खड़ंजा व नाली निर्माण कार्य	315142.00	

रोहित कुमार
सचिव

अबरूना
प्रधान

कार्यालय नगर पालिका बीसलपुर जनपद-पीलीभीत

पत्रांक : 344(1)/न.पा.परि.बी./2025-26 दिनांक : 10.12.2025

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त जलौनी लकड़ी विक्रेताओं/आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद बीसलपुर अलाव जलाने हेतु जलौनी लकड़ी और भूसी क्रय करना चाहती है जिसके लिए दिनांक 18.12.2025 को निविदाएं आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं उसी दिनांक को अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी द्वारा उपस्थित निविदादाताओं की उपस्थिति में सायं 04:00 बजे खोली जायेगी। निर्धारित दिनांक के पश्चात प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। विवरण निम्नवत् है :-

क्र.सं.	सामग्री का नाम	निविदा शुल्क	धरोहर धनराशि
1.	अलाव के वास्ते जलौनी लकड़ी	1500/-	20000/- रू.
2.	भूसी		

नोट : अलाव सम्बन्धी नियम व शर्ते कार्यालय कार्य दिवस में देखी जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बीसलपुर

पब्लिक नोटिस

सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि एच.डी.एफ.सी. बैंक लि. में रमश चन्द्र व रजनी देवी ने गृह ऋण के लिए आवेदन किया है। आवेदन करते समय यह सूचित किया कि मूल इकरारनामा मुहायदावय जिसकी रजि. दिनांक 03.11.2018 को बही सं. 1, जिल्द सं. 9950 के पृष्ठ सं. 330 से 326 तक क्रमांक सं. 12134 पर कार्यालय स.र. साहब बरेली में पंजीकृत हुआ है जो कि राजेश पुत्र हर प्रसाद ने उस्मान परवेज के हक में आराजी तादादी 113.71 वर्ग मी. खसरा नं. 160 का भाग बाकै ग्राम डोहरा तह. व जिला बरेली के पेज सं. 5, 6, 7, 8 जो कि 1000/- रूपये प्रत्येक स्टाम्प पर तहरीर है कहीं खां गये है, के संबंध में एक ई-एफ.आई.आर. नं. ए.आई.आर. नं.20250000892334 दिनांक 04.12.2025 ई-थाना बरेली में दर्ज करायी जा चुकी है। यदि किसी बैंक, वित्तीय संस्थान, कम्पनी अथवा किसी व्यक्ति को उक्त इकरारनामा मुहायदावय के पेज सं. 5,6,7,8 के खो जाने के सम्बंध में कोई आपत्ति है तो वह अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रकाशन की तिथि से 7 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समय गुजर जाने के पश्चात एस.डी.एफ.सी. बैंक लि. उक्त सम्पत्ति के सम्बंध में लोन पत्रावली अग्रसारित करने के लिए स्वतंत्र होगी।

कुलदीप गुप्ता, एडवोकेट
रजि. नं. 4993/87
पैनल एडवोकेट : एच.डी.एफ.सी. लि.
चैम्बर नं. 10, सिविल कोर्ट, बंगलिया, बरेली।
मो. 9359112743 दिनांक : 15.12.2025

स्कूलों में किचन गार्डन के लिए धनराशि की जारी

बरेली,अमृत विचार : बच्चों को ताजा और पौष्टिक सब्जी मिल सके इसके लिए परिषदीय विद्यालयों में किचन गार्डन विकसित किए जा रहे हैं। जिले के सभी परिषदीय विद्यालयों में किचन गार्डन विकसित करने के लिए खातों में धनराशि जारी की जा चुकी है। किचन गार्डन को शिक्षक और बच्चे मिलकर तैयार करेंगे। जिले में 610 विद्यालयों में पहले ही धनराशि जारी की जा चुकी है और बचे हुए 1874 विद्यालयों के खातों में प्रति विद्यालय दो हजार रुपये की धनराशि जारी की गई। बीएसए डॉ. विनीता ने बताया कि 25 दिसंबर तक सभी विद्यालयों में किचन गार्डन विकसित किए जाएंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत मेहतरपुर करोड़ वि.खं. भुता बरेली

पत्रांक:68 लेखा/निविदा/वर्ष-2025-26 दिनांक 16.12.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मो को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मेहतरपुर करोड़ में मनरेगा योजना के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 में अमर सिंह के घर से महेन्द्रपाल के घर तक सी0सी0 रोड व नाली निर्माण कार्य होना है जिसकी अनु. लागत 3.18 लाख है, पंजीकृत फर्म सामग्री सीमेन्ट, बजरफुट, बजरी, रेता, ईट, रोड़ा आदि की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण की जाती है, समस्त निविदाएं दिनांक 23.12.2025 तक जमा कर सकते हैं जिन्हें उसी दिन शाम 4:00 बजे खोला जायेगा जिस फर्म का टेन्डर सबसे कम दर का होगा उसे ही स्वीकृत किया जायेगा।

अनिल कुमार
सचिव

श्रीमती शशि प्रभा
प्रधान

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, लखीमपुर-खीरी

पत्रांक- 2199 / निविदा सूचना / 2025 दिनांक- 06.12.2025

017ई-प्रोक्योरमेण्ट नोटिस

अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, लखीमपुर-खीरी द्वारा महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग में मार्ग निर्माण श्रेणी के अन्तर्गत पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेडरिंग के माध्यम से जनपद लखीमपुर-खीरी में निम्नलिखित कार्य जिनकी निर्माण लागत सम्मुख अंकित है, प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित करते है।

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	निविदा की लागत (रू0. लाख)	बिड सिक्योरिटी (रू0. लाख)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (समस्त करों सहित)(रू0.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	लखीमपुर खीरी	एस0आई0के0 के कि0मी0 12 से बडी टेरिया सम्पर्क मार्ग के कि0मी0 1 में रिटेनिंग वाल का निर्माण। (द्वितीय आमन्त्रण)	10.23	1.03	Rs.855.00	02 माह
2	लखीमपुर खीरी	विशेष मरम्मत के अन्तर्गत बिलरायां पनवारी मार्ग (राज्य मार्ग 21) के कि0मी0 49 से पिपरा मरोडा सम्पर्क मार्ग के कि0मी0 1 में स्थित क्षतिग्रस्त पुलिया के स्थान पर 2X3.00 X3.00 मी0 स्पान के बाक्स कल्वर्ट बाक्स कल्वर्ट का निर्माण कार्य। (प्रथम आमन्त्रण)	27.37	2.74	Rs.944.00	02 माह

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 18.12.2025 से 26.12.2025 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 26.12.2025 को समय मध्यान्ह 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 26.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

UP - 242487 दिनांक: 15/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(के0के0 झा)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1,लो0नि0वि0,
लखीमपुर-खीरी

परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को मिलेगी अतिरिक्त पोषण सामग्री

बरेली,अमृत विचार: जिले के परिषदीय विद्यालयों में सर्दी में मिड डे मील में प्रत्येक गुरुवार को सप्लीमेंट न्यूट्रीशन शामिल कर दिया गया है। इससे बच्चों में पोषण संबंधी कमी पूरी हो सकेगी और उनका पढ़ाई में मन लग सकेगा। इससे बच्चों की उपस्थिति भी बढ़ेगी। मिड डे मील के अलावा बच्चों को दूध और फल दिए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत बच्चों को मेन्यू में प्रत्येक गुरुवार को गुड़, चिवड़ा, गजक, रामदाना का लड्डू, मूंगफली की चिक्की और भुना चना में से एक पोषण सामग्री वितरित की जाएगी। यह वितरण 31 मार्च तक चलेगा। जिसके लिए प्रत्येक बच्चे पर 5 रुपये का अतिरिक्त खर्च तय किया गया है। इसकी जिम्मेदारी शिक्षा विभाग ने ली है। जिला समन्वयक गौरव तिवारी ने बताया कि पोषण सामग्री की न्यूनतम मात्रा 20 ग्राम मात्रा तय की गई है। बीएसए डॉ. विनीता ने बताया कि पोषण सामग्री वितरण की मॉनीटरिंग करने के लिए सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत खेड़ा जलालपुर पुख्ता विकास खण्ड उसावाँ

पत्रांक : 025 दिनांक : 16.12.2025

ग्राम पंचायत खेड़ा जलालपुर पुख्ता विकास खण्ड उसावाँ (बदायूँ) में राज्य वित्त/15वाँ वित्त आयोग (टाइड/ अनटाइड) के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 में उपलब्ध धनराशि एवं धन आने की प्रत्याशा में नियमानुसार निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री (ईट, इण्टरलॉक, सीमेन्ट, मौरंग, बजरी, रेता, सरिया, टाईल, बजरफुट सेनेटरी आईटम, हैण्डपम्प का मटेरियल आदि) निर्माण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहरबन्द निविदायें/ कुटेशन आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्मे एवं आपूर्तिकर्ता दिनांक 16.12.2025 से दिनांक 22.12.2025 दोपहर 12 बजे तक ग्राम पंचायत सचिवालय में रखे बॉक्स में सीलबन्द लिफाफे में जमा करें, तथा दिनांक 23.12.2025 को अधोहस्ताक्षरी के समक्ष दिन के 2 बजे खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन की सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पायी जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.सं.	कार्य का नाम	साइज	अनु. लागत
01	वंगश नगला में मुखवीर के घर से प्रदीप के घर तक सी.सी. कार्य	80 मी.	480000.00
02	सोवरन नगला में सुरेश के घर से मदनपाल के घर तक सी.सी. कार्य	80 मी.	480000.00
03	सेवरन नगला में कल्लू के घर से हुकुम सिंह के घर तक सी.सी. कार्य।	82 मी.	480000.00
04	सोवरन नगला में अनार सिंह के घर से लडैते के घर तक सी.सी. कार्य।	70 मी.	450000.00
05	शिम्भू नगला में वहोरन के घर से पप्पू के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य।	120 मी.	490000.00
06	शिम्भू नगला में वाबूराम जाटव के घर से नेत्रपाल/नरेशपाल जाटव के घर तक सी.सी. कार्य	90 मी.	480000.00
07	मल्लाह नगला ब्रजबिहारी के घर से तिराहे तक इण्टरलॉकिंग कार्य	90 मी.	450000.00
08	नरपत नगला में विनोद के घर से महीपाल के घर तक नाली/नाला निर्माण कार्य	80 मी.	350000.00

सचिव
अलख निरंजन

प्रधान
श्री ध्यानपाल सिंह

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग निविदा सूचना
सं. 56/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (इंजी०) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैं। **क्र.सं. 1. कार्य का विवरण:** इज्जतनगर मंडल के फर्रूखाबाद में इलेक्ट्रिकल सब स्टेशन के स्थानांतरण से सम्बन्धित इलेक्ट्रिकल कार्य के स्वीकृत कार्य के अन्तर्गत सिविल कार्य ।; **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹30,81,481.73; **बयाना राशि (₹में):** ₹61,600/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 06 माह। **क्र.सं. 2. कार्य का विवरण:** कानपुर अनवरगंज-मथुरा अनुभाग:- स्वीकृत ट्रैक नवीनीकरण कार्यों (सी.टी.आर. / टी.आर.आर., आई.एस.डी., टी.टी.आर. आदि) के अंतर्गत रेल की वेल्डिंग के लिए आर.डी.एस.ओ. द्वारा अनुमोदित एल्युमिनों थर्मिक वेल्डिंग पोर्शन का निर्माण एवं आपूर्ति तथा ए.टी. वेल्डिंग का निष्पादन। **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹2,29,72,414.73; **बयाना राशि (₹में):** ₹2,64,900/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 माह। **1.** ई-निविदा दिनांक 09.01.2026 को 15:00 बजे तक आनलाइन जमा कर सकेंगे। **2.** ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

मण्डल रेल प्रबंधक / (इंजी०)
मुजाधि / डब्ल्यू-372 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी / सिगरेट न पियें

गोतस्कर 9 महीने बाद गिरफ्तार

कैंट, अमृत विचार : थाना कैंट पुलिस ने गौ हत्या कर गौ मांस की तस्करी करने के मामले के वांछित आरोपी को 9 महीने बाद नाजायज तमंचे के साथ गिरफ्तार कर मंगलवार दोपहर को न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। नकटिया चौकी इंचार्ज रोहित तोमर ने बताया कि सोमवार शाम को गश्त के दौरान मनपुरिया तिराहे पर कृष्णा कॉलोनी के पास जाहिद पुत्र मोहम्मद ताहिर निवासी सूफी टोला थाना बारादरी को पकड़ा है। उसके पास से तमंचा और कीपैड का मोबाइल बरामद हुआ है। इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया, कि जेल भेजा गया आरोपी नौ महीना पहले गो हत्या कर को मांस की तस्करी के एक मामले में वांछित चल रहा था।

युवक की मौत की रिपोर्ट दर्ज

आंवला, अमृत विचार : 50 दिन पूर्व कार की टक्कर से हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गयी थी। जवकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मृतक के चाचा ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। राजपुर खुर्द निवासी नेत्रपाल सिंह ने बताया कि 27 अक्टूबर की देर शाम करीब 8 :30 बजे उनका भतीजा विवेक अपने गांव के ही दोस्त पप्पू के साथ बाइक से बदायूं की ओर जा रहा था। आंवला-बदायूं मार्ग पर देवी पुल के समीप गांव निवासी निकेत भी उन्हे मिल गया। जिस पर तीनों सड़क किनारे खड़े होकर आपस में बात कर रहे थे। इसी दौरान बदायूं की ओर से आई कार ने तीनों को टक्कर मार दी। हादसे में विवेक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि निकेत और पप्पू गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। दोनों घायलों का उपचार अभी भी जारी है। नेत्रपाल सिंह की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शराब पीने का विरोध करने पर हमला

सिरौली : बाग में बैठकर शराब पार्टी करने का विरोध करने पर दबंगों ने बुजुर्ग पूर्व सैनिक एवं उनके पुत्र पर धारदार हथियार से हमला कर लहूलुहान कर दिया।इस मामले में पुलिस ने चार पर नामजद एवं अज्ञात में जानलेवा के प्रयास का मुकद्दमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव गुड़गांव के 70 वर्षीय पूर्व सैनिक अवनीश कुमार शर्मा ने पुलिस को बताया कि वह अपने बटाईदार के साथ गांव में अपने बाग में गए थे । बाग में गांव के प्रमोद, कुलदीप, संजीव, जगदीश अन्य लोग शराब बाजी कर रहे थे ।जिसका विरोध करने पर नशे में धुत शराबी ईट धारदार हथियार लेकर उनकर मारने को टूट पड़े और सिर में वार कर लहूलुहान कर दिया ।इस बीच बचाने आए मेरे पुत्र स्वतंत्र शर्मा को भी जमकर पीटा। इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि मुकदमा दर्ज किया गया है अब जांच कर विधिक कारवाई की जाएगी ।

होमगार्ड से की मारपीट, रिपोर्ट

आंवला, अमृत विचार : ड्यूटी के दौरान एक होमगार्ड के साथ मारपीट की गयी। एक व्यक्ति ने होमगार्ड को थप्पड़ मारकर गिरा दिया और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। होमगार्ड की ओर से आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी है। बीहट गांव निवासी रामचंद्र ने बताया कि वह आंवला थाने में होमगार्ड के पद पर तैनात है। सोमवार दोपहर करीब 4 :15 बजे वह पुरैना तिराहे पर साथी होमगार्ड भानुप्रताप के साथ ड्यूटी कर रहा था। इस दौरान कस्बे के मोहल्ला पुरैना ढाल निवासी मोहित गुप्ता पुत्र झाऊलाल वहां आया और उनसे गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने थप्पड़ मारकर उसे गिरा दिया और मारपीट की। इसी बीच आए साथी होमगार्ड को देखकर जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया।

कार्यालय ग्रा.प. मितरौली विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक : निविदा/विज्ञाप्ति/2025-26 15-12-2025

अल्पकालीन निविदा

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, टीन, पेन्ट रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत मितरौली विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अत: समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है। कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 19.12.2025 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें। व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनु. धनराशि
1.	नंदलाल के घर से रामेश के घर तक नाली ,सीसी नि. कार्य	प्रा. के अनुसार

सचिव प्रधान

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक: 11800/453सी0(ई0टेण्डर)-3/25-26 दिनांक: 03.12.2025

ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, बरेली के कार्य क्षेत्र अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मो से प्रतिशत दरों पर ऑनलाईन ई निविदा दिनांक 18.12.2025 से दिनांक 26.12.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 26.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन-लाईन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित निर्माण लागत (रू0 लाख में)	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत (रू0 लाख)	कुल लागत (रू0 लाख	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने अवधि (माह में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य((निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद बरेली में गैनी अखा मार्ग के किमी0-12 से वाहनपुर होते हुए मजनूपुर तक नवनिर्माण का कार्य। (05 वर्षीय अनुरक्षण लागत सहित)	निर्माण खण्ड-1, बरेली	148.32	9.30	157.62	9.88	09 माह	2725.00	ए, बी (मार्ग कार्य)
2-	वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद बरेली में रसूला कुआंडाडा मार्ग से बमिया शंकरपुर मार्ग के नवनिर्माण का कार्य। (05 वर्षीय अनुरक्षण लागत सहित)	निर्माण खण्ड-1, बरेली	91.28	6.85	98.13	6.91	06 माह	2725.00	ए, बी (मार्ग कार्य)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइटhttp://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(राजीव अग्रवाल)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1,लो0नि0वि0 बरेली

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0 बरेली

UP-242485 दिनांक 15.12.2025 **विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।**

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक: 9129/76सी0(ए0)(ई-टेण्डर)-08/2025-26 दिनांक: 09.12.2025

अल्पकालीन ई0-निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ-पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत जो मार्ग वर्षा एवं बाढ़ से क्षतिग्रस्त हो गये हैं, पर आम जनमानस को सुगम यातयात उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई-निविदा प्रतिशत दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र साईट / पोर्टल पर दिनांक 19.12.2025 से दिनांक 24.12.2025 मध्यान्ह 12.00 बजे तक उपलबध रहेगे एवं तकनीकी बिड दिनांक 24.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी।

क्रम सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत रू0 (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (माह)	ठेकेदार की पात्रता श्रेणी (Road Work)
1	2	3	4	5	6	7
	वित्तीय वर्ष 2025-26 में विशेष मरम्मत के अंतर्गत					
1.	बक्षपुर से गोपालनगर सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	70.00	5.50	2714.00	02	A, B & C
2.	सरदारनगर से नवादा श्यामपुर खमरिया दलेलनगर आसपुर सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	130.00	8.50	2714.00	05	A & B
3.	माधोपुर भिकारीपुर मार्ग से सरैंदा पट्टी सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	60.00	5.00	2714.00	02	A, B & C
4.	एन0एच0-74 से गोपालपुर सम्पर्क मार्ग सितारगंज हाईवे मार्ग से बढ़ेपुर से गोपलपुर तक सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	136.00	8.80	2714.00	05	A & B
5.	पूरनपुर बण्डा मार्ग से बिलन्दपुर टाण्डा सम्पर्क मार्ग (ग्रा0मा0) के विशेष मरम्मत का कार्य	87.00	6.40	2714.00	03	A & B
6.	पूरनपुर दियोरिया कला मार्ग से चन्दुईया सम्पर्क मार्ग (ग्रा0मा0) के विशेष मरम्मत का कार्य	57.50	4.90	2714.00	02	A, B & C
7.	कुरैया कला से जगतपुर सम्पर्क मार्ग (ग्रा0मा0) के विशेष मरम्मत का कार्य	44.50	4.25	2714.00	02	A, B & C
8.	पीलीभीत बस्ती मार्ग से दुधिया खुर्द सम्पर्क मार्ग (ग्रा0मा0) के विशेष मरम्मत का कार्य	101.50	7.10	2714.00	03	A & B
9.	दियोरिया कलां मार्ग से अमृतपुर ता0 घुंघचाई सम्पर्क मार्ग (ग्रा0मा0) के विशेष मरम्मत का कार्य	47.00	4.35	2714.00	02	A, B & C
10.	बिलन्दपुर अषोक से एकोत्तर नाथ सम्पर्क मार्ग (ग्रा0मा0) के विशेष मरम्मत का कार्य	60.00	5.00	2714.00	02	A, B & C
11.	न्यूरिया महोफ सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	92.60	6.65	2714.00	03	A & B
12.	पीलीभीत माधोटाण्डा मार्ग से बांसखेड़ा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	55.50	4.80	2714.00	02	A, B & C

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

(राजेश चौधरी)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत

(के0 के0 सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ-पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP-242448 दिनांक 15.12.2025 **विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।**

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बीसलपुर-पीलीभीत

पत्रांक : 358/न.पा.परि.बी./2025-26 दिनांक : 16.12.2025

निविदा सूचना

समस्त विद्युत फर्मो/संस्थाओं को सूचित किया जाता है कि नगर क्षेत्र बीसलपुर के अन्तर्गत लगभग 15 वर्ष पूर्व आक्टागोनल ग्लेवनाइज्ड पोलों/लाईट आदि का अधिष्ठापन कार्य किया गया था, जिसकी अण्डरग्राउण्ड केबिल पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त/खराब हो गई है। जनहित में 35 sqmm 01core ओपन केबिल आदि सहित कम्पलीट कार्य कराये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसकी सीलबंद निविदाएं दिनांक 31.12.2025 को समय दोपहर 3:00 बजे तक कार्यालय नगर पालिका परिषद बीसलपुर में आमंत्रित की जायेगी। इच्छुक समस्त विद्युत फर्मो/संस्थाओं को नगद मूल्य जमा करके निविदा प्रपत्र दिनांक 30.12.2025 तक समय 3:00 बजे कार्यालय नगर पालिका परिषद बीसलपुर से क्रय कर सकते हैं। निविदा दिनांक 31.12.25 को समय सायं 4:00 बजे निविदादाताओं एवं उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थित में अधोहस्ताक्षरी के समक्ष कार्यालय में खोली जायेगी। कार्य का विवरण निम्नवत् है :-

क्र.सं.	सामग्री का नाम	अनुमानित लागत मय जी.एस.टी.	धरोहर धनराशि आंगणन 02 प्रतिशत	निविदा मूल्य मय जी.एस.टी.	कार्य करने की अवधि
1.	Supply and fixing of PVC insulated cable 35 sqmm 01core 2run from Moh-Habibulla Khan Janubi Railway Crossing via Nahr to Bilsanda Road Patrol Pump at nagar Palika Parishad Bisalpur.	436902.00	8800.00	550.00	15 day
2.	Supply and fixing of PVC insulated cable 35 sqmm 01core 2 run Moh-Gyaspur/Habibulla Khan Janubi Police Choki Chinimill to Railway Crosing tak at Nagar Palika Parishad Bisalpur.	415860.00	8300.00	500.00	15 day

शर्ते :-

1. उपरोक्त कार्यो के समस्त निविदादाताओं को 02 प्रतिशत धरोहर धनराशि निविदा के साथ एफ.डी.आर./डिमाण्ड ड्राफ्ट/एन.एस.सी./नगद रूप में देनी होगी जो अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बीसलपुर के नाम बंधक होगी। जिसे कार्य पूर्ण होने की तिथि से एक वर्ष तक कार्य संतोषजनक रहने की दशा में बंधन मुक्त किया जायेगा।
2. उपरोक्त कार्यो के लिए आयकर, श्रम विभाग, भविष्य निधि विभाग, जी.एस.टी. विभाग के पंजीकरण प्रमाण पत्र 3 के साथ टी-4, टी-5 का प्रमाण पत्र निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
3. बिना धरोहर धनराशि के किसी निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।
4. निविदा के साथ 100/- रू. का स्टाम्प पेपर पर शपथ पत्र देना होगा, जिसका प्रोफार्मा कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।
5. सशर्त निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
6. निविदा में व्यवहारिक होना अनिवार्य है प्रतिस्पर्द्धा की स्थिति में गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए अव्यवहारिक दरें स्वीकार नहीं की जायेगी।
7. कार्य की मात्रा में आवश्यकतानुसार वृद्धि अथवा कमी हो सकती है।
8. निविदादाता की निविदा स्वीकृति उपरान्त 100 रूपये के स्टाम्प पेपर पर अपने व्यय पर एक अनुबंध कराना होगा तथा 10 रूपये के स्टाम्प पेपर पर शपथ-पत्र देना होगा।
9. भुगतान बिल से नियमानुसार आयकर, जी.एस.टी. सेसकर आदि की कटौती की जायेगी जो निविदादाता को मान्य होगी।
10. किसी भी निविदा अथवा समस्त निविदादाताओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा।
11. कार्य निर्धारित अवधि में ही पूर्ण करना होगा।
12. यदि विद्युत फर्म/संस्थाओं द्वारा कोई काम समय अवधि में पूर्ण नहीं होता है तथा लबित रहता है तो उसकी निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने पर अलग से विचार किया जायेगा।
13. गुणवत्ता का सत्यापन उपरान्त ही भुगतान किया जायेगा।

अधिशासी अधिकारी
न.पा.परि. बीसलपुर

अध्यक्ष
न.पा.परि. बीसलपुर

पॉलीबैग में भरकर एंबुलेंस से लाए जा रहे थे क्षत-विक्षत शव

शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके कि शिनाख्त करना कठिन, जलती बस में फंसी मां ने बच्चों की जान बचाई

मथुरा, एजेंसी

जलती बस में फंसी पार्वती के सामने मौत खड़ी थी। यह मां की ममता ही थी कि उसने टूटी खिड़की से पहले अपने दोनों बच्चों को बाहर लटका कर उनकी जान बचाई, लेकिन इस दौरान कांच का टुकड़ा उसकी गर्दन में घुस गया और वह लहूलुहान होकर गिर पड़ी।

पार्वती के देवर गुलजारी अब भी अस्पतालों में उसकी तलाश कर रहे हैं, जहां एंबुलेंस से लगातार काले पॉलीबैग में रखे क्षत-विक्षत शव लाए जा रहे हैं। मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के सात बसों और तीन अन्य वाहनों के एक दूसरे से टकराने के बाद लगी आग में झुलसने से 13 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा 95 लोग घायल हुए हैं। मथुरा के मुर्दाघर के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए गुलजारी ने बताया कि पार्वती के बच्चे प्राची और सनी ने बताया कि उन्हें बाहर निकालने की कोशिश के दौरान उनकी मां बस के अंदर ही बेहोश होकर गिर पड़ी। उन्होंने बताया कि अब तक पार्वती का कोई पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने बताया कि सभी 13 लोगों की मौत झुलसने के कारण हुई और शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके हैं कि शिनाख्त करना बेहद कठिन हो गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने कहा कि हम शवों के डीएनए नमूनों को उनके रिश्तेदारों द्वारा दिए गए नमूनों से मिलाने के लिए सुरक्षित रख रहे हैं। अब तक तीन मृत यात्रियों की पहचान हो चुकी है और उनके परिवारों से संपर्क किया जा रहा है। उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्था की जा रही है। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उन पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

श्लोक कुमार ने बताया कि सुबह 4.02 बजे पुलिस को कॉल किया गया, और पीआरवी सुबह 4.08 बजे मौके पर पहुंच गई। दूसरी पीआरवी कॉल करने के नौ मिनट बाद (सुबह 4.11 बजे) मौके पर पहुंची। तीसरी पीआरवी कॉल करने के 13 मिनट बाद मौके पर पहुंची। उन्होंने कहा कि पहले एक वाहन और एक बस के बीच टक्कर हुई और इसके बाद कई बसें दोनों वाहनों से टकरा गईं। उनके मुताबिक, पीछे से आ रही गाड़ियों ने लेन बदलने की कोशिश की, लेकिन तब तक पहले वाहन में सवार लोग सड़क पर आ गए थे और उन्हें बचाने की कोशिश में एक और टक्कर हो गई। एसएसपी ने कहा, दृश्यता एक मीटर भी नहीं थी। जब मैं मौके पर पहुंचा, तब भी कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। लोगों ने बताया कि वाहनों की टक्कर की आवाज कई किलोमीटर तक सुनाई दी, जिससे सुबह की शांति भयावह चीख-पुकार में बदल गई। धुंध के कारण बचाव कार्य में भी कठिनाइयां आईं।

हादसे के बाद यमुना एक्सप्रेस-वे से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाती क्रेन। ● एजेंसी

मोदी ने जताया शोक

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मथुरा में मंगलवार सुबह यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति गहरा शोक जताते हुए मृतकों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने इसके साथ ही मृतकों के परिजनों को और घायलों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से क्रमशः 2 लाख रुपये घायलों को 50 हजार रुपये देने की घोषणा भी की। मोदी ने प्रधानमंत्री कार्यालय के आधिकारिक एक्स हैंडल पर अपने पोस्ट पर लिखा कि उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुई दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि अत्यंत पीड़ादायक है।

मनरेगा का नाम बदलने के खिलाफ विपक्ष का प्रदर्शन

नई दिल्ली। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदलने और नए विधेयक में राष्ट्रपिता का नाम नहीं होने के खिलाफ मंगलवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कई अन्य नेताओं ने संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के निकट खड़े होकर नारे लगाए। विपक्षी सांसदों ने हाथ में महात्मा गांधी का पोस्टर ले रखा था और 'महात्मा गांधी की जय' के नारे लगाए।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार के कदम को महात्मा गांधी के आदर्शों का अपमान करार दिया और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्रपिता के विचारों तथा गरीबों के अधिकारों से नफरत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस जन विरोधी विधेयक का सड़क से संसद तक पुरजोर विरोध करेगी। प्रियंका गांधी जब विधेयक में महात्मा गांधी का नाम नहीं होने को लेकर सरकार की आलोचना कर रही थीं तभी सत्तापक्ष के किसी सदस्य ने कहा कि महात्मा गांधी आपके परिवार के नहीं थे। इस पर प्रियंका ने कहा, हां, मेरे परिवार के नहीं थे, लेकिन मेरे परिवार जैसे ही हैं। यही भावना पूरे देश की है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा को अपना नाम भी बदल देना चाहिए।

सोनिया-राहुल के खिलाफ आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से अदालत का इन्कार

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी को झटका, अदालत ने आरोपपत्र को बताया आधारहीन

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, सोनिया गांधी और पांच अन्य के खिलाफ धन शोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इन्कार कर दिया।विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि इस मामले में दाखिल आरोपपत्र एक निजी व्यक्ति की शिकायत पर की गई जांच पर आधारित है, न कि किसी मूल अपराध से संबंधित प्राथमिकी पर। कानून के तहत इस पर संज्ञान लेना स्वीकार्य नहीं है। ईडी ने अदालत के आदेश के खिलाफ अपील करने की बात कही है।

आदेश के मुख्य हिस्से को पढ़ते हुए न्यायाधीश ने कहा कि इस मामले में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा पहले ही प्राथमिकी दर्ज कर चुकी है इसलिए ऐसे में गुण-दोष के आधार पर ईडी के तर्कों पर विचार करना जल्दबाजी होगी। ईडी ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी, दिवंगत पार्टी नेता मोतीलाल वोरा एवं ऑस्कर फर्नांडिस के अलावा सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी 'यंग इंडियन' पर आपराधिक साजिश और धनशोधन का आरोप लगाया है। आरोप है कि उन्होंने 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' (एजेएल) की लगभग 2,000 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों का अधिग्रहण किया। यह कंपनी 'नेशनल हेराल्ड' अखबार का प्रकाशन करती है। जांच एजेंसी ने यह भी आरोप लगाया है कि गांधी परिवार की 'यंग इंडियन' में 76 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

गांधी परिवार को एफआईआर की कॉपी देने से इन्कार

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें उन्होंने नेशनल हेराल्ड मामले में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा की ओर से दर्ज की गई नई एफआईआर की कॉपी की मांग की थी। अदालत ने मंगलवार को कहा कि एफआईआर के बारे में जानकारी साझा की जा सकती है, लेकिन दस्तावेज की प्रमाणित कॉपी आरोपियों को नहीं दी जाएगी। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ नया आपराधिक मामला दर्ज किया है।

कांग्रेस ने कहा- सत्य की जीत, मोदी सरकार की साजिश नाकाम हुई

कांग्रेस ने अदालत के फैसले को सत्य की जीत करार दिया। कहा, मोदी सरकार की गैरकानूनी कार्रवाई और साजिश नाकाम हो गई है तथा दुष्प्रचार भी ध्वस्त हो गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, जब नेशनल हेराल्ड, कांग्रेस पार्टी और हमारे नेताओं को बदनाम करने के लिए झूठे आरोप लगाए गए, तब भी मैंने यही कहा था कि हम अंग्रेजों से नहीं डरे तो भाजपा-आरएसएस या मोदी-शाह क्या चीज हैं। आज अदालत ने भी मोदी सरकार की कार्रवाई को अवैध ठहराकर राजनीतिक बदले की दुर्भावना से रची इस साजिश को नाकाम किया है। उन्होंने कहा कि वोट चोर सरकार लोकतंत्र को कुचलने की जितनी भी जोर-जबरदस्ती कर ले, हम 140 करोड़ भारतीय नागरिकों के लिए और संविधान को बचाने के लिए लड़ाई जारी रखेंगे। सत्य की जीत निश्चित है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने दावा किया कि अब इस बात की पोल खुल गई कि कैसे 'गैंग्स ऑफ गांधीनगर' सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल निजी सेना की तरह करता है। उन्होंने कहा, आपने देखा है कि इस देश का लोकतंत्र तबाह होने की कगार पर है, अगर किसी ने उसे रोककर रखा है, तो वे राहुल गांधी हैं। इसलिए सत्ता पक्ष साजिश रचता है कि कैसे राहुल गांधी जी के हौसले को तोड़ दिया जाए।

ईडी नए सिरे से दाखिल करेगी आरोप पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) नेशनल हेराल्ड धनशोधन मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज की गई नवीनतम प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ-साथ अन्य लोगों के खिलाफ नया आरोप पत्र दाखिल करेगा। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इससे पहले दिन में, यहां की एक निचली अदालत ने अप्रैल में ईडी द्वारा सोनिया-राहुल गांधी के साथ-साथ कुछ अन्य लोगों के खिलाफ दाखिल आरोप पत्र का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि इस मामले में दाखिल आरोपपत्र एक निजी व्यक्ति की शिकायत पर की गई जांच पर आधारित है, न कि किसी मूल अपराध से संबंधित प्राथमिकी पर।

जस्टिस वर्मा की याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- लोकसभा अध्यक्ष की ओर से जांच समिति के गठन को दी है चुनौती
- लोकसभा अध्यक्ष कार्यालय, दोनों सदनों के महासचिव से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा की उस याचिका पर सुनवाई करने पर सोमवार को सहमति जताई जिसमें उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष की ओर से उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए गठित जांच समिति को चुनौती दी है। जांच समिति में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अरविंद कुमार, मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता बीवी आचार्य शामिल हैं।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय और दोनों सदनों के महासचिवों को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है। इस मामले पर अगली सुनवाई के लिए सात जनवरी 2026 की तारीख तय की गई है। राष्ट्रीय राजधानी में 14 मार्च को जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास के भंडारगृह में आग लगने के बाद जले हुए नोटों के बंडल बरामद किए गए थे। सुप्रीम कोर्ट जस्टिस वर्मा की ओर से दायर उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें न्यायाधीश जांच अधिनियम द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत लोकसभा द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति की वैधता को चुनौती दी गई थी। जस्टिस वर्मा की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि संसद के दोनों सदनों में उन्हें हटाने के संबंध में प्रस्ताव पेश करने के लिए यह अनिवार्य है कि तीन सदस्यीय समिति का गठन लोकसभा और राज्यसभा दोनों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाना चाहिए, न कि लोकसभा अध्यक्ष द्वारा एकतरफा रूप से। न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के अनुसार किसी भी सदन में न्यायाधीश को हटाने का प्रस्ताव स्वीकार हो जाने पर अध्यक्ष तीन सदस्यीय समिति का गठन करेंगे जो उन आधारों की जांच करेगी जिन पर न्यायाधीश को हटाने (यानी आम भाषा में महाभियोग) की मांग की गई है।

डिजिटल अरेस्ट: पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए हितधारकों की बैठक करने का केंद्र को निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र से डिजिटल अरेस्ट के पीड़ितों को मुआवजा सुनिश्चित करने के लिए न्याय मित्र द्वारा दिए गए सुझावों पर विचार करने को कहा, साथ ही साइबर अपराधियों द्वारा देश से निकाली गई भारी रकम पर चिंता व्यक्त की। डिजिटल अरेस्ट साइबर अपराध का बढ़ता हुआ रूप है, जिसमें धोखेबाज कानून प्रवर्तन अधिकारियों, अदालती अधिकारियों या सरकारी एजेंसियों के कर्मचारियों के रूप में खुद को पेश करते हैं और ऑडियो और वीडियो कॉल के माध्यम से पीड़ितों को डराते-धमकाते हैं और उनसे पैसे ठगते हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ को अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने बताया कि डिजिटल अरेस्ट के मुद्दे पर विभिन्न रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए जल्द ही एक अंतर-मंत्रालयी बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें सीबीआई द्वारा उठाए मुद्दे और न्याय मित्र एनएस नप्पिनै के सुझाव शामिल होंगे। प्रधान न्यायाधीश कांत ने कहा कि इन जालसाजों द्वारा देश से निकाली गई भारी धनराशि देखकर हम स्तब्ध हैं। न्याय मित्र ने ब्रिटेन के मॉडल की तर्ज पर पीड़ित मुआवजा योजना शुरू करने का सुझाव दिया।

20 करोड़ की ठगी में दंपती गिरफ्तार

भुवनेश्वर, एजेंसी

ओडिशा पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने शेयर ट्रेडिंग के नाम पर निवेशकों से 20 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा से एक दंपति को गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गई।

बयान में कहा गया है कि क्योंझर जिले के आनंदपुर पुलिस थाने के तंगर गांव के रहने वाले चंद्र शेखर साहू और झरना साहू नामक दंपति को 12 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था और मंगलवार को ट्रांजिट रिमांड पर ओडिशा लाया गया। महानदी कोलफील्ड लिमिटेड के एक कर्मचारी जयंत मिश्रा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया। आरोपियों ने अपनी कंपनी द्वारा शुरू की गई आकर्षक योजनाओं के माध्यम से लोगों को निवेश करने के लिए प्रेरित किया जिसमें ढाई साल के भीतर उनकी निवेशित राशि को दोगुना करने का वादा किया गया था।

डीआईजी बनकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

बेतिया। बिहार में चंपारण रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) हर किशोर राय के नाम और फोटो का उपयोग करके फेसबुक पर फर्जी आईडी बना कर लोगों से ठगी करने वाले आरोपी को साइबर थाना पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी तस्लीम खान राजस्थान के अलवर जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के कोटा खुर्द गांव का निवासी है। साइबर थाना के डीएसपी गौतम शरण ओमी ने बताया कि आरोपी ने नवंबर 2023 में डीआईजी हर किशोर राय के नाम और फोटो का इस्तेमाल कर फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाई। इसके बाद इस आईडी से वह लोगों को संदेश भेजकर यह झांसा देता था कि उसके एक मित्र, जो सेना के अधिकारी हैं, उनका स्थानांतरण हो गया है और वह अपना फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक सामान बेचने के लिए इच्छुक हैं। इसके बाद आरोपी लोगों से झांसा देकर ठगी करता था। मामला संज्ञान में आने के बाद बेतिया पुलिस की एक टीम राजस्थान गई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

छत्तीसगढ़ में 34 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में मंगलवार को 34 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें से 26 पर सामूहिक रूप से 84 लाख रुपये का इनाम था। बीजापुर जिले के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि सात महिलाओं सहित 34 नक्सलियों ने यहां आत्मसमर्पण किया। यह नक्सली माओवादियों की दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी, तेलंगाना राज्य कमेटी और आंध्र ओडिशा सीमा डिवीजन में सक्रिय थे। आत्मसमर्पण करने वाले प्रमुख नक्सलियों में पांडू पुनेम (45), रुकनी हेमला (25), देवा उइका (22), रामलाल पोयम (27) और मोटू पुनेम (21) शामिल हैं।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हवाई अड्डे पर 131 उड़ानें रद्द

मुंबई। दिल्ली हवाई अड्डे पर कम दृश्यता के कारण उड़ान परिचालन बाधित हुआ जिससे विमानन कंपनियों की 131 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड के एक अधिकारी ने कहा कि खराब दृश्यता के कारण दिल्ली हवाई अड्डे से अब तक 52 प्रस्थान और 79 आगमन उड़ान रद्द की जा चुकी हैं।' भारत के उत्तरी भागों में घने कोहरे के कारण दृश्यता कम है, जिससे पूरे नेटवर्क में उड़ान कार्यक्रम पर व्यापक प्रभाव पड़ने की आशंका है। उत्तरी भागों में जिनमें एअर इंडिया का प्राथमिक केंद्र दिल्ली भी शामिल है। विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 10 दिसंबर से 10 फरवरी तक की अवधि को इस सर्दी के दौरान आधिकारिक कोहरे की अवधि के रूप में घोषित किया है। इसी बीच संकटग्रस्त इंडिगो ने दिल्ली हवाई अड्डे पर खराब मौसम के कारण हुई बाधाओं के चलते अपने नेटवर्क की 113 उड़ानें मंगलवार को रद्द कर दी हैं।

- दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 354 रहा
- आम आदमी पार्टी ने थालियां बजाकर किया विरोध प्रदर्शन

राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता में मंगलवार को मामूली सुधार देखा गया, लेकिन वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 'बहुत खराब' श्रेणी में बना रहा। तेज हवाओं और कोहरे के छंटने से तीन दिनों बाद दिल्ली में प्रदूषण का स्तर 'गंभीर' श्रेणी से अब 'बहुत खराब' श्रेणी में आ गया है।

इस बीच आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को दिल्ली सचिवालय के बाहर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के खिलाफ राजधानी में बढ़ते प्रदूषण के स्तर को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और सरकार को उसकी 'गहरी नींद' से 'जगाने' के लिए थालियां बजाईं। 'आप' की दिल्ली इकाई के प्रमुख सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने 'एक्यूआई, एक्यूआई' और 'प्रदूषण को जाना होगा' के नारे लगाए। बाद में पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार गहरी नींद में सो रही है और आम आदमी पार्टी ने उसे जगाने के लिए चम्मच से थालियां बजाई। उन्होंने कहा कि अगर दिल्ली के प्रदूषण को कम करना है तो भाजपा सरकार को 'झूठ' बोलना बंद करके ईमानदारी से काम करना शुरू करना होगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शाम चार बजे दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 354 रहा। दिल्ली में 39 निगरानी केंद्रों में से केवल मुंडका केंद्र में ही एक्यूआई 407 रहा जो, 'गंभीर' श्रेणी में आता है, जबकि 35 केंद्रों में वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' और तीन केंद्रों में 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। सीपीसीबी के समीर ऐप के अनुसार, दिलशाद गार्डन स्थित 'इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज' में एक्यूआई सबसे कम रहा जो 280 दर्ज किया गया।

विजय दिवस... सिर्फ एक तारीख नहीं, भारतीय सेना की शौर्य की गाथा

नई दिल्ली, एजेंसी

- 1971 में सशस्त्र बलों द्वारा प्रदर्शित शौर्य और साहस को देश किया याद

विजय दिवस पर राष्ट्रीय युद्ध स्मारक को सैल्यूट करते सैन्य अधिकारी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारतीय सेना ने मंगलवार को विजय दिवस के अवसर पर 1971 में सशस्त्र बलों द्वारा प्रदर्शित शौर्य और साहस को याद किया। जन सूचना अतिरिक्त महानिदेशालय (एडीजी पीआई) ने इस दिन को याद करते हुए एक्स पर लिखा कि विजय दिवस सिर्फ एक तारीख नहीं है, बल्कि यह 1971 के युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों की ऐतिहासिक और निर्णायक जीत का प्रतीक है। विजय दिवसः 1971 के युद्ध की शाश्वत कहानी'' शीर्षक वाली इस पोस्ट में कहा गया है कि यह एक ऐसी जीत थी जहां मुक्ति वाहिनी और भारतीय सशस्त्र बल कंधे से कंधा मिलाकर लड़े। यह एक ऐसी जीत थी जिसने भारत के सैन्य इतिहास को नया आकार दिया, दक्षिण एशिया के नक्शे को फिर से खींचा और एक नए राष्ट्र - बंगलादेश को जन्म दिया। महानिदेशालय कार्यालय ने पाकिस्तानी सेना द्वारा एक पूरे समुदाय पर किए गए क्रूर अत्याचारों, उत्पीड़न और क्रूरता को समाप्त करने में युद्ध की भूमिका का उल्लेख किया, केवल 13 दिनों में, भारतीय सशस्त्र बलों ने असाधारण साहस, अटूट संकल्प और बेजोड़ सैन्य कौशल का प्रदर्शन किया, जिसका समापन 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों के आत्मसमर्पण में हुआ, जो वैश्विक इतिहास में सबसे बड़े सैन्य आत्मसमर्पणों में से एक है। यह दिन भारत की अपने दोस्तों के प्रति निष्ठा और अपने विरोधियों के लिए एक स्पष्ट संदेश है, तब भी और अब भी, जब भारत न्याय के लिए खड़ा होता है, तो जीत अपरिहार्य होती है। भारतीय वायु सेना ने भी इस दिन युद्ध के दौरान कार्रवाई में शामिल जेट विमानों की दुर्लभ, अनदेखी तस्वीरों और वीडियो को प्रदर्शित करते हुए एक वीडियो साझा किया।

1971 युद्ध - साहस का वृत्तांत'' शीर्षक वाले इस वीडियो में 13 दिनों के युद्ध के दौरान दिन-वार किए गए अन्य कार्यों के अलावा लोंगेवाला की लड़ाई, तंगेल हमला भी शामिल है। भारतीय वायु सेना ने इस वीडियो के साथ लिखे पोस्ट में कहा है, 16 दिसंबर 1971 को, लेफ्टिनेंट जनरल ए के नियाज़ी ने पाकिस्तानी सेना के बिना शर्त आत्मसमर्पण को चिह्नित करते हुए अपने एपॉलेट और रिवॉल्वर भारतीय सेना को सौंप दिए। ढाका में खुशी की लहर दौड़ गई क्योंकि सत्ता नई बांग्लादेशी सरकार को हस्तांतरित कर दी गई। कहा गया कि भारत के सशस्त्र बलों ने 13 दिनों के युद्ध में त्वरित और निर्णायक कार्रवाई के माध्यम से इतिहास और भूगोल को नया आकार दिया और एक नए युग की शुरुआत की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी बहादुर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, विजय दिवस पर, हम उन बहादुर सैनिकों को याद करते हैं जिनके साहस और बलिदान ने 1971 में भारत की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित की। उनके अटल संकल्प और निस्वार्थ सेवा ने हमारे राष्ट्र की रक्षा की और हमारे इतिहास में गर्व के क्षण को अंकित किया।

पूर्वी कमान मुख्यालय में मनाया गया विजय दिवस

कोलकाता। भारतीय सेनाओं की बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान 1971 में पूर्वी क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना पर विजय का प्रतीक ''विजय दिवस'' मंगलवार को शहर में पूर्वी कमान के मुख्यालय में भारत-बंगला मित्रता पर विशेष जोर देते हुए मनाया गया। इस 54वें विजय दिवस को मनाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें मंगल पांडे ट्रेनिंग एरिया में मिलिट्री टैटू का आयोजन किया गया, जिसमें मिजोरम के राज्यपाल जनरल (डॉ.) वी.के. सिंह (सेवानिवृत्त), पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल राम चंदर तिवारी, पश्चिम बंगाल के युवा एवं खेल मंत्री अरूप बिस्वास तथा वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और नागरिकों की उपस्थिति रही।

राज्यसभा ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। राज्यसभा ने 1971 की लड़ाई में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना की जीत के प्रतीक ''विजय दिवस'' की 54 वीं वर्षगांठ पर मंगलवार को सेनाओं की वीरता की सराहना की और इस लड़ाई में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने सुबह सदन के समवेत होते ही कहा कि आज देश में विजय दिवस की 54वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि 16 दिसंबर 1971 को सशस्त्र बलों के शौर्य, दृढ़ संकल्प और अटल निश्चय के परिणामस्वरूप भारत को पाकिस्तान के विरुद्ध एक ऐतिहासिक विजय प्राप्त हुई। इसके परिणामस्वरूप एक आज़ाद देश के रूप में बांग्लादेश का जन्म हुआ और इस निर्णायक जीत ने हमारे क्षेत्र के भू-राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया।

कबड्डी प्रमोटर हत्याकांड में तीन हमलावर शामिल

मोहाली, एजेंसी। हरियाणा के सोहना में सोमवार शाम हुई फायरिंग की घटना को लेकर मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हरमनदीप सिंह हंस ने अहम जानकारी देते हुए कहा कि इस वारदात में कुल तीन हमलावर शामिल थे। हमले में कबड्डी प्रमोटर राणा बलचौरिया की मौत हो गई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतक राणा बलचौरिया का संबंध जग्गू भगवानपुरिया गैंग से था। इस मामले में दो हमलावरों की पहचान कर ली गई है, जिनके नाम आदित्य कपूर और करण पाठक हैं। दोनों आरोपी इस फायरिंग की घटना में प्रत्यक्ष रूप से शामिल थे। एसएसपी हंस ने बताया कि जिस समय यह वारदात हुई, उस दौरान टूर्नामेंट स्थल पर पुलिस मौजूद थी।

अमृत विचार

बुधवार, 17 दिसंबर 2025

अगर आप खुद को कमजोर समझते हैं, तो आप सबसे बड़ा पाप करते हैं।

–स्वामी विवेकानंद, विचारक

सांसों पर संकट

दिल्ली में सांस-सांस संकटाकीर्ण है। यह प्रदूषण का आपातकाल है। वायु गुणवत्ता सूचकांक के खतरनाक स्तर पर पहुंचने और एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम द्वारा अगले छह दिनों तक इसे 'बहुत खराब' श्रेणी का बने रहने का पूर्वानुमान लगाए जाने के बाद ऐसा लगता है कि कभी चीन के शहरों में लगने वाले एयर पॉल्यूशन इमरजेंसी को लागू करने का समय आ गया है। जब सीएक्यूएम द्वारा पहले ग्रैप-3 और फिर ग्रैप-4 लागू करने, 50 फीसद कर्मचारियों का वर्क फ्रॉम होम, बीएस-4 बड़े व्यावसायिक वाहनों पर रोक, निर्माण गतिविधियां बंद, स्कूल हाइब्रिड मोड, कचरा या ईंधन जलाने पर प्रतिबंध, डीज़ल जनरेटर, आरएमसी प्लांट, स्टोन क्रशर, ईंट भट्ठे और खनन पर रोक लगाने के बावजूद हालात नहीं सुधरे तो यह मानना होगा कि मौजूदा उपाय आवश्यक तो हैं, पर अपर्याप्त हैं।

जब एक्यूआई खतरनाक सीमा पार हुआ तो चीन के बीजिंग, शंघाई जैसे शहरों ने ग्रेडेड नहीं, बल्कि पूर्ण आपातकाल अपनाया। निजी वाहनों पर व्यापक प्रतिबंध, उद्योगों का अस्थायी शटडाउन, स्कूलों की पूर्ण ऑनलाइन शिफ्ट, सार्वजनिक परिवहन को निःशुल्क बनाया, सख्त प्रवर्तन लागू किया। लंदन ने लो-एमिशन ज़ोन, पेरिस ने कार-फ्री डे और सियोल ने रियल-टाइम चेतावनी के साथ कड़े ट्रैफिक नियंत्रण लागू किए। दिल्ली-एनसीआर को भी ऐसे निर्णायक, अल्पकालिक कठोर कदम उठाने होंगे। समस्या केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है। पूर्वी व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई शहरों में भी हवा बिगड़ चुकी है। यहां क्षेत्रीय दृष्टिकोण जरूरी है- राज्यों के बीच साझा कार्ययोजना, पराली प्रबंधन में वित्तीय प्रोत्साहन, ईंट भट्ठों का तेजी से स्वच्छ तकनीक में रूपांतरण, शहरी धूल नियंत्रण और ट्रक-बसों के उत्सर्जन की सख्त जांच बहुत जरूरी है। यूपी सरकार ने इस बाबत सख्ती बरते जाने की घोषणा की है। पर निरीक्षण, चालान और प्रतिबंध का असर तभी होगा, जब स्थायी प्रवर्तन और पारदर्शी डेटा साझा किया जाए। एयर मॉनिटरिंग की कमी भी एक बड़ी बाधा है। राजधानी में 40 स्टेशन हैं, जबकि अधिकांश शहर सिंगल डिजिट में। लो-कॉस्ट सेंसर, मोबाइल मॉनिटरिंग व निजी-शैक्षणिक साझेदारी से नेटवर्क तेजी से बढ़ाया जा सकता है। डेटा जितना व्यापक होगा, नीति उतनी सटीक बनेगी।

प्रदूषण का असर केवल नागरिकों तक सीमित नहीं- जानवर, पक्षी और शहरी जैव-विविधता भी इससे प्रभावित हैं। आश्रय, पानी के स्रोत और पशु-चिकित्सा तैयारियों पर सरकारों को समानांतर ध्यान देना चाहिए। स्वास्थ्य के मोर्चे पर, जब सर्वेक्षण बताते हैं कि दिल्ली की 80 प्रतिशत आबादी किसी न किसी प्रदूषण संबंधी बीमारी से जूझ रही है, तो स्वास्थ्य क्षति के मुआवजे, बीमा प्रीमियम में राहत और प्रदूषण-जनित रोगों के लिए विशेष फंड पर विचार अनिवार्य है। प्रदूषण निवारण केवल सरकारों का काम नहीं। जनता की भागीदारी- कारपूलिंग, कचरा न जलाना, स्वच्छ ईंधन, शिकायत ऐप्स का उपयोग- निर्णायक भूमिका निभा सकती है। आज अदालती सुनवाई के बाद प्रशासन निर्णायक कार्रवाई के लिए कितना बाध्य होगा, देखना होगा।

प्रसंगवश

समुद्र का मौन कैदी 'क्षामेन्क' और नैतिकता

अर्जेंटीना के तट पर स्थित एक छोटा-सा समुद्री पार्क आज संसार के सबसे गूंगे श्रुति-स्थलों में से एक बन चुका है। पार्क के कंक्रीट के टैंक में जल-उमड़ की आवाज नहीं, बल्कि एक स्थिर सन्नाटा है। उस सन्नाटे का नाम है क्षामेन्क। यह एक ऑर्का व्हेल (समुद्री व्याघ्र मछली) है, जो पिछले तैंतीस वर्षों से कैद में है और बीस वर्षों से पूरी तरह अकेले है। दक्षिण अमेरिका में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शन के लिए बनी हुई यह आखिरी ऑर्का है। उसका टैंक आकार में उसके ही शरीर के लिए बहुत छोटा है। एक फीका पड़ा अंडाकार कटघरा, जिसमें धूप से उजला कंक्रीट और क्लोरीनयुक्त पानी है। घंटों तक वह बिल्कुल निष्क्रिय तैरता रहता है। वहां लहरें नहीं, वहां जीवन नहीं, वहां सिर्फ प्रतीक्षा है। उसकी कहानी आज सिर्फ एक जीव की नहीं, बल्कि उन अनगिनत समुद्री प्रजातियों की कहानी है, जिन्हें हमारी मानव-मनोरंजन की भूख ने समुद्र से काट लिया है।

कुमार सिद्धार्थ

वरिष्ठ पत्रकार

व्हेल, डॉल्फिन और ऑर्का जैसी प्रजातियां पृथ्वी की सबसे जटिल, सबसे सामाजिक और सबसे बुद्धिमान जीवों में गिनी जाती हैं। जंगल में नहीं, समुद्र की अनंत गहराई में, ये प्रजातियां मातृवंशीय समूहों में रहती हैं, ध्वनि-भाषा सीखती हैं, शोक मनाती हैं, सहयोग करती हैं। रोजाना सौ किलोमीटर से अधिक दूरी तय करना इनके लिए सहज है। किंतु जब इन्हें समूह से अलग कर कैद में रखा जाता है, तो यह केवल बंदीकरण नहीं, बल्कि उनका संवेदनात्मक ढहना है।

वैज्ञानिक आंकड़ों के अनुसार, ऑर्का की वैश्विक आबादी कम-से-कम पचास हजार अनुमानित है। कुछ स्थानों पर यह संख्या और अधिक बताई गई है, किंतु निरंतर गिरावट की आशंका भी जताई गई है। उदाहरण के लिए अंटार्कटिक सागर के दक्षिणी भाग में अकेले लगभग 25 हजार ऑर्का हो सकते हैं।

इन विशाल और बुद्धिमान जीवों के लिए समुद्र-आश्रय उपयुक्त था, लेकिन मानव गतिविधियों ने उन्हें उनके प्राकृतिक घर से बाहर निकाल दिया। क्षामेन्क की ही तरह, ये जीव न केवल प्राकृतिक घर खो रहे हैं, बल्कि उनका जीवन प्रदर्शन भी मानव मनोरंजन के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है। पार्कों में बताया जाता है कि ये व्हेल-डॉल्फिन हमारी पृथ्वी के राजदूत हैं, प्रकृति और मनुष्य के बीच सेतु हैं। परंतु हर टिकट, हर शो उस संदेश के विपरीत सिद्ध हो रहा है। यह मात्र दृश्य-मनोरंजन बन जाता है और उस मनोरंजन के पीछे पड़ा है, एक भय-विषाद और उपेक्षा की कहानी।

वर्ष 2013 में भारत सरकार ने डॉल्फिनों को 'गैर-मानव व्यक्ति' का दर्जा दिया था। यह दुनिया में ऐसा पहला कदम था, जिसने यह माना कि अत्यधिक बुद्धिमत्ता और संवेदनशीलता वाली प्रजातियों को मनोरंजन के उद्देश्य से कैद में रखना न केवल अनैतिक है, बल्कि समय की मांग के अनुरूप नहीं है। इसके बाद भारत ने डॉल्फिन शो व मनोरंजन-उद्देश्य प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया। भारत की गंगा-डॉल्फिन का संरक्षण भी इसी दृष्टिकोण का उदाहरण है, जहां नदी की सफाई अभियान और जलीय पारितंत्र के पुनरुद्धार में इन जीवों की भूमिका सामने रखी गई है। मनोरंजन के नाम पर वन्य जीवन को कैद में रखना अब विवेचना का विषय बन गया है। फ्रांस ने डॉल्फिन शो बंद कर दिए हैं। कनाडा ने मनोरंजन-उद्देश्य के लिए व्हेलों व डॉल्फिनों का प्रजनन व आयात बंद कर दिया है। अमेरिका में कुछ समुद्री पार्कों ने अपने गेट बंद कर दिए हैं। परंतु क्षामेन्क जब तक उसी टैंक में तैरता रहेगा, हमारा सवाल अनुत्तरित रहेगा। क्या हमने वास्तव में उसकी आजादी की ओर कदम उठाया है?

पीडीए की काट है पंकज का चुना जाना

दिग्विजय सिंह

कानपुर

भाजपा ने 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव के पीडीए की काट के लिए पार्टी ने पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया है।

बिहार विधानसभा चुनाव में मिली प्रचंड जीत से उत्साहित भाजपा ने 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां अभी से ही शुरू कर दी हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव के पीडीए की काट के लिए पार्टी ने अपने परंपरागत मतदाता कुर्मी जाति के पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया है। केंद्र सरकार में वित्त राज्य मंत्री का पद संभाल रहे पंकज की कुर्मी ही नहीं यादव, नाई आदि जातियों में भी मजबूत पकड़ है। पिछड़ी जाति में मजबूत पकड़ रखने वाले पंकज चौधरी पर उन मतदाताओं को वापस लाना है, जो 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा से छिटक कर इंडिया गठबंधन के साथ चले गए थे। खासकर कुर्मी मतदाताओं ने तो भाजपा को बड़ा झटका दिया था। परिणामस्वरूप भाजपा बुंदेलखंड की हमीरपुर-महोबा, चित्रकूट-बांदा, जालौन-भोगनीपुर, फतेहपुर आदि सीटों पर हार गई थी। 2014 में 71 और 2019 में 62 सीटें जीतने वाली भाजपा को 2024 में 33 सीटों से ही संतोष करना पड़ा था, जबकि सपा ने 37 सीटें जीत ली थीं।

2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा मुखिया अखिलेश यादव ने संविधान बचाओ का नारा दिया था। आरोप लगाया था कि यदि भाजपा सत्ता में आई और मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने, तो वे डॉ. भीमराव आंबेडकर का संविधान बदल देंगे। उनके द्वारा गढ़ा गया, यह नैरेटिव दलित और पिछड़ी जाति के मतदाताओं के दिलों में उतर गया था। इसका नतीजा यह हुआ कि पार्टी को अयोध्या जैसी सीट पर भी सपा उम्मीदवार के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

बुंदेलखंड की तरह ही पूर्वांचल की बलिया समेत कई सीटों पर पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। अब संविधान बदलने का मुद्दा खत्म हो चुका है। कांग्रेस और सपा के पास अगर कोई मुद्दा है, तो वह है वोट चोरी का। राहुल गांधी बिहार में भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाकर मैदान में उतरे थे, हालांकि उनके गठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस हो या सपा इस मुद्दे को छोड़ने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में पंकज चौधरी के पास अब मौका है कि वे भाजपा से दूर हुए दलित और पिछड़ी जाति के मतदाताओं को पुनः भाजपा से जोड़ें। उम्मीद लगाई जा रही है कि उनकी नई टीम में जातीय संतुलन का विशेष ध्यान रखा जाएगा, ताकि अखिलेश यादव के पीडीए की धार को पूरी तरह से कुंद किया जा सके।

गोरखपुर के घंटाघर हरबंश गली के घर में जन्मे पंकज चौधरी राजनीति के मंझे खिलाड़ी हैं। उन्होंने राजनीतिक पारी की शुरुआत 1989 में गोरखपुर नगर निगम के पार्षद चुनाव के साथ की थी। वे यह चुनाव जीते भी थे। वह गोरखपुर नगर निगम के उप महापौर भी रह चुके हैं। 1989 में जब गोरखपुर जिले का बंटवारा हुआ और महाराजगंज जिला बना, तो वे वहां शिफ्ट हो गए और उसे ही अपनी राजनीति का केंद्र बनाया। उनके बड़े भाई प्रदीप चौधरी एक बार और उनकी मां उज्ज्वला चौधरी दो बार महाराजगंज जिला पंचायत की अध्यक्ष रह चुकी हैं।

1991, 1996, 1998 में लगातार तीन बार सांसद बने पंकज चौधरी 1999 में हार गए थे, हालांकि 2004 में पुनः जीते। 2009 में उन्हें फिर हार का सामना करना पड़ा। अब वे 2014 से लगातार लोकसभा चुनाव जीत रहे हैं, इसीलिए केंद्र सरकार में वित्त राज्यमंत्री का पद संभाल रहे हैं। कुर्मी जाति के मतदाताओं पर उनकी मजबूत पकड़ तो है ही, पिछड़ी जाति के मतदाताओं को भी उनकी राजनीति खूब रास आती है।

यूपी में भाजपा की राजनीति पिछड़ी जाति के ही नेताओं के इर्द- गिर्द घूम रही है। 2014 के लोकसभा चुनाव में पिछड़ी जाति के मतदाताओं के मिले अपार समर्थन के बाद मौर्य जाति से आने वाले केशव प्रसाद मौर्य को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। इसके बाद कुर्मी जाति के स्वतंत्र देव सिंह अध्यक्ष बने। उनके बाद जाटों में मजबूत पकड़ रखने वाले जाट नेता भूपेंद्र चौधरी को कमान सौंपी गई थी और अब पुनः कुर्मी जाति के मजबूत नेता पंकज चौधरी अध्यक्ष बनाए गए हैं।

भाजपा में एक पद का सिद्धांत है, ऐसे में अब पंकज चौधरी के अध्यक्ष बनने के बाद उनका पद रिक्त होगा। ऐसे में उम्मीद है कि यूपी से किसी पिछड़ी जाति के ही नेता को वहां मंत्री बनाया जा सकता है। इसके साथ ही राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार होने की उम्मीद है। यहां कुछ और पिछड़ी और दलित जाति के विधायकों को मंत्री बनाया जा सकता है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का फोकस पिछड़ा वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग के मतदाताओं के साथ ही दलित मतदाताओं पर भी है। चूंकि भाजपा को हराने की ताकत रखने वाले गठबंधन के साथ ही मुस्लिम मतदाता जाता है। ऐसे में सपा के साथ तो इस जाति के मतदाता मजबूती से खड़े हैं।

सपा का ध्यान दलित मतदाताओं पर कुछ ज्यादा दिख रहा है, क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनाव में पिछड़ी जाति के मतदाताओं के साथ दलित मतदाता भी भाजपा से छिटक गया था। सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम भी कुर्मी जाति से हैं और वे फतेहपुर से सांसद भी हैं। अब अपनी ही जाति के नेता के भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद उनके लिए चैलेंज बढ़ गया है। ऐसे में माना जा रहा है कि अब सपा प्रदेश अध्यक्ष और सपा मुखिया भाजपा के नए कदम के बाद कुर्मी मतदाताओं को पार्टी से छिटकने न देने के लिए कुछ नई रणनीति पर काम करेंगे। पार्टी कुर्मी जाति के बड़े नेताओं की सक्रियता बढ़ा सकती है, ताकि नए भाजपा अध्यक्ष के असर को कम किया जा सके। पंकज चौधरी के अध्यक्ष बनने से भाजपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह दिख रहा है।

आमने

चुनाव आते-जाते रहते हैं, लेकिन कांग्रेस का एजेंडा आज भी सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इर्द-गिर्द ही घूमता है। ऐसे जहरीले बोल सड़क से नहीं, बल्कि पार्टी की शीर्ष नेतृत्व से निकलते हैं। यह सामान्य राजनीतिक विरोध नहीं, व्यक्तिगत दुर्भावना का प्रदर्शन जो खतरनाक है।

–अमित मालवीय

बीजेपी नेता

सामने

रामलीला मैदान में कांग्रेस की 'वोट चोर गद्दी छोड़' रैली के दौरान दिया नारा जनता के गुस्से की अभिव्यक्ति है और मैं बयान पर कायम हूं। नारा राजनीतिक आलोचना का हिस्सा है। जनता सरकार से परेशान है और वही गुस्सा उनके शब्दों में दिखाई दिया है।

–मंजु लता मीणा

महिला कांग्रेस अध्यक्ष, जयपुर

डिजिटल डेटा: मर्यादा व भरोसे का नया ढांचा

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर

सरकार ने डेटा संरक्षण बोर्ड को पूरी तरह डिजिटल तरीके से काम करने वाला निकाय बनाया है। शिकायतें ऑनलाइन दर्ज होंगी और सुनवाई भी डिजिटल होगी।

भारत का डिजिटल परिवेश तेजी से बदल रहा है, पर इस बदलाव के साथ एक स्पष्ट विरोधाभास भी उभर कर सामने आया है, जहां डिजिटल सेवाएं नागरिकों की दिनचर्या में गहराई तक पैठ बना चुकी हैं, वहीं निजी डेटा को लेकर फैली अव्यवस्था वर्षों से अनदेखी होती रही। डिजिटल ऐप हों या ऑनलाइन सेवाएं- अधिकांश कंपनियां लोगों की गतिविधियों, पसंद, स्थान और व्यवहार से जुड़े आंकड़े लगातार इकट्ठा करती रहीं, लगभग ऐसे जैसे कि नागरिक की निजी जानकारी का अपना महत्व और संवेदनशीलता है ही नहीं। इस अनियंत्रित विस्तार के बीच सवाल उठना स्वाभाविक था कि क्या तकनीकी विकास नागरिक अधिकारों से ऊपर रखा जा सकता है।

यही पृष्ठभूमि डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम और उसके हाल में अधिसूचित नियमों को विशेष महत्व देती है। अधिनियम की भाषा और ढांचा कुछ अहम परिभाषाओं पर आधारित है, जिन्हें समझना जरूरी है। डेटा फिड्युसरी वह संस्था है, जो तय करती है कि व्यक्तिगत डेटा क्यों और कैसे लिया जाएगा। डेटा प्रिंसिपल वह व्यक्ति है, जिससे वह डेटा संबंधित है और बच्चों या दिव्यांगों के मामले में इसमें अभिभावक शामिल होते हैं। डेटा प्रोसेसर वे इकाइयां हैं, जो फिड्युसरी की तरफ से डेटा को संभालती हैं। सहमति प्रबंधक वह तंत्र होगा जो नागरिकों को अपनी सहमति को एक पारदर्शी मंच पर नियंत्रित करने का विकल्प देगा और किसी भी विवाद की अपील का रास्ता टीडीसैट तक जाता है। यह संरचना तकनीकी रूप से भले सुदृढ़ दिखाई दे, पर इसकी सफलता की असली परीक्षा तभी होगी जब यह व्यवस्था भारतीय डिजिटल व्यवहार और संस्थागत क्षमता के अनुरूप काम कर सके।

अधिनियम सात सिद्धांतों पर टिका है- सहमति, पारदर्शिता, उद्देश्य की स्पष्टता, डेटा की न्यूनतम मात्रा, सटीकता, सीमित समय तक भंडारण और जवाबदेही। ये सिद्धांत किसी भी आधुनिक डेटा संरक्षण कानून की बुनियाद माने जाते हैं। वर्षों तक कंपनियों की नीति रही कि 'जितनी जानकारी मिले, उतनी रख लो।' अब उन्हें केवल आवश्यक डेटा लेने और उसका उद्देश्य स्पष्ट करने की कानूनी बाध्यता होगी। सवाल यह है कि क्या कंपनियां अपने कारोबारी मॉडल को इसके अनुरूप बदलने में सक्षम और इच्छुक होंगी।

सरकार ने कंपनियों को यह बदलाव अपनाने के लिए अठारह महीने का समय दिया है। बड़े डिजिटल कारोबारों को 2027 तक पूरी तरह नियमों के मुताबिक काम करना होगा। यह समय लंबा लग सकता है, मगर जिन कंपनियों के सिस्टम अभी भी पुराने ढर्रे पर टिके हैं, उनके लिए यह तैयारी आसान नहीं होगी। उन्हें नए सॉफ़्टवेयर, नए नियंत्रण ढांचे और ऐसे सिस्टम बनाने होंगे, जो नागरिक के हर अधिकार का तुरंत पालन कर सकें। डेटा कहां है, कब बदला, किसने देखा- यह सब पता लगाने की सुविधा बनानी पड़ेगी। यह खर्चा भी है और क्षमता की परीक्षा भी, पर इससे सबसे बड़ी चीज़ मजबूत होती है- विश्वास।

नए नियमों में कहा गया है कि सहमति स्पष्ट और सरल भाषा में ली जाएगी, और नागरिक जब चाहें इसे वापस ले सकेंगे। यह भी अनिवार्य किया गया है कि किसी डेटा उल्लंघन की स्थिति में प्रभावित लोगों को तत्काल सूचित किया जाए, लेकिन व्यवहारिक कठिनाइयां यहीं से शुरू होती हैं। भारत में अनेक छोटी और मध्यम कंपनियों के पास ऐसे तकनीकी ढांचे ही नहीं हैं, जो इन दायित्वों को समयबद्ध ढंग से पूरा कर सकें। बड़ी कंपनियां भी अपने पुराने सिस्टम को नए मानकों के अनुरूप ढालने में चुनौतियों का सामना करेंगी, इसलिए यह मान लेना कि पूरी डिजिटल अर्थव्यवस्था बिना अड़चन इस बदलाव को अपना लेगी, यथार्थवादी नहीं होगा।

सरकार ने डेटा संरक्षण बोर्ड को पूरी तरह डिजिटल तरीके से काम करने वाला निकाय बनाया है। शिकायतें ऑनलाइन दर्ज होंगी और सुनवाई भी डिजिटल होगी। इससे प्रक्रिया तेज़ और पारदर्शी हो सकती है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि बोर्ड कितनी स्वतंत्रता और दक्षता के साथ काम कर पाता है। नियामक संस्थाओं की कार्यक्षमता को लेकर भारत का अनुभव मिला-जुला रहा है।

निजता और सूचना के अधिकार के बीच संतुलन भी एक महत्वपूर्ण विषय है। संशोधन यह स्पष्ट करता है कि निजी जानकारी तभी साझा होगी जब जनहित बड़ा हो। यह प्रावधान संतुलित लगता है, लेकिन इसके इस्तेमाल में सावधानी की बहुत ज़रूरत होगी। पारदर्शिता की मांग और निजता की सुरक्षा, दोनों लोकतांत्रिक ढांचे की बुनियाद हैं। किसी एक को कमजोर करते हुए दूसरे को मजबूत करने की प्रवृत्ति लंबे समय में संस्थागत पारदर्शिता को नुकसान पहुंचा सकती है।

कुल मिलाकर, डेटा संरक्षण का मौजूदा ढांचा उम्मीद जगाता है, पर इसका वास्तविक प्रभाव तभी सामने आएगा, जब कानून के पीछे की भावना व्यवहार में भी उतनी ही साफ़ दिखाई दे। कंपनियों को अपनी प्रणालियों में सुधार करना होगा, सरकार को अपने अधिकारों का संयमित उपयोग करना होगा और नागरिकों को अपने अधिकारों की जानकारी रखनी होगी। तीनों मोर्चों में किसी भी ढील का अर्थ होगा कि यह ढांचा केवल कागज़ों पर मजबूत दिखेगा, व्यवहार में नहीं।

सोशल फोरम

ध्यान से सुनें, खंडहर की दीवारें बातें करती हैं!

एक लफ्ज़ है खंडहर, जिसमें कितने ही अल्फ़ाज़ गूंथे हैं। कितना कुछ है जो यह एक अकेला लफ़्ज़ निगल गया। जब किसी ने एक ख़्वाब देखा होगा कि हम यहां अपनी दहलीज़ बनाएंगे। वह दहलीज़ जिसकी पीठ पर एक मुस्कुराता सा घर होगा। उसमें मेहराबें, दर-ओ-दीवार, ताखें और उन ताखों में रखे चराग़, बेजान दीवारों को सांस बख्शेंगे।

हफीज किदवई

ब्लॉगर

बरामदे में पड़े तख़्त पर कोई आवाज़ देगा, अरे ठहर जाओ, दम लो ज़रा, मेरे नज़दीक तो आओ। क्या बूढ़े लोगों के साथ तुम्हें काटते हैं और फिर तुम खिसियाकर कहोगे, नहीं-नहीं, बस आप ही के पास तो आ रहे थे। आंगन से कोई हम उम्र इशारा करेगा, अरे यार!

पिछली खिड़की से पार हो लो, वरना यह लंबा फंसाएंगी।

अजीब कशमकश, एक तरफ़ दिल है कि बाहर जाने को बेताब, पैर हैं कि बुज़ुर्गों की आवाज़ में बंधे चले जा रहे। मैं बड़ी कोशिश करता हूं, इनसे निकलने की, अपने आंगन की यादों और नए आसमान के बीच एक डोर बनाने की, मगर फिर कोई फूहड़ों की तरह कह देता है, कहां फंसे हो खंडहरों में!

कौन बताए कि यार यह खंडहर नहीं हैं। यह तमाम दास्तानों का कब्रिस्तान नहीं हैं। अरे इसमें मुझे पानदान उठाए कोई दिखता है। तो कोई चाय की प्याली लिए खड़ा मिलता है। कोई बेले के फूल चुनता, तो कोई कामदानी के काम में सर झुकाए दिखता है। कोई कंधे पर हाथ रखकर दुआएं देता निकल जाता है। तो कोई कान खींचकर यह कहते हुए लखौरियों में खो जाता है कि अब हमारी याद आई है।

मैं ऐसी हर दीवार, ऐसे हर दर, ऐसे हर बरामदे, ऐसे हर आंगन में खो जाता हूं। जहां कभी जिंदगियां न जाने कौन-कौन से ख़्वाब देख रहीं थीं! मगर जैसे ही कोई इन्हें 'खंडहर' कहकर पुकारता है। मेरा दिल लरज़ जाता है। सोचता हूं कि कितनी जिंदगियां यहां गुलज़ार थीं। इसमें हंसते-मुस्कुराते लोगों ने कब सोचा था कि एक रोज़ उनके जिस्म के साथ दीवारें भी मुर्दा ही जाएंगी। सफ़ेद दुपट्टा ओढ़े कितनी ही बूढ़ी औरतों ने इन घरों को ज़िंदा रखा। वह गुज़रीं इधर-उधर उनके बच्चों ने इन बरामदों को दो दिन में यतीम कर दिया।

मुझे चूने से पुती इन दीवारों से अलग कोई खींच ले जाता है। यह कहते हुए, कहां इन खंडहरों में गुम हो, उसे क्या पता, एक खंडहर तो दिल में भी मौजूद है, उससे कैसे बाहर निकलोगे दोस्त...!

सामयिकी

राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों से उम्मीदें और यथार्थ

हम सबने प्रचलित मुहावरा सुना है- 'दीपक तले अंधेरा'। यह सच है कि चाहे दीपक हो, बल्ब या मोमबत्ती, उसके नीचे तल पर अंधेरा रहता ही है। कोठारी आयोग ने 1968 में देश को पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति दी। दूसरी नीति 1986 में आई और फिर 34 वर्षों बाद नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू हुई। कागजों पर रंगीन सपने सजाए गए, उम्मीदों के सुंदर-सुंदर रंग बिखेरे गए, कुछ बदलाव धरातल पर भी दिखे, जैसे- शिक्षा सबके लिए सुलभ हुई, सार्वभौमिक लक्ष्य स्पष्ट हुए। मैकाले की 1835 की नीतियों की विसंगतियां उजागर हुईं। शिक्षकों के लिए इन-सर्विस प्रशिक्षण, क्लस्टर रिसोर्स केंद्र, ब्लॉक रिसोर्स सेंटर, डाइट जैसी व्यवस्थाएं बनीं। अब स्कूल शिक्षा 10+2 की जगह 5+3+3+4 प्रारूप की शुरुआत हो रही है।

रमाकांत प्रसाद

पूर्व प्राचार्य

अंतिम हितधारक- बच्चा, उसके कक्षा-कक्ष से होते हुए व्यापक समाज तक मूल्यपरक, जीवनोपयोगी शिक्षा को उच्च आदर्श के साथ लक्ष्य तक पहुंचने का ठोस रोडमैप और क्रियान्वयन का सजग तंत्र आज भी अधूरा और बिखरा हुआ है। अब फिर मुहावरे पर लौटते हैं- 'दीपक तले अंधेरा'। सोचिए, यदि दीपक के चारों ओर दर्पण लगा दिए जाएं, तो क्या उसके नीचे अंधेरा रहेगा? उत्तर स्पष्ट है- नहीं। दर्पण प्रकाश को हर दिशा में फैलाकर उन हिस्सों को भी उजागर कर देता है, जो पहले अंधेरे में थे।

शिक्षा के क्षेत्र में यह दर्पण है- चिंतनशील शिक्षक। ऐसा शिक्षक जो रचनात्मकता और नवाचार के माध्यम से बच्चों को ज्ञान निर्माण के 360 दृष्टिकोण से जोड़ता है। वह हर तरफ से अनुभव के अवसर सृजित करता है, बच्चों को उनकी अपनी इंद्रियों से सीखने का मौका देता है और दर्पण की तरह उन्हें उनकी क्षमता का प्रकाश दिखाता है। यही शिक्षक शिक्षा को जीवंत बनाता है, संप्रेषण कौशल, समस्या समाधान की दक्षता, विकसित करने के लिए प्रेरित करता है और सही मायनों में संसार को जानने की दिशा में सही एवं तार्किक मार्गदर्शन प्रदान करता है। यह कथन सर्वथा उचित है कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य को गढ़ने वाले निर्माता हैं। उनकी भूमिका जितनी मजबूत होगी, राष्ट्र उतना ही सशक्त और विकसित होगा। वर्तमान परिस्थिति में शिक्षक खासकर प्राथमिक शिक्षक के चुनौतियों को अकादमिक और गैर-अकादमिक, एसआईआर में मतदाता पहचान सुनिश्चित करने के लिए बीएलओ ड्यूटी के साथ जोड़कर देखते हैं। यदि शिक्षक सामाजिक पृष्ठभूमि को नहीं समझते, तो वे बच्चों की वास्तविक जरूरतों और समस्याओं को पहचान नहीं पाएंगे।

शिक्षकों को गैर-शैक्षिक दायित्व देना मतदाता पहचान सुनिश्चित करने के लिए एसआईआर या बीएलओ ड्यूटी में लगाना- कितना उचित या अनुचित है। इसे समाज, चुनाव आयोग, न्यायालय और स्कूल के नजरिए से समझने की कोशिश करतें हैं। हर विद्यार्थी अलग सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आता है। शिक्षक को केवल पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सामाजिक संदर्भ को भी समझना जरूरी है। यही समझ शिक्षा को जीवन से जोड़ती है और बच्चों को सही दिशा देती है। संदीपनी आश्रम में कृष्ण और सुदामा की शिक्षा का उल्लेख हमें मिलता है, जहां शिक्षा केवल शास्त्रों तक सीमित नहीं थी। इसमें धनुर्विद्या, राजनीति, नैतिकता, कृषि, पशुपालन जैसे व्यावहारिक विषय भी शामिल थे। गुरुकुल के विद्यार्थी आश्रम के कार्यों में भाग लेते थे। जल लाना, लकड़ी लाना, भोजन बनाना। इससे शिक्षा जीवन से जुड़ी रहती थी और अहंकार दूर होता था।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

प्रो. राय ने रेखांकन से किया भारतीय विरासत को जीवंत

प्रो. हरीश चंद्र राय के यथार्थवादी शैली में गतिशील रेखांकन इतने सजीव दिखते हैं कि ऐसा लगता है कि अभी बोल पड़ेंगे। प्रो. हरीश के रेखांकन अजंता, एलोरा, राजपूत और मुगल शैलियों पर आधारित हैं। उन्होंने रेखांकन और चित्रों के माध्यम से भारतीय विरासत की आत्मा को जीवंत किया है। वह न केवल शानदार चित्रकार और मूर्तिकार थे, बल्कि एक अच्छे शिक्षक भी थे। शिमला से पहले उन्होंने बरेली कॉलेज में भी अपनी सेवाएं दी थीं। वह ताउम्र कला और रंगों की दुनिया में सितारे की तरह चमकते रहे। उन्होंने कला क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया। वह हिमाचल में आर्ट्स कॉलेज के फाउंडर प्रिंसिपल भी रहे। हिमाचल सरकार ने उनकी कला को सराहा और राज्य संग्रहालय शिमला में हरिश चंद्र कला दीर्घा की स्थापना की। भले ही आज वे हमारे बीच नहीं हैं, मगर उनकी कलाकृतियां कलाप्रेमियों के दिलों में हैं।

–रामराज मिश्रा, बरेली

27 मई वर्ष 1923 को बरेली के मोहल्ला मलूकपुर में हरीश चन्द्र राय का जन्म हुआ था। उन्होंने लखनऊ स्थित आर्ट्स कॉलेज से स्नातक किया था। वे लंबे समय तक वह बरेली कॉलेज में हिंदी-कला के शिक्षक रहे। उन्होंने बरेली कॉलेज में सोसाइटी ऑफ आर्ट्स का गठन किया। इसी सोसाइटी के माध्यम से एक रेखांक केंद्रित पुस्तक क्रिएशन ऑफ आर्ट्स 1952 में प्रकाशित हुई थी। बड़े बाजार की एक इलेक्ट्रिक प्रेस से इसका मुद्रण बीएस वर्मा ने किया था। हरीश चंद्र ने शिमला में 1961 से 1979 तक सेवाएं दीं। वह पोर्ट्रेट, सीनरी आदि बनाने में ऑयल, वाटर और पेस्टिल कलर का इस्तेमाल करते थे। उन्होंने 96 वर्ष तक निरंतर कला का सर्जन किया। हिमाचल सरकार ने वर्ष 2001 में उन्हें अचीवमेंट पुरस्कार से भी नवाजा। आजादी से पहले उन्होंने ब्रिटिस सेना में आर्टिस्ट के रूप में सेवाएं दी थीं।

सर्वपल्ली राधाकृष्णन का बनाया था लाइव स्कैच

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जब उपराष्ट्रपति थे, तब वह वर्ष 1955 में बरेली कॉलेज के दीक्षांत समारोह में आए थे। वहां हरीश चंद्र राय ने उनका लाइव पेंसिल स्कैच बनाया था, जिस पर डॉ. सर्वपल्ली के हस्ताक्षर भी हैं। हरीश चंद्र राय प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु शिवानंद के शिष्य थे। उन्होंने अपने गुरु का भी पेंसिल स्कैच तैयार किया था, जिस पर उनके गुरु के हस्ताक्षर हैं। उनके रेखांकन यथार्थवादी शैली में हैं। उन्होंने हस्त मुद्राएं, पैर की मुद्राओं का रेखांकन किया। भाव-भंगिमा को व्यक्त करने के लिए उन्होंने वन लाइन स्कैच बनाए। मुगल, पहाड़ी और राजस्थानी शैली के एक चश्म (आंख), चेहरे भी बनाए, ताकि मुखाकृतियों का अध्ययन बारीकी से किया जा सके। जमीन पर बैठे और खड़े लोगों के चित्र अलग-अलग मुद्राओं में बनाए हैं। शिमला में रहते हुए उन्होंने पहाड़, जंगल और पर्वत के प्राकृतिक दृश्यों को भी उकेरा, जिसमें उन्होंने फोटोग्राफी का सहारा नहीं लिया। जैसे आंखों की बनावट, साफ सुथरे नाक-नक्श, अंगुलियों का लचीलापन है, जो श्रेष्ठ रेखांकन में विशेषताएं होती हैं, वह सभी उसमें विद्यमान हैं।

दिग्गज चित्रकारों का मिला सानिध्य

हरीश चंद्र राय के कला गुरु एवं प्रसिद्ध चित्रकार एके हलदर, श्रीधर मजूमदार, एलएम सेन रहे, जिनके सानिध्य में उन्होंने काम किया। उनकी पुत्री एवं रंगकर्मी अमला राय ने बताया कि 2023 में पिता के जन्मशताब्दी वर्ष पर शिमला में कला उत्सव का आयोजन किया था। अब हर साल पिता की स्मृति में कला उत्सव का आयोजन होता है। पिता के कला पक्ष के संदर्भ में उन्होंने बताया कि पिताजी का ध्यान स्कैचिंग पर ज्यादा रहता था। वह अभ्यास के लिए अपने छात्रों को भी यही सीख देते थे। जीवनभर वह कला में ही रमे रहे। 30 अक्टूबर 2018 को मुंबई में उनका निधन हुआ था।

प्रारंभिक रेखांकन का अनमोल संग्रह

'प्रो. हरीश चंद्र राय के रेखांकन' पुस्तक के संपादक बरेली निवासी हरिशंकर शर्मा कहते हैं कि पुराने कलाकारों की कलाकृतियां तो मिल जाती हैं, मगर आरंभिक कार्य दुर्लभ होते हैं। यह पुस्तक उनकी प्रारंभिक रेखांकन का अनमोल संग्रह है, जो कला जगत के लिए महत्वूपर्ण है। यह पुस्तक हरीश चंद्र राय की बेटी अमला राय को समर्पित है।

आर्ट गैलरी

विंसेंट वान गॉग की पेंटिंग आइरिस

आइरिस डच कलाकार विंसेंट वान गॉग की एक ऑयल पेंटिंग है। इसे उन्होंने 1889 में बनाया था। यह एक लैंडस्केप है, जिसमें क्रॉप किया हुआ कंपोजिशन है और यह उन कई सौ पेंटिंग्स में से एक है, जो वान गॉग ने 1890 में अपनी मौत से एक साल पहले फ्रांस के सेंट-रेमी-डी-प्रोवेंस में सेंट पॉल-डी-मौसोल पागलखाने में बनाई थीं। यह 1990 से लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में द गेटी के परमानेंट कलेक्शन में है। यह पेंटिंग जीवंत रूप से खिलते हुए आइरिस के फूलों को डायनामिक ब्रशस्ट्रोक के साथ दिखाती है। फूल गहरे नीले और बैंगनी रंगों का मिश्रण हैं, जो हरे पत्तों, लाल-नारंगी मिट्टी और बैक ग्राउंड में पीले फूलों के साथ कंट्रास्ट बनाते हैं। वैन गॉग की खास इंपेस्टो तकनीक पेंटिंग में टेक्सचर और मूवमेंट जोड़ती है, जिससे एक जोशीला और एक्सप्रेसिव एहसास होता है।

वान गॉग के बारे में

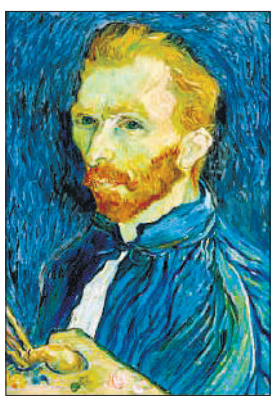

विंसेंट वान गॉग का जन्म 30 मार्च 1853 को नीदरलैंड के एक छोटे से गांव में हुआ था। अपने शुरुआती जीवन में, उन्होंने एक कला डीलर, शिक्षक और उपदेशक के रूप में काम किया, लेकिन उन्हें कहीं भी सफलता नहीं मिली। 27 साल की उम्र में, उन्होंने कला को अपना करियर बनाने का फैसला किया और अपने भाई थियो के वित्तीय सहयोग से पूरी तरह पेंटिंग के लिए समर्पित हो गए। अपने दस साल के कलात्मक करियर में, वान गॉग ने 2,000 से अधिक कलाकृतियां बनाईं, जिनमें लगभग 860 ऑयल पेंटिंग शामिल हैं। उनकी शैली बोल्ड रंगों, नाटकीय और अभिव्यंजक ब्रश स्ट्रोक और कंटूर्ड रूपों के लिए जानी जाती है, जिसने आधुनिक कला पर एक बड़ा प्रभाव डाला। उनकी कुछ सबसे प्रसिद्ध कृतियों में आइरिस, द स्टारी नाइट (The Starry Night), सनफ्लॉवर्स (Sunflowers), द पोटैटो ईटर्स (The Potato Eaters) और द बेडरूम (The Bedroom) शामिल हैं। उन्होंने अपनी जिंदगी में सिर्फ दो पेंटिंग बेचीं और वे भी बहुत कम कीमत पर। इसके अलावा उन्होंने अपनी कई पेंटिंग मुफ्त में दे दीं। उनकी जिंदगी में उनके काम की इतनी कम सराहना हुई कि एक पेंटिंग को तो मुर्गी के दड़बे के दरवाजे के तौर पर इस्तेमाल किया गया। उनके निधन के बाद दुनिया ने उनके काम को पहचाना। नवंबर 1987 में न्यूयॉर्क में एक नीलामी में, उनकी पेंटिंग 'आइरिस' (मई 1889) रिकॉर्ड 49 मिलियन डॉलर की कीमत पर बिकी।

रंग-तरंग

काशी तमिल संगमम

बीते सोमवार 15 दिवसीय प्रसिद्ध काशी तमिल संगमम 4.0 का समापन हुआ। इस वर्ष का संगमम रामेश्वरम में एक विशालसमापन समारोह के साथ खत्म हुआ, जो काशी से तमिलनाडु तक संस्कृति के उद्भव और विकास को सांकेतिक तौर पर पूरा किया गया। संगमम का प्रमुख उद्देश्य तमिलनाडु और काशी के बीच सांस्कृतिक और सभ्यातागत संपर्क को आगे बढ़ाना था। यह आयोजन उत्तर और दक्षिण भारत की संस्कृति के मिलन का उत्सव है। जब भी काशी और तमिल भाषा के

संबंधों की बात होती है, तो एक नाम सबसे प्रमुखता से सामने आता है महर्षि अगस्त्य का। महर्षि अगस्त्य केवल एक ऋषि नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा के वह स्तंभ हैं, जिन्होंने उत्तर और दक्षिण को एक सूत्र में पिरोया। ऋषि अगस्त्य का काशी से गहरा नाता रहा। उन्हें तमिल भाषा का जनक भी माना जाता है। काशी तमिल संगमम 4.0 का यह संस्करण "लेट्स लर्न तमिल -तमिल करकलम" पर आधारित था, जिसमें तमिल भाषा सीखने और भाषा की एकता को संगमम का केंद्र थी। प्रमुख कार्यक्रम में तमिल करकलम (वाराणसी के स्कूलों में तमिल पढ़ाना), तमिल करपोम (काशी क्षेत्र के 300 छात्रों के लिए तमिल सीखने का स्टडी टूर) और ऋषि अगस्त्य वाहन अभियान (तेनकासी से काशी तक सभ्यतागत मार्ग का पता लगाना) शामिल रहा।

पहाड़ की बेटी ने नृत्य से गढ़ी अपनी राह

नारी सशक्तिकरण

क्या आपने कभी सोचा है कि संसाधनों की कमी और पहाड़ जैसी तमाम परेशानियों का सामना करने वाली छोटे से पहाड़ी कस्बे की बेटी अपनी घरेलू जिम्मेदारियों के बीच अपने हुनर को सोशल मीडिया के माध्यम से एक अंतर्राष्ट्रीय मंच तक ले जा सकती है? लेकिन ऐसा हुआ है और यह कर दिखाया है, उत्तराखंड के पिथौरागढ़ की रहने वाली जानकी रावत ने, जिन्होंने नृत्य के प्रति अपने बचपन के शौक को न केवल एक पहचान बनाया, बल्कि इसे आत्मनिर्भरता का माध्यम भी बना लिया। जानकी आज उन सभी महिलाओं के लिए एक प्रेरणा हैं, जो मानती हैं कि उम्र या परिस्थितियां सपनों की राह में बाधा बन सकती हैं।

–रमेश जड़ौत, अल्मोड़ा

जागेश्वर में जन्मीं जानकी रावत को बचपन से ही संगीत का काफी शौक था और पह नृत्य को अपना कैरियर बनाने का सपना देखती थीं। स्कूल, कॉलेज के अलावा आसपास के इलाकों में उन्हें जहां भी अपनी प्रतिभा का हुनर दिखाने का मौका मिलता। वह उससे नहीं चूकती। कुमाऊं यूनिवर्सिटी से एम.ए. की शिक्षा प्राप्त करने के बाद जानकी का विवाह हुआ। शादी और घरेलू दायित्वों के बावजूद, उन्होंने अपने अंदर के कलाकार को मरने नहीं दिया। स्कूल के दिनों से ही मंच पर अपनी छाप छोड़ने वाली जानकी के लिए पारिवारिक सहयोग एक ऐसी शक्ति बनकर उभरा, जिसने उन्हें अपनी कला को सोशल मीडिया के विशाल मंच पर प्रस्तुत करने का साहस दिया। ससुराल में पारिवारिक जिम्मेदारियों के बाद भी जानकी ने अपने कदम डिगने नहीं दिए। अलग-अलग मंचों पर अपनी प्रस्तुति के साथ ही उन्होंने अपने पति के सहयोग से अपनी प्रतिभा को सोशल मीडिया पर पहचान दिलाने की कोशिश शुरु की। शुरुआत में उन्होंने इंस्टाग्राम पर डांस की रील्स बनाना शुरू किया। उनकी कुमाऊंनी संस्कृति से जुड़ी प्रस्तुतियों को दर्शकों ने खूब सराहा। इस सकारात्मक प्रतिक्रिया ने उन्हें यूट्यूब चैनल जानकी रावत ब्लॉग शुरू करने के लिए प्रेरित किया। जिस पर उनकी इस प्रतिभा की सराहना करने वाले दर्शकों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। साथ ही अब सोशल मीडिया जानकी के लिए आजीविका का जरिया भी बन गया है।

कड़ी मेहनत से मिलने लगा मंचीय सम्मान

पिथौरागढ़ निवासी जानकी रावत की अपने हुनर के प्रति शिद्दत अब रंग लाने लगी है और उन्हें अब मंचीय सम्मान भी मिलने लगा है। वर्ष 2025 जानकी के लिए बेहद खास रहा। इस साल देश की सुप्रसिद्ध संस्कार सांस्कृतिक समिति अल्मोड़ा ने प्रतिष्ठित गोल्ज्यू महोत्सव 2025 में अपने जीवन का पहला स्टेज शो करने का मौका दिया। जानकी ने यहां भी अपने हुनर का जमकर जादू बिखेरा और दर्शकों की खूब वाहवाही भी लूटी।

आत्मविश्वास बांटने की पहल

जानकी रावत ने अपनी सफलता को केवल व्यक्तिगत नहीं रखा। अपने अनुभव और कोरियोग्राफी के ज्ञान का उपयोग करते हुए उन्होंने अब पिथौरागढ़ में अपनी डांस क्लास शुरू की है। यहां वह सिर्फ नृत्य नहीं सिखाती, बल्कि महिला सशक्तिकरण का बीज बोती हैं। उनकी कक्षा में बच्चियां और महिलाएं अपनी रचनात्मकता को पहचान रही हैं और आत्मविश्वास हासिल कर रही हैं। यह पहल दिखाती है कि एक सफल महिला न केवल खुद आगे बढ़ती है, बल्कि दूसरी महिलाओं के लिए भी रास्ते बनाती है। जानकी की यात्रा यह सिद्ध करती है कि प्रत्येक महिला के अंदर एक अनूठी प्रतिभा छिपी होती है। जरूरत है उसे पहचानने और सही मंच देने की। आपकी परिस्थितियां चाहे जो भी हों, दृढ़ इच्छाशक्ति और परिवार के थोड़े से सहयोग से आप भी अपनी पहचान बना सकती हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,679.86	25,860.10
गिरावट	533.50	167.20
प्रतिशत में	0.63	0.64

सोना 1,35,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,98,500 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 17 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल प्रति कु. : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8000-8800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7400, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 7800, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4280, बहेड़ी 4220

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3000, मसूरी- 1300, बासमती- 5500, परमल- 1200

दाल दलहन : काला चना- 3300, साबुत चना दाल- 3000, मूंग साबुत- 4500, राजमा- 8200-12200, दाल उड़द- 6000, साबुत मसूर दाल- 4300, मसूर दाल- 3100, उड़द साबुत- 5000, काबुली चना- 9200
अरहर दाल- 10300, लोबिया/ करमानी- 2200

* दाम प्रति क्विंटल में

कमजोर होते रुपये ने बढ़ाई विदेशी निकासी, दबाव में घरेलू शेयर मार्केट

सेंसेक्स में लगातार दूसरे दिन 533 अंकों की गिरावट, निफ्टी 167 अंक फिसला

मुंबई, एजेंसी

डॉलर के मुकाबले रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर चले जाने और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी के बीच मंगलवार को स्थानीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 533 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी में 167 अंक की गिरावट रही। यह शेयर बाजार में गिरावट का लगातार दूसरा दिन रहा। सोमवार को भी बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुए थे।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 533.50 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84,679.86 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 592.75 अंक गिरकर 84,620.61 अंक तक आ गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 167.20 अंक यानी 0.64 प्रतिशत गिरकर 25,860.10 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 1,468.32 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 1,792.25 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीद की।

रुपये में रिकॉर्ड गिरावट से नकारात्मक असर

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, एफआईआई के लगातार बिकवाली करने और वैश्विक स्तर पर कमजोर धारणा के बीच डॉलर के मुकाबले रुपये में आई रिकॉर्ड गिरावट ने घरेलू शेयर बाजारों को नकारात्मक दायरे में धकेल दिया। ऑनलाइन ट्रेडिंग मंच एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा, डॉलर के मुकाबले रुपये के 91 के स्तर के पार चले जाने से व्यापक आर्थिक पहलुओं को लेकर चिंता पैदा हुई और निवेशकों ने जोखिम से बचना बेहतर समझा।

91.01@ डॉलर — कमजोर डॉलर के आगे भी रुपया बेबस लुढ़ककर सबसे निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिका मुद्रा के मुकाबले रुपया मंगलवार को 23 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 91.01 प्रति डॉलर (अस्थाई) पर बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में कोई सफलता न मिलने और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से रुपये की विनिमय दर में यह गिरावट आई। कारोबार के बीच रुपया डॉलर के मुकाबले पिछले बंद भाव से 36 पैसे टूटकर 91.14 के अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था लेकिन अंत में इसमें कुछ सुधार हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि डॉलर के कमजोर होने और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी कमी के बावजूद भी स्थानीय मुद्रा में गिरावट को रोका नहीं जा सका। रुपया पिछले 10 कारोबारी सत्र में डॉलर के मुकाबले 90 से गिरकर 91 पर आ गया। यह पिछले पांच सत्र में ही डॉलर के मुकाबले एक प्रतिशत लुढ़का है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार रुपये के इस महीने 92 के स्तर को पार करने का अनुमान है।

विदेशी बाजारों की ओर बढ़े भारतीय निवेशक

नई दिल्ली। रुपये में जारी गिरावट ने वैश्विक निवेश को चुनिंदा विकल्प बना दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय निवेशक अब अमेरिकी इक्विटी, सूचकांक और क्षेत्र आधारित ईटीएफ, निजी बाजार सहित दूसरे विदेशी बाजारों में अपनी भागीदारी लगातार बढ़ा रहे हैं। वेस्टेड फाइनेंस की 'हाउ इंडिया इन्वेस्ट्स ग्लोबली 2025' शीर्षक वाली रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इससे पोर्टफोलियो बनाने के लिए अधिक सुनियोजित तरीके और वैश्विक बाजार में भागीदारी को लेकर बढ़ते भरोसे का पता चलता है। रिपोर्ट के मुताबिक शोध, डिजिटल साधनों और शिक्षा तक व्यापक पहुंच ने इस बदलाव को आकार देने में अहम भूमिका निभाई है। रिपोर्ट में कहा गया कि रुपये का लगातार कमजोर होना दीर्घकालिक नतीजों को प्रभावित करता है। विदेशी इक्विटी और ऋण में निवेश वित्त वर्ष 2018-19 में 42.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर से चार गुना बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

स्वास्थ्य सेवा, कृषि क्षेत्र में एआई को बढ़ावे के लिए गूगल देगा 84 लाख डॉलर

नई दिल्ली। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने मंगलवार को स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा एवं टिकाऊ शहरों के लिए भारत के एआई उत्कृष्टता केंद्रों को 80 लाख अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। साथ ही, भारत के स्वास्थ्य मॉडल के विकास में सहयोग के लिए 4,00,000 अमेरिकी डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई है।

गूगल, भारतीय भाषाओं के समाधान प्रदान करने वाले मॉडल बनाने के लिए ज्ञानीडॉटएआई, कोरोवरडॉटएआई, और भारतजेन को 50,000 अमेरिकी डॉलर का अनुदान भी दे रहा है। गूगल ने कहा कि वह स्वास्थ्य एवं कृषि के लिए बहुभाषी एआई-संचालित अनुप्रयोगों का समर्थन करने के लिए वधवानी एआई को 45 लाख अमेरिकी डॉलर की धनराशि प्रदान कर रहा है। कंपनी की ओर से आधिकारिक घोषणा में कहा गया कि ये घोषणाएं भारत के एआई परिवेश को मजबूत करने के लिए गूगल द्वारा किए गए नये सहयोग एवं वित्त पोषण प्रतिबद्धताओं की एक श्रृंखला को दर्शाती हैं।

बेरोजगारी दर नवंबर में घटकर 7 माह के निचले स्तर 4.7% पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी की रिपोर्ट

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के बीच बेरोजगारी दर नवंबर 2025 में घटकर 4.7 प्रतिशत हो गई, जो अप्रैल 2025 के बाद का सबसे निचला स्तर है। यह इससे पहले अक्टूबर 2025 में 5.2 प्रतिशत थी।

मंत्रालय ने कहा कि नवंबर 2025 में ग्रामीण बेरोजगारी दर घटकर नए निचले स्तर 3.9 प्रतिशत पर आ गई, जबकि शहरी बेरोजगारी दर घटकर 6.5 प्रतिशत रह गई, जो अप्रैल 2025 में दर्ज किए गए इसके पिछले न्यूनतम स्तर के बराबर है। अप्रैल 2025 में बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत थी। बयान के अनुसार कुल मिलाकर रुझान श्रम बाजार की स्थितियों के मजबूत होने का संकेत देते हैं, जिन्हें ग्रामीण रोजगार में बढ़ोतरी, महिला भागीदारी में वृद्धि और शहरी श्रम मांग में क्रमिक सुधार का समर्थन मिला है। नवंबर 2025 में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों और महिलाओं, दोनों के लिए बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। महिलाओं के बीच बेरोजगारी दर नवंबर 2025 में घटकर 4.8 प्रतिशत रह गई, जो अक्टूबर 2025 में 5.4 प्रतिशत थी।

यह गिरावट ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में महिला बेरोजगारी दर में कमी के कारण आई। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 4.0 प्रतिशत से घटकर 3.4 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 9.7 प्रतिशत से घटकर 9.3 प्रतिशत हो गई। कुल पुरुष बेरोजगारी दर नवंबर 2025 में घटकर 4.6 प्रतिशत रह गई, जो अक्टूबर 2025 में 5.1 प्रतिशत थी। क्षेत्रवार आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2025 में ग्रामीण और शहरी पुरुष बेरोजगारी दर क्रमशः 4.1 प्रतिशत और 5.6 प्रतिशत रही, जबकि इससे पिछले महीने यह क्रमशः 4.6 प्रतिशत और 6.1 प्रतिशत थी।

बड़ी संख्या में इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से एटीएफ बिक्री 4.1% घटी

नई दिल्ली। इस महीने की शुरुआत में बड़ी संख्या में इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से दिसंबर के पहले पखवाड़े में विमान ईंधन (एटीएफ) की बिक्री चार प्रतिशत से अधिक घट गई।

कोविड महामारी से पैदा हुए व्यवधानों से उबरने के बाद पिछले दो वर्षों से भारत में विमान ईंधन या एटीएफ की मांग लगातार बढ़ रही थी लेकिन बड़ी संख्या में इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से दिसंबर 2025 में यह सिलसिला टूट गया। एयरलाइन ने लगभग 5,000 उड़ानें रद्द कीं। एटीएफ बिक्री 1-15 दिसंबर तक 3,31,400 टन रही, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 3,45,400 टन था। मासिक आधार पर बिक्री में 7.2% की गिरावट आई। विमान ईंधन के विपरीत इस अवधि में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी जैसे अन्य प्रमुख ईंधन की बिक्री बढ़ी। डीजल की बिक्री सालाना आधार पर लगभग पांच प्रतिशत बढ़कर 33 लाख टन हो गई। त्योहारी मांग कम होने से इसमें मासिक आधार पर 5.5 प्रतिशत की कमी हुई।

अमेरिका में नवंबर में 64,000 नौकरी बढ़ीं

वॉशिंगटन। अमेरिकी सरकार ने देरी से जारी की गई रोजगार संबंधी रिपोर्ट में बताया कि नवंबर में 64,000 नौकरियां बढ़ीं, जबकि अक्टूबर में 1.05 लाख नौकरियां घटीं। ट्रंप प्रशासन की कटौतियों के बाद संघीय कर्मचारियों की संख्या कम होने से अक्टूबर में नौकरियों में गिरावट हुई। अमेरिका में बेरोजगारी दर बढ़कर 4.6 प्रतिशत हो गई, जो 2021 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। श्रम विभाग ने मंगलवार को अक्टूबर और नवंबर दोनों महीनों के रोजगार आंकड़े जारी किए।

एआई को नियंत्रित करने के लिए नए कानून नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी सचिव एस. कृष्णन ने मंगलवार को कहा कि सरकार एआई के लिए नए कानून या नियम लाने से बचना चाहती है जब तक कि यह बेहद जरूरी न हो। उन्होंने कहा कि उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम जैसे मौजूदा कानूनी ढांचे का इस्तेमाल किया जाएगा।

उद्योग संघ एसोचैम की 'एआई लीडरशिप मीट' में कृष्णन ने कहा कि सरकार का नियामक दृष्टिकोण विचारशील एवं सावधानीपूर्ण है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नवाचार में बाधा न डाले। उन्होंने कहा, वैसे भी, हमारे देश में कई कानून हैं इसलिए मेरी हमेशा यही प्रवृत्ति रहती है कि जब तक बिल्कुल जरूरी न हो, कोई नया कानून या नियम न बनाया जाए। पहले यह देखने की कोशिश करें कि मौजूदा कानूनों के साथ क्या किया जा सकता है। कृष्णन ने कहा, अब तक एआई के नियमन के प्रति हमारा दृष्टिकोण बेहद व्यावहारिक रहा है और यह बिल्कुल स्पष्ट है कि हम किसी भी परिस्थिति में नवाचार के रास्ते में बाधा नहीं बनना चाहते।

- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी विभाग सचिव ने कहा- बेहद जरूरी होने पर ही लाए जाएंगे ऐसे कानून

उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा (आईपी) अधिनियम और हाल ही में अधिसूचित डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम के प्रावधानों में एआई के उपयोग से संबंधित काफी सारे मुद्दे पहले से ही शामिल किए गए हैं। सचिव ने कहा, समय आने पर विनियमन की आवश्यकता होगी या नहीं, इस पर हम अन्य पहलुओं के साथ विचार करेंगे। उन्होंने कहा, हमारा जोर उन नियमों को लागू करने पर होगा जो एआई के विकास को संभव बनाएंगे।

घरेलू दवा उद्योग को चीनी मार से बचाने का आग्रह

हैदराबाद, एजेंसी

- बीडीएमए ने केंद्र सरकार से की एमआईपी लागू करने की मांग

थोक दवा विनिर्माताओं ने घरेलू उत्पादकों की सुरक्षा के लिए केंद्र की ओर से प्रस्तावित एमआईपी का समर्थन करते हुए कहा कि इसे एक समयबद्ध एवं सुनियोजित सुधारात्मक उपाय के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि संरक्षणवादी कदम के रूप में। चीन से सस्ते आयात का मुकाबला करने के लिए केंद्र सरकार, न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) लागू करने की प्रक्रिया में है। चीन ने हाल ही में कीमतों में भारी कटौती की है।

बल्क ड्रग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (बीडीएमए) के सूत्रों के अनुसार, लगातार अनुचित मूल्य निर्धारण एवं आयात कीमतों में भारी गिरावट घरेलू विनिर्माण की व्यवहार्यता के लिए एक आसन्न खतरे का संकेत देती है। बीडीएमए सूत्रों ने कहा, उद्योग संघ प्रस्तावित एमआईपी ढांचे का पुरजोर समर्थन करता है और देश के लिए समान अवसर एवं दीर्घकालिक 'एंटीबायोटिक' सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र विचार करने का आग्रह करता है। गौरतलब है कि प्रस्तावित एमआईपी से मरीजों के लिए दवाओं की कीमतों में कोई वृद्धि नहीं होगी क्योंकि 'एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट' की कीमतें अधिक होने पर भी दवाओं का अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) स्थिर रहता है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने एप्पल की याचिका पर केंद्र और सीसीआई से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल इंक की याचिका पर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। एप्पल ने अपनी याचिका में कई वर्षों के ऑडिट किए गए वित्तीय विवरण उपलब्ध कराने के सीसीआई के निर्देश को चुनौती दी है।

एप्पल ने प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 में किए गए उस संशोधन को भी चुनौती दी है, जो सीसीआई को किसी कंपनी के वैश्विक कारोबार के आधार पर जुर्माना लगाने की अनुमति देता है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ को बताया गया कि कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय और सीसीआई ने एप्पल की याचिका के जवाब में सोमवार को अपना प्रतिवाद हलफनामा दाखिल कर दिया है, लेकिन वह अभी रिकॉर्ड पर नहीं आया है। जवाब को रिकॉर्ड पर रखने का मतलब उसे आधिकारिक रिकॉर्ड का हिस्सा बनाने से है। ऐसे में जवाब आधिकारिक रूप से दाखिल कर, उसे केस की फाइल में दर्ज किया जाता है।

विश्वकप जीतने वाली क्रिकेट खिलाड़ियों को एसयूवी का उपहार

मुंबई। टाटा समूह ने मंगलवार को विश्व कप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सदस्यों को सम्मानित करते हुए प्रत्येक खिलाड़ी को हाल ही में लॉन्च की गई एसयूवी सिएरा उपहार में दी। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने महिला खिलाड़ियों की उपलब्धि की तुलना पुरुष टीम के 1983 में क्रिकेट विश्व कप जीतने से की। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के बच्चे दो नवंबर 2025 को हमेशा एक मील का पत्थर मानकर याद रखेंगे। चंद्रा ने कहा, उन्होंने खुशी और जुनून के साथ खेला और अपने प्रतिद्वंद्वियों से हर विकेट और हर रन के लिए कड़ी मेहनत करवाई। उन्हें कुछ भी उपहार में नहीं मिला। टाटा समूह ने विजेता टीम को अपने मुख्यालय बॉम्बे हाउस में चंद्रशेखरन और टाटा मोटर्स के शीर्ष अधिकारियों की मौजूदगी में सम्मानित किया।

विदेशों में भारतीयों का प्रत्यक्ष निवेश नवंबर में 31 प्रतिशत घटा

मुंबई। विदेशों में भारतीयों का प्रत्यक्ष निवेश नवंबर महीने में 30.82 प्रतिशत घटकर 203.71 करोड़ डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार भारतीयों ने नवंबर में दुनिया के अन्य देशों में कुल 203.71 करोड़ डॉलर का निवेश किया। पिछले साल नवंबर में उनका निवेश 294.45 करोड़ डॉलर रहा था जबकि इस साल अक्टूबर में यह 368.23 करोड़ डॉलर दर्ज किया गया था। एक साल पहले की तुलना में इस साल नवंबर में भारतीयों में विदेशों में इक्विटी में ज्यादा निवेश किया है जबकि ऋण और गारंटी में उनका निवेश घटा है। इक्विटी में उन्होंने 97.84 करोड़ डॉलर का निवेश किया है जो सालाना आधार पर 10.46 प्रतिशत अधिक है। ऋण में निवेश 70.24 फीसदी घटकर 28.64 करोड़ डॉलर रह गया। जारी की गयी गारंटी में 29.55 प्रतिशत की गिरावट रही और यह 77.23 करोड़ डॉलर रहा।

- भारतीयों ने दूसरे देशों में नवंबर में 203 करोड़ डॉलर निवेश किए

पश्चिम बंगाल के नादिया में सांता क्लॉज बनाता कलाकार।

एचडीएफसी को इंडसइंड बैंक में हिस्सेदारी 9.5% बढ़ाने की मंजूरी

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैंक को भारतीय रिजर्व बैंक से इंडसइंड बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 9.5 प्रतिशत करने की मंजूरी मिल गई है। इंडसइंड बैंक ने शेयर बाजार को दी सचूना में कहा, भारतीय रिजर्व बैंक ने 15 दिसंबर 2025 के पत्र के माध्यम से एचडीएफसी बैंक को इंडसइंड बैंक की चुकता शेयर पूंजी या मतदान अधिकार के 9.50 प्रतिशत तक की कुल हिस्सेदारी' हासिल करने की मंजूरी दे दी है। इसमें कहा गया कि आरबीआई ने मंजूरी देते समय यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि आवेदक आरबीआई पत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर प्रमुख शेयरधारिता हासिल करने में विफल रहता है, तो मंजूरी रद्द कर दी जाएगी।

ओला इलेक्ट्रिक के संस्थापक 260 करोड़ के गिरवी शेयर छुड़ाएंगे

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक के संस्थापक भाविश अग्रवाल ने मंगलवार को कंपनी में अपनी व्यक्तिगत हिस्सेदारी का एक हिस्सा बेचा। सूत्रों के अनुसार इस बिक्री से मिली राशि से प्रवर्तकों के गिरवी रखे शेयरों (कुल 260 करोड़ रुपये) को छुड़ाया जाएगा। इस लेनदेन के लिए प्रवर्तक की हिस्सेदारी का एक छोटा हिस्सा बेचा गया और कुछ राशि व्यक्तिगत आय से जुटाई गई। बीएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार सितंबर 2025 की तिमाही के अंत तक प्रवर्तक और प्रवर्तक समूह की पास ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड में 36.78 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

रेल अफसरों ने बनवा दिए 900 खराब डिब्बे, कार्रवाई होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

- रेलवे बोर्ड ने दिया आदेश, दो महीने पहले एक मालगाड़ी के डिरेल होने के बाद हुआ था डिब्बों में गुणवत्ता की कमी का खुलासा

रेलवे बोर्ड ने मालगाड़ी के खराब डिब्बों के विनिर्माण और उन्हें चलाने को मंजूरी देने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं। इन डिब्बों को रेलवे की सहायक कंपनी ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड ने बनाया था। इस कंपनी द्वारा निर्मित लगभग 900 रेल डिब्बों में खामियों की जांच की जा रही है। इन सभी रेल डिब्बों में समान प्रकार के बोगी का उपयोग किया गया है।

इसी साल 19 सितंबर को एक मालगाड़ी के पटरी से उतरने के बाद जांच में अफसरों की यह कारगुजारी सामने आई थी। रेलवे बोर्ड के मुताबिक रिसर्च डिजाइंस एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गनाइजेशन (आरडीएसओ) डिजाइन की मंजूरी और गुणवत्ता के लिए जिम्मेदार है, वहीं जोनल रेलवे और न्यूट्रल कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (एनसीओ) पर नियमित रूप से देखभाल और मरम्मत की जिम्मेदारी है। आरडीएसओ के महानिदेशक और अन्य संबंधित अधिकारियों को भेजे गए एक पत्र में रेलवे बोर्ड ने कहा कि हाल में मालगाड़ी के पटरी से उतरने की घटना में यह पाया गया कि रेल डिब्बा (बीसीएनएएचएसएम1) और उसकी बोगियों के कुछ घटक निर्धारित सीमाओं से परे थे।

इस महीने की 12 तारीख के इस पत्र में यह भी कहा गया कि जांच में खराबी की पुष्टि हुई है और इससे ब्रेथवेट द्वारा विनिर्मित अन्य बीसीएनएएचएसएम1 रेल डिब्बों में भी इसी तरह की समस्याएं होने की आशंका गहरी हो जाती है। बोर्ड ने इन रेल डिब्बों के सुधार के लिए एक कार्ययोजना सुझाई है। साथ ही ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए सुधारों की भी सिफारिश की है। पत्र में कहा गया, दोषपूर्ण बोगियों के निर्माण की अनुमति देने में आरडीएसओ के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए। यह भी कहा गया कि देखभाल और मरम्मत के काम में लगे अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की जानी चाहिए और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

लोकनेते आरडी क्षीरसागर सहकारी बैंक पर प्रतिबंध

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नासिक जिले में स्थित लोकनेते आरडी (अप्पा) क्षीरसागर सहकारी बैंक पर कई प्रतिबंध लगाए हैं। बैंक में हुए कुछ घटनाक्रमों के चलते गंभीर पर्यवेक्षण संबंधी चिंताओं के कारण आरबीआई ने जमा निकासी पर रोक सहित कई पाबंदियां लगाई हैं। आरबीआई ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि पात्र जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से पांच लाख रुपये तक की जमा बीमा राशि पाने के हकदार होंगे। बैंक पर लगाए गए ये प्रतिबंध मंगलवार को कारोबार समाप्त होने के बाद से प्रभावी हो गए हैं। आरबीआई की अनुमति के बिना बैंक न तो किसी प्रकार का नया ऋण दे सकेगा, न ही पुराने ऋण का नवीनीकरण कर सकेगा।

एयरटेल पर लगाया 2.09 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने ग्राहकों के केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) के सत्यापन में लापरवाही के लिए निजी दूरसंचार कंपनी एयरटेल पर 2.09 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। एयरटेल ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे इस संबंध में विभाग से आज ही नोटिस प्राप्त हुआ है। वह जुर्माने के खिलाफ अपील नहीं करेगी और जुर्माना भरेगी। उसने बताया कि दूरसंचार विभाग ने अक्टूबर महीने के ग्राहकों के आवेदनों का ऑडिट किया था जिसके दौरान केवाईसी के सत्यापन में खामी की बात सामने आयी थी। एयरटेल ने बताया है कि इससे जुर्माने के अतिरिक्त कंपनी पर और किसी प्रकार का असर नहीं होगा।

कवायद — चीन पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार की पहल, प्रोत्साहन योजना अधिसूचित

दुर्लभ चुंबक विनिर्माण प्रोत्साहन के लिए 7280 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने 7,280 करोड़ रुपये के व्यय के साथ 'सिंटर्ड दुर्लभ पृथ्वी स्थाई चुंबक (आरईपीएम) के विनिर्माण की प्रोत्साहन योजना' को अधिसूचित कर दिया है। इस योजना का मकसद चीन पर निर्भरता कम करना और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), इलेक्ट्रॉनिक्स, वैमानिकी और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों के लिए आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करना है।

भारी उद्योग मंत्रालय ने अधिसूचना में कहा कि यह योजना दुर्लभ पृथ्वी अर्थ ऑक्साइड को सिंटर्ड स्थाई चुंबक एनडीफेब में बदलने की पूर्ण घरेलू मूल्य श्रृंखला विकसित करने के लिए लाई गई है। एनडीफेब यानी निओडिमियम-ऑयरन-बोरॉन सबसे शक्तिशाली स्थाई चुंबक बनाने में इस्तेमाल होने वाला मिश्रधातु है। इसका इस्तेमाल रणनीतिक और औद्योगिक दोनों क्षेत्रों में होता है।

भारत में बड़ा दुर्लभ खनिज भंडार, फिर भी आयात

भारत के पास विश्व के बड़े दुर्लभ खनिज भंडारों में से एक है, लेकिन फिलहाल देश सिंटर्ड एनडीफेब चुंबक की पूरी जरूरत को आयात से पूरी करता है। यह योजना इस कमी को दूर करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कुछ समय पहले ही दुर्लभ चुंबक के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए इस योजना को मंजूरी दी थी। मंत्रालय ने कहा कि इस योजना के तहत देश में 6,000 टन प्रति वर्ष की एकीकृत आरईओ से सिंटर्ड एनडीफेब चुंबक की विनिर्माण क्षमता स्थापित करने को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

इसके लिए पांच लाभार्थियों का चयन पारदर्शी वैश्विक निविदा प्रक्रिया के जरिये किया जाएगा, जिसके लिए अनुरोध प्रस्ताव जारी किया जाएगा। एक लाभार्थी को न्यूनतम 600 टन प्रति वर्ष और अधिकतम 1,200 टन प्रति वर्ष क्षमता आवंटित की जाएगी। पात्र इकाइयों को सिंटर्ड एनडीफेब आरईपीएम की बिक्री पर बिक्री-आधारित प्रोत्साहन और संयंत्र स्थापना के लिए पूंजी सब्सिडी मिलेगी।

राष्ट्रपति भवन में बनी परमवीर दीर्घा

- दीर्घा में सभी 21 परम वीर चक्र विजेताओं के चित्र प्रदर्शित

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को विजय दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में परम वीर दीर्घा का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया कि इस दीर्घा में सभी 21 परम वीर चक्र विजेताओं के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इस दीर्घा का मकसद आगंतुकों को राष्ट्रीय नायकों के बारे में जानकारी देना है जिन्होंने देश की रक्षा में अदम्य संकल्प और अजेय भावना का प्रदर्शन किया।

यह उन बहादुरों की याद का सम्मान करने की भी एक पहल है जिन्होंने मातृभूमि की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दी है। जिन गलियारों में परम वीर दीर्घा बनाई गई है, वहां पहले ब्रिटिश एडीसी के चित्र लगे हुए थे। भारतीय राष्ट्रीय नायकों के चित्रों को प्रदर्शित करने की यह पहल औपनिवेशिक मानसिकता को छोड़ने और गर्व के साथ भारतीय संस्कृति, विरासत और शाश्वत परंपराओं की समृद्धि को अपनाने की दिशा में एक सार्थक कदम है। परम वीर चक्र भारत का सर्वोच्च सैन्य सम्मान है।

राष्ट्रपति भवन में परम वीर दीर्घा के उद्घाटन के दौरान एक सैन्य अधिकारी को सम्मानित करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

पाकिस्तान ने 13 दिन में टेक दिए थे घुटने

पाकिस्तान के खिलाफ 1971 की लड़ाई में भारतीय सेना की जीत के प्रतीक के रूप में हर साल 16 दिसंबर को भारत विजय दिवस मनाता है। जीत की 54 वीं वर्षगांठ पर देशभर में मंगलवार को सेनाओं की वीरता की सराहना के साथ लड़ाई में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। 16 दिसंबर 1971 को सशस्त्र बलों के शौर्य, दृढ़ संकल्प और अटल निश्चय के परिणामस्वरूप भारत को पाकिस्तान के विरुद्ध एक ऐतिहासिक विजय प्राप्त हुई। इसके परिणामस्वरूप एक आजाद देश के रूप में बांग्लादेश का जन्म हुआ और इस निर्णायक जीत ने हमारे क्षेत्र के भू-राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया। इस 13 दिवसीय युद्ध में भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौसेना द्वारा प्रदर्शित तत्पर रणनीति, उत्कृष्ट समन्वय और भारत की सैन्य दक्षता को प्रदर्शित किया।

विजय दिवस पर वीरों का नमन

भारतीय सेना ने ढाका को घेरा

- 25 मार्च 1971 को पाकिस्तानी सेना ने ऑपरेशन सर्चलाइट शुरू किया। बंगाली नेताओं, छात्रों, बुद्धिजीवियों को कुचलना शुरू किया। हज़ारों लोगों की हत्या, महिलाओं पर अत्याचार के साथ हिंदू अल्पसंख्यकों को विशेष रूप से निशाना बनाया गया। बांग्लादेशी स्वतंत्रता सेनानियों को समर्थन देने से बौखलाए पाकिस्तान ने 3 दिसंबर 1971 को भारत के पश्चिमी हिस्से पर हवाई हमला किया। इसके बाद भारत ने पूर्वी और पश्चिमी दोनों मोर्चों पर जवाबी कार्रवाई की। भारतीय सेना ने केवल 13 दिनों में ढाका को घेर लिया और पाकिस्तान की सेना को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर कर दिया।

1971 के युद्ध की पृष्ठभूमि

- पूर्वी पाकिस्तान में अत्याचार ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की पृष्ठभूमि तैयार की थी। पाकिस्तान में पहला सार्वभौमिक चुनाव 1970 में कराया गया जिसमें शेख मुजीबुर रहमान की पार्टी अवामी लीग को स्पष्ट बहुमत मिला फिर भी राष्ट्रपति याह्या खान और जुल्फिकार अली भुट्टो ने सत्ता हस्तांतरण से इनकार कर दिया। सत्ता न सौंपे जाने पर पाकिस्तानी सेना ने पूर्वी पाकिस्तान में निर्मम दमन शुरू किया। लाखों लोग मारे गए और करीब 1 करोड़ शरणार्थी भारत आए। मानवीय संकट और सीमा पर दबाव के कारण भारत ने हस्तक्षेप कर मुक्ति वाहिनी का समर्थन किया।

93 हजार सैनिकों ने डाले थे हथियार

- 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने ढाका (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) में भारतीय सशस्त्र बलों के सामने आत्मसमर्पण किया था। भारत को निर्णायक विजय मिली और पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र होकर बांग्लादेश बना। लगभग 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा सैन्य आत्मसमर्पण था।

ऐतिहासिक आत्मसमर्पण

- सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एए के नियाजी के नेतृत्व में जंग लड़ रही पाकिस्तान की सेना ने 16 दिसंबर 1971 में हथियार डाल दिए। ढाका के रेसकोर्स ग्राउंड में भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के समक्ष पाकिस्तानी सेना ने बिना शर्त आत्मसमर्पण किया। लगभग 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों ने हथियार डाले। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा सैन्य आत्मसमर्पण था। इसके बाद बांग्लादेश का स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उदय। इसी को याद करने के लि 16 दिसंबर को भारत में विजय दिवस मनाया जाता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

नवनीत सिंह को मिला अनंतकृष्णन पुरस्कार

कोलकाता। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के वैज्ञानिक नवनीत सिंह को प्रतिष्ठित प्रोफेसर टीएन अनंतकृष्णन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। मंगलवार को जारी एक बयान से यह जानकारी मिली। जेडएसआई के एक बयान में कहा गया कि यह पुरस्कार प्रसिद्ध वर्गीकरण वैज्ञानिक (टैक्सोनॉमिस्ट) सिंह को बेंगलुरु में आयोजित 'स्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरण में कीट' विषय पर राष्ट्रीय संवाद के दौरान प्रदान किया गया। सिंह को शास्त्रीय वर्गीकरण और कीट पतंगों और तितलियों के पारिस्थितिक अध्ययन में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है।

पाकिस्तान में आया 5.2 तीव्रता का भूकंप

कराची। पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची के कुछ हिस्सों और बलूचिस्तान प्रांत के कुछ इलाकों में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया है। राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र ने बताया कि भूकंप का केंद्र बलूचिस्तान के सोनमियानी में था, जिसकी गहराई 12 किलोमीटर थी और यह कराची से लगभग 87 किलोमीटर दूर था। रेस्क्यू 1122 के एक अधिकारी ने बताया कि किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

फेंटानिल प्रतिबंध को ट्रंप ने किए दस्तखत

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फेंटानिल को सामूहिक विनाश का हथियार करार देने वाले कार्यकारी आदेश पर सोमवार को दस्तखत कर दिए। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, अन्य शीर्ष सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी में इस आदेश पर हस्ताक्षर किए।

भारत-इथियोपिया रणनीतिक साझेदारी तक ले जाएंगे संबंध

प्रधानमंत्री मोदी और इथियोपिया के प्रधानमंत्री के बीच द्विपक्षीय वार्ता में बनी सहमति

- इथियोपिया के पीएम ने मोदी का किया हवाई अड्डे पर स्वागत

अदीस अबाबा, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को इथियोपिया के प्रधानमंत्री डॉ. अबी अहमद अली के साथ द्विपक्षीय वार्ता की तथा इस दौरान भारत और इथियोपिया ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों की चार दिवसीय यात्रा के दूसरे चरण के तहत मंगलवार को इथियोपिया पहुंचे। इथियोपिया के प्रधानमंत्री डॉ. अबी अहमद अली ने अदीस अबाबा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मोदी का स्वागत किया। वह मोदी को अपनी गाड़ी में बैठाकर होटल तक भी ले गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के दौरान कहा कि हम भारत और इथियोपिया के संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जा रहे हैं। यह कदम हमारे संबंधों को नयी ऊर्जा, नयी गति और नयी गहराई प्रदान करेगा। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में सहयोग देने के लिए प्रधानमंत्री अली को धन्यवाद दिया। मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस संघर्ष में मित्र देशों का समर्थन अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज हमें अर्थव्यवस्था, नवाचार, प्रौद्योगिकी, रक्षा, स्वास्थ्य और बहुपक्षीय सहयोग जैसे हमारे सहयोग के प्रमुख पहलुओं पर विचार-विमर्श करने का अवसर मिला। मुझे खुशी है कि आज हमने भारत में इथियोपिया के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति को दोगुना करने का निर्णय लिया है। मोदी ने कहा कि भारत और इथियोपिया के बीच हजारों वर्षों से संपर्क, संवाद और आदान-प्रदान होता रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भाषा और परंपराओं से समृद्ध ये दोनों देश विविधता में एकता के प्रतीक हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का इथियोपिया के अदीस अबाबा में भारतीयों ने किया स्वागत।

मोदी को इथियोपिया का सर्वोच्च सम्मान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मंगलवार को उनके इथियोपियाई समकक्ष अबी अहमद अली ने इथियोपिया के सर्वोच्च सम्मान द ग्रेट ऑनर निशां ऑफ इथियोपिया से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री मोदी को यह सम्मान मंगलवार को अदीस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किया गया। विदेश मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि मोदी यह सम्मान प्राप्त करने वाले पहले वैश्विक राष्ट्राध्यक्ष/सरकार प्रमुख हैं।

इथियोपिया की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री मोदी इथियोपिया की संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करेंगे। इससे पूर्व मोदी ने कहा कि अदीस अबाबा हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के बाद प्रधानमंत्री डॉ. अबी अहमद अली मुझे शहर के विज्ञान संग्रहालय ले गए। यह संग्रहालय विज्ञान और नवाचार के विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित करता है और बताता है कि कैसे इनका इस्तेमाल इथियोपिया की प्रगति के लिए किया जा सकता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत-इथियोपिया के सदियों पुराने संबंधों का जश्न मनाते हुए! प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इथियोपिया की अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा पर अदीस अबाबा पहुंचे। एक विशेष भाव के रूप में, प्रधानमंत्री अबी अहमद अली उनका स्वागत करने के लिए खुद हवाई अड्डे पहुंचे। प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से रंगारंग स्वागत किया गया। जायसवाल ने कहा कि इथियोपिया 'ग्लोबल साउथ' में भारत का एक प्रमुख भागीदार है और ब्रिक्स का एक साथी सदस्य भी है।

मेक्सिको में छोटा विमान क्रैश, सात लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी। मध्य मेक्सिको में सोमवार को आपात स्थिति में उतरने का प्रयास करते समय एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। मेक्सिको के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मेक्सिको के असैन्य सुरक्षा समन्वयक एड्रियन हर्नांडेज ने बताया कि यह दुर्घटना सैन माटेओ एटेंको में हुई, जो टोलुका हवाई अड्डे से तीन मील (पांच किलोमीटर) दूर एक औद्योगिक क्षेत्र है और मेक्सिको सिटी से लगभग 31 मील (50 किलोमीटर) पश्चिम में स्थित है। विमान ने मेक्सिको के प्रशांत तट पर स्थित अकापुल्को से उड़ान भरी थी। हर्नांडेज ने कहा कि निजी विमान में सवार होने के लिए आठ यात्रियों और चालक दल के दो सदस्यों ने पंजीकरण कराया था लेकिन दुर्घटना के घंटों बाद तक केवल सात शव ही बरामद किए जा सके।

उन्होंने बताया कि विमान ने संभवतः एक फुटबॉल मैदान पर उतरने की कोशिश की थी लेकिन पास की एक दुकान की धातु की छत से टकरा गया, जिससे भीषण आग लग गई। दुर्घटना की जांच चल रही है। सैन माटेओ एटेंको की मेयर एना मुनीज ने 'मिलेनियो टेलीविजन' को बताया कि आग के कारण क्षेत्र से लगभग 130 लोगों को बाहर निकालना पड़ा।

पाकिस्तान में पीएम को कैद करना ही है लोगों की इच्छा का सम्मान

- संयुक्त राष्ट्र में भारत का पाकिस्तान पर करारा तंज

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

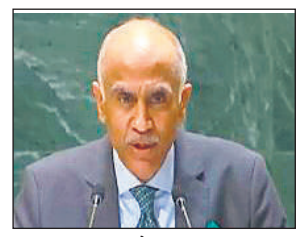

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कड़े शब्दों में पाकिस्तान के विभाजनकारी एजेंडे की आलोचना करते हुए कहा कि इस्लामाबाद का अपने लोगों की इच्छा का सम्मान करने का अनूठा तरीका यह है कि वह एक निर्वाचित प्रधानमंत्री को जेल में डाल देता है और अपने सेना प्रमुख को आजीवन कानूनी सुरक्षा दे देता है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वतनेनी ने सोमवार को सुरक्षा परिषद में 'शांति के लिए नेतृत्व' विषय पर हुई खुली बहस के दौरान पाकिस्तान के राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद द्वारा जम्मू कश्मीर और सिंधु जल संधि का मुद्दा उठाए जाने के बाद कड़ा जवाब दिया। हरीश ने कहा कि आज की खुली बहस में पाकिस्तान द्वारा जम्मू कश्मीर का अनुचित उल्लेख भारत और उसके लोगों को नुकसान पहुंचाने पर केंद्रित है। एक गैर-स्थायी सुरक्षा परिषद सदस्य, जो अपने विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के हर मंच और हर बैठक का दुरुपयोग करता है, उससे अपनी निर्धारित जिम्मेदारियों और दायित्वों को निभाने की अपेक्षा नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि भारत, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का उसके सभी रूपों और स्वरूपों में पूरी ताकत से मुकाबला करेगा। भारत ने पाकिस्तानी दूत के उस दावे को भी खारिज कर दिया कि जम्मू कश्मीर का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र चार्टर, प्रासंगिक सुरक्षा परिषद प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की इच्छा के अनुसार सुलझाया जाना चाहिए।

हरीश ने कहा कि पाकिस्तान के पास अपने लोगों की इच्छा का सम्मान करने का बेशक एक अनूठा तरीका है , एक प्रधानमंत्री को जेल में डालना, सत्ता में रहे राजनीतिक दल पर प्रतिबंध लगाना और संविधान संशोधन के द्वारा सशस्त्र बलों द्वारा एक संवैधानिक तख्तापलट की राह बनाने की अनुमति देना तथा अपने सेना प्रमुख को आजीवन सुरक्षा देना।

आईएस से प्रेरित थी बॉण्डी बीच पर गोलीबारी

- ऑस्ट्रेलियाई पुलिस अधिकारियों ने जांच के बाद दी जानकारी

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया में सिडनी के बॉण्डी बीच पर हनुक्का उत्सव के दौरान सरेआम गोलीबारी इस्लामिक स्टेट (आईएस) से प्रेरित एक आतंकवादी हमला था। ऑस्ट्रेलिया की संघीय पुलिस आयुक्त क्रिसी बैरेट ने मंगलवार को यह बात कही। इस हमले में 15 लोग मारे गए थे।

ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने बताया है कि संदिग्ध हमलावर पिता और पुत्र थे। उन्होंने बताया है कि एक हमलावर (50) को पुलिस ने मार गिराया जबकि उसका 24 वर्षीय बेटा घायल हो गया और अस्पताल में उसका उपचार हो रहा है। मारे गए हमलावर की पहचान अधिकारियों ने साजिद अकरम के रूप में की है। मंगलवार को नेताओं और कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने पहली बार संदिग्धों की विचारधाराओं के बारे में पुष्टि की। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि ये टिप्पणियां प्राप्त साक्ष्यों पर आधारित थीं, जिनमें जब्त किए गए वाहन में इस्लामिक स्टेट के झंडे मिलना भी शामिल है। इस हमले में घायल हुए 25 लोग अब भी अस्पतालों में भर्ती हैं।

एक संदिग्ध मूल रूप से हैदराबाद का निवासी

हैदराबाद। ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर हुई गोलीबारी में शामिल संदिग्धों में से एक साजिद अकरम मूल रूप से तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद का रहने वाला था। तेलंगाना पुलिस ने मंगलवार को बताया कि 50 वर्षीय साजिद भले ही 27 साल पहले ऑस्ट्रेलिया जाकर बस गया था, लेकिन उसके पास भारतीय पासपोर्ट था। साजिद बॉन्डी बीच पर पुलिस कार्रवाई में मारा गया था। तेलंगाना डीजीपी कार्यालय के मुताबिक, साजिद नवंबर 1998 में ऑस्ट्रेलिया चला गया था और उसका हैदराबाद में रहने वाले अपने परिवार से सीमित संपर्क था।

ट्रंप ने बीबीसी पर दायर किया मानहानि का केस

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 10 अरब डॉलर के हर्जाने की मांग करते हुए सोमवार को बीबीसी के खिलाफ मुकदमा दायर किया, जिसमें ब्रिटिश प्रसारक पर मानहानि के साथ भ्रामक और अनुचित तरीके से व्यापार करने का आरोप लगाया। मुकदमे में ट्रंप का झूठा, मानहानिकारक, भ्रामक, अपमानजनक, भड़काऊ और दुर्भावनापूर्ण चित्रण करने का आरोप लगाया गया है। इसे 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश बताया गया है।

आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे भारत-इजराइल

- तेल अवीव पहुंचे जयशंकर ने की आतंकी घटना की निंदा

यरूशलम, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर पिछले सप्ताहांत यहूदी पर्व हनुक्का का जश्न मना रहे लोगों पर हुए आतंकवादी हमले की मंगलवार को कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि भारत और इजराइल, दोनों की आतंकवाद को कतई बर्दाश्त न करने की नीति है।

जयशंकर इजराइल की दो दिवसीय यात्रा के तहत मंगलवार को तेल अवीव पहुंचे। उन्होंने अपने इजराइली समकक्ष गिदोन मोशे सार के साथ संवाददाताओं से बातचीत की। जयशंकर ने कहा कि सबसे पहले, मैं बॉन्डी बीच पर हनुक्का उत्सव के दौरान हुए आतंकवादी हमले में जानमाल के नुकसान पर हार्दिक संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं। मैं कहना चाहता हूं कि हम इस हमले की कड़ी निंदा करते हैं। सिडनी के बॉन्डी बीच पर पिछले सप्ताहांत यहूदी पर्व हनुक्का का जश्न मना रही भीड़ पर दो हमलावरों की ओर से की गई गोलीबारी में 15 लोग मारे गए थे और 40 अन्य घायल हो गए थे। जयशंकर ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के सहयोग के लिए इजराइल का आभार जताया। उन्होंने कहा कि भारत और इजराइलकी आतंकवाद को कतई बर्दाश्त न करने की नीति है। हम आतंकवाद के सभी स्वरूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ हमारी लड़ाई में निरंतर समर्थन के लिए आपके आभारी हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि वह और गिदोन दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा करेंगे, जो पिछले दशक में बहुत मजबूत हुई है।

इजराइल के अपने समकक्ष गिदोन मोशे सार के साथ विदेश मंत्री जयशंकर ।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 17 दिसंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी 18 दिसंबर 02.32 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

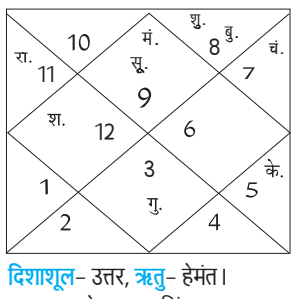

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।

चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।

ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-विशाखा 17 .11 तक तत्पश्चात अनुराधा।

मेष — आज आपको अचानक कुछ अवरोधों का सामना करना पड़ेगा। प्रेम संबंधों में धोखा मिल सकता है। मधुमेह के रोगियों को दवाओं के प्रयोग में लापरवाही नहीं करनी चाहिए। अपच के कारण मुंह में छाले पड़ सकते हैं।

वृष — आज पहले की गई मेहनत से आपको लाभ मिलेगा। आर्थिक परेशानियों को लेकर थोड़ा परेशान होना पड़ेगा। व्यवसाय में नए तरीके की योजना अपनानी पड़ेगी। रिटेल कारोबारियों की आय बढ़ सकती है। कार्यक्षेत्र में अचानक परिवर्तन हो सकते हैं।

मिथुन — आज इससे आपका मन अत्यधिक प्रसन्न रहेगा। भागदौड़ की अधिकता रहेगी। सहकर्मियों के सहयोग से आपके काम जल्दी में पूरे हो जाएंगे। करियर के नए अवसर आपको मिल सकते हैं। आपको जीवनसाथी की सलाह लेनी चाहिए।

कर्क — आज उच्च शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा है। दोस्तों के व्यवहार के कारण मूड खराब हो सकता है। किसी पर भी आंख-मूदकर विश्वास न करें। कोई महत्वपूर्ण काम अचानक आपको करना पड़ सकता है।

सिंह — आज अपने खर्चों को सीमित और संतुलित रखें। कार्यक्षेत्र में आपको अपने वर्चस्व की चिंता रहेगी। सामाजिक विषयों में आपकी रूचि बढ़ेगी। निजी रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। काम का अतिरिक्त बोझ आने के कारण आप कुछ परेशान रहेंगे।

कन्या — आज प्रभावशाली लोगों से संबंध मजबूत होंगे। नई संपत्ति या मकान आदि खरीदने का विचार बना सकते हैं। स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोगों को सम्मान मिल सकता है। फाइनेंस संबंधी कार्यों की जटिलता दूर होगी।

तुला — आज लघु उद्योग कर रहे लोगों को कठिनाई हो सकती है। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई को लेकर काफी सक्रिय रहने वाले हैं। अपने स्वार्थ के लिए गलत मार्ग का चुनाव न करें। कुछ निजी समस्याओं के कारण मन विचलित रह सकता है।

वृश्चिक — आज परिजनों के साथ मौज व मनोरंजन का आनंद लेंगे। आप अपनी छोटी-छोटी गलतियों को दूर करने के लिए प्रयासरत हो सकते हैं। नया मकान खरीदने का विचार बना सकते हैं। रियल एस्टेट व्यापारियों को बड़ा लाभ हो सकता है।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आपका अपमान हो सकता है। अपने विचारों व निर्णयों को सदैव पहली प्राथमिकता दें। घर के कार्यों में आपका मन नहीं लगेगा। नशे का सेवन बिल्कुल भी न करें। शेयर मार्केट में बड़ा पैसा निवेश करने से आपको बचना चाहिए।

मकर — आज नई नौकरी खोज रहे हैं तो सफलता मिलने की पूरी संभावना है। पैतृक संपदा प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। अटके मामलों को धीरे-धीरे सुलझा लेंगे। समाज में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। अचानक धन लाभ भी हो सकता है।

कुंभ — आज इसके कारण आपके कई छूटे हुए कार्य पूरा होने की संभावना बन रही है। इन्श्योरेंस जैसे निवेश से उत्तम लाभ प्राप्त होगा। अपने शारीरिक सौंदर्य और फिटनेस को लेकर थोड़े चिंतित हो सकते हैं। आप समय का बेहतरीन सदुपयोग करेंगे।

मीन — आज लोग आपकी आदतों की आलोचना कर सकते हैं। पुराने संबंधों का लाभ आपको मिल सकता है। अपनी मानसिक स्थिति सकारात्मक बनाकर रखें। व्यवसाय से जुड़े लोगों को अपने उत्पादों या सेवाओं की गुणवत्ता पर अत्यधिक ध्यान देना पड़ेगा।

सुडोकू -4

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1		3			2		
4		5				6		3
			8	9				5
8		1			3	5	2	4
9	2	4	5			8		7
1				4	5			
7		6				3		2
		8			2		1	

सुडोकू - 3 का हल

7	8	9	2	6	5	4	1	3
4	3	5	1	8	7	2	6	9
2	1	6	3	9	4	7	8	5
8	5	7	4	3	1	6	9	2
3	4	1	6	2	9	8	5	7
6	9	2	5	7	8	3	4	1
1	7	8	9	4	3	5	2	6
9	6	4	7	5	2	1	3	8
5	2	3	8	1	6	9	7	4

सूर्यकुमार ऐसा खिलाड़ी है जो अपने दम पर पांचों मैच जीता सकते हैं। वह फॉर्म में नहीं है तो इसका मतलब यह नहीं कि वह अच्छे खिलाड़ी नहीं हैं। वह सर्वश्रेष्ठों में से है। कोई और वह नहीं कर सकता जो उसने किया है।

-शिवम दुबे
भारतीय बल्लेबाज

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 17 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मसूद ने पीसीबी की पेशकश ठुकराई

कराची। पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान शान मसूद ने पीसीबी के अंतर्राष्ट्रीय एवं खिलाड़ी मामलों के सलाहकार का पद लेने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। उन्होंने कहा है कि देश के लिए खेलते समय वह इसके साथ न्याय नहीं कर पाएंगे। पिछले महीने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मसूद को इस आश्वासन के साथ पद की पेशकश की थी कि क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्हें निदेशक का स्थायी पद दिया जाएगा। यह पहली बार है जब किसी मौजूदा टेस्ट कप्तान को पीसीबी ने नौकरी की पेशकश की है।

विंटर ओलंपिक्स में शिरकत करेंगी केरी

मिलान। अमेरिकी गायिका और पॉप स्टार मारिया केरी मिलानो-कोर्टिना छह फरवरी को इटली की राजधानी मिलान के सैन सीरो स्टेडियम में होने वाले 2026 विंटर ओलंपिक्स के उद्घाटन समारोह में मुख्य आकर्षण का केन्द्र होंगी। केरी खास पेशकश करेंगी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि चाओ। मिलानो कोर्टिना 2026 के लिए तैयार हो जाइए। छह फरवरी को स्टेडियम सैन सिरो में मिलते हैं। मिलते हैं मिलान में। यह पहली बार होगा जब पांच बार की ग्रैमी अवॉर्ड विजेता केरी किसी ओलंपिक उद्घाटन समारोह में गाएंगी।

डेल्फिक खेलों के लिए भारतीय दल रवाना

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय पाइथियन परिषद (आईपीसी) ने मंगलवार को घोषणा की कि 57 सदस्यीय भारतीय दल शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के पहले युवा डेल्फिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। किर्गिस्तान के बिश्केक में 23 से 28 मार्च तक होने वाला यह आयोजन वैश्विक सांस्कृतिक कूटनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। भारतीय इतिहास में पहली बार कलाकारों की राष्ट्रीय टीम आधुनिक पाइथियन खेलों के बैनर तले किसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करेगी।

यूसीआई 2.2 साइकिलिंग की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। भारतीय साइकिलिंग के इतिहास में पहली बार उपमहाद्वीपीय पुरुष टीम एलीट रोड रेस पहले यूसीआई 2.2 बजाज पुणे ग्रां टूर 2026 का आयोजन पुणे में 19 से 23 जनवरी तक होगा। इससे अंतर्राष्ट्रीय साइकिलिंग कैलेंडर का आगाज होगा। चार दिन तक चलने वाली चार चरण की 437 किलोमीटर की रेस है। इसमें 26 देशों के 150 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय साइकिलिस्ट शामिल होंगे। इस दौरान खेलमंत्री मनसुख मांडविया के अलावा ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा, भारतीय साइकिलिंग महासंघ के अध्यक्ष पंकज सिंह, चेयरमैन ओंकार सिंह और महासचिव मनिंदर पाल सिंह मौजूद थे।

ऐश्वर्य ने विश्व रिकॉर्ड बनाकर जीता स्वर्ण

नई दिल्ली/भोपाल। विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने मंगलवार को 68वीं निशानेबाजी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए मध्य प्रदेश राज्य निशानेबाजी परिसर में आयोजित पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन फाइनल में 470 .5 का विश्व रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक जीता। ऐश्वर्य का स्कोर मौजूदा विश्व रिकॉर्ड से 1.6 अंक अधिक है। दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह निशानेबाजी परिसर में शॉटगन प्रतियोगिता में गुरजोत सिंह ने संयमित प्रदर्शन करते हुए 55 निशाने लगाकर पुरुषों की स्कीट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने राष्ट्रीय चैंपियन मेराज अहमद खान को हराया।

टी-20 श्रृंखला में निर्णायक बढ़त पर टीम इंडिया की निगाहें

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथा मैच आज, कप्तान सूर्या पर लगातार बढ़ रहा दबाव

लखनऊ, एजेंसी

शुभमन गिल का खराब प्रदर्शन चर्चा का विषय बना हुआ है, लेकिन साथ ही खराब फॉर्म से जूझे रहे कप्तान सूर्यकुमार यादव भी समीक्षा के दायरे में हैं क्योंकि भारत बुधवार को यहां चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में सही संतुलन तलाश कर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैच की श्रृंखला में विजयी बढ़त बनाने के इरादे से उतरेगा। तीसरे मैच में सूर्यकुमार के पास वह लय हासिल करने का अच्छा मौका था, जिसने उन्हें शीर्ष बल्लेबाज बनाया था क्योंकि भारत 118 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा किया कर रहा था लेकिन उन्होंने यह मौका गंवा दिया और सिर्फ 12 रन बनाकर आउट हो गए।

एक समय उनका दबदबा स्थापित करने वाले शॉट अनियमित परिणाम दे रहे हैं और धर्मशाला में मैच भी अलग नहीं था क्योंकि वह अपना चिर-पिरचित पिक-अप शॉट खेलते हुए आउट हुए जो उनके निरंतर संघर्ष को उजागर करता है। सूर्यकुमार ने कहा कि वह खराब फॉर्म से नहीं जूझ रहे। उन्होंने रविवार को धर्मशाला में भारत की जीत के बाद कहा कि मैं नेट में शानदार बल्लेबाजी कर रहा हूं। मैं वह सब कुछ करने की कोशिश कर रहा हूं जो मेरे नियंत्रण में है। जब रन आने होंगे तो वे निश्चित रूप से आएंगे। मैं खराब फॉर्म से नहीं जूझ रहा, लेकिन निश्चित तौर पर रन नहीं बना पा रहा। हालांकि आंकड़े एक चिंताजनक कहानी बताते हैं। भारतीय कप्तान एक साल से अधिक समय से लय हासिल करने के लिए जूझ रहे हैं। मौजूदा सत्र में इस प्रारूप में उनका औसत 15 से कम है। इसके अलावा 2025 में उनके नाम कोई अर्धशतक नहीं है जो उनके करियर में इस तरह का सबसे लंबा चरण है। वह इस दौरान केवल दो बार 20 गेंद से अधिक बल्लेबाजी करने में सफल रहे हैं। टी-20 विश्व कप में दो महीने से भी कम समय बचा है और ऐसे में गत चैंपियन टीम चाहेगी कि उनका कप्तान और प्रमुख बल्लेबाज जल्द लय फिर से हासिल कर ले।

गिल के पारी का आगाज करने से शीर्ष क्रम अस्थिर

उप कप्तान शुभमन गिल का प्रदर्शन भी काफी खराब रहा है। उनके पारी का आगाज करने से भारत का शीर्ष क्रम अस्थिर हो गया है। गिल ने अच्छी तरह से स्थापित संजू सैमसन की जगह ली। केरल के विकेटकीपर बल्लेबाज को अभिषेक शर्मा के साथ प्रभावी साझेदारी बनाने के बावजूद पहले निचले क्रम में धकेल दिया गया और अंततः बाहर कर दिया गया। गिल ने अन्य प्रारूपों में अपना स्तर दिखाया है लेकिन टी20 अंतर्राष्ट्रीय में उन्हें अब भी उस आश्वस्त बल्लेबाज की झलक नहीं दिखाई है जो वह टेस्ट और एकदिवसीय में है। वह रविवार को कम लक्ष्य का पीछा करते हुए भी सिर्फ 28 रन ही बना पाए जिसने विश्व कप से पहले चिंताओं को कम नहीं किया है। विश्व कप से पहले भारत के पास इस प्रारूप में अब सिर्फ सात मैच हैं।

बीमार अक्षर की जगह शाहबाज टीम में शामिल

अक्षर पटेल के बीमारी के कारण श्रृंखला से बाहर होने के बाद भारत ने शाहबाज अहमद को टीम में शामिल किया है जिससे कुलदीप यादव को अधिक मौके मिल सकते हैं। निजी कारणों से पिछला मैच नहीं खेलने के बाद जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। उनकी अनुपस्थिति में अर्शदीप सिंह पिछले मुकाबले में मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए जबकि हर्षित राणा ने भी धर्मशाला में उनका अच्छा साथ दिया। भारत फिलहाल पांच मैच की श्रृंखला में 2-1 से आगे है। पहले मैच में भारत का दबदबा था लेकिन दूसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका ने बाजी पलट दी। तीसरे मैच में भारत ने फिर एकतरफा जीत दर्ज की और दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला को जीवंत रखने के लिए बुधवार को हर हाल में जीत के इरादे से उतरेगा।

टीम में प्रतिस्पर्धा ने दक्षिण अफ्रीका को मजबूती दी : नोर्किया

लखनऊ। तेज गेंदबाज एनरिच नोर्किया के अनुसार बुनियादी बातों पर टिके रहना और टीम में सीमित स्थान के लिए बड़ी संख्या में मौजूद प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा ने पिछले कुछ वर्षों में दक्षिण अफ्रीका के सभी प्रारूपों में मजबूत बनाया है। पिछले साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खिताब और टी-20 विश्व कप फाइनल में पहली बार पहुंचने जैसी ऐतिहासिक उपलब्धियों से उत्साहित दक्षिण अफ्रीका ने खुद को विश्व क्रिकेट की खुद को एक बार फिर से मजबूत टीम के तौर पर स्थापित कर लिया है। दक्षिण अफ्रीका ने भारत दौरे पर भी इस सफलता को जारी रखते हुए टेस्ट श्रृंखला में 2-0 से जीत दर्ज की। यह भारत में 25 वर्षों में उनकी पहली जीत थी। नोर्किया ने चौथे टी-20 से पहले कहा कि टीम ने प्रदर्शन किया है। टीम में कुछ नये और कुछ पुराने चेहरे है और उसे शानदार तरीके से संभाला जा रहा है। कुछ खिलाड़ी काफी समय से टीम से बाहर थे, लेकिन अब उन्हें लगातार और अधिक क्रिकेट खेलने का मौका मिल रहा है। नोर्किया भारत दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं थे लेकिन उनके मुताबिक सभी प्रारूप के टीमों के दृष्टिकोण में स्पष्टता दिखाई दी। उन्होंने कहा कि मैं कुछ समय से टेस्ट टीम के साथ नहीं रहा हूं लेकिन इस टीम (टी20) में वापसी कर उनकी सरल रणनीति को देखकर, मैं भी यथासंभव सरल रहने की कोशिश कर रहा हूं।

द. अफ्रीका को व्यवस्थित संयोजन की तलाश, बदलाव जारी

पिछले साल जून में टी-20 विश्व कप फाइनल के बाद से दक्षिण अफ्रीका ने सबसे छोटे प्रारूप में 28 में से 18 मैच गंवाए हैं जो प्रदर्शन में निरंतरता की कमी को दर्शाता है। दक्षिण अफ्रीका को व्यवस्थित संयोजन की तलाश है और इसके लिए टीम प्रबंधन बदलाव कर रहा है, जिससे खिलाड़ी लय हासिल नहीं कर पा रहे और टीम को मैच गंवाने पड़े हैं। पिछले सत्र की उपविजेता टीम के पास नौ फरवरी को टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच से पूर्व अंतिम एकादश को अंतिम रूप देने के लिए पांच मैच बचे हैं जिसमें से दो भारत के खिलाफ जबकि तीन घरेलू सरजमीं पर वेस्टइंडीज के खिलाफ हैं। यह देखना होगा कि टीम खिलाड़ियों के रोटेशन की नीति पर कायम रहती है या नहीं।

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, एनटी तिलक वर्मा, शाहबाज अहमद, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मारक्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, रीजा हेंड्रिक्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसेन, लूथो सिपाम्ला, ओटनील बार्टमैन, एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, कोर्बिन बॉश, केशव महाराज और जॉर्ज लिंडे। **मैच शाम सात बजे।**

हरियाणा फाइनल में, झारखंड से मुकाबला

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

पुणे, एजेंसी

सामंत जाखड़ और अंकित की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत हरियाणा ने मंगलवार को हैदराबाद को 124 रनों से शिकस्त देकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में जगह पक्की की जहां उसका सामना झारखंड से होगा। अंकित ने (57 रन) अर्श रंगा (30) के साथ 81 रनों की साझेदारी कर पहले बल्लेबाजी करते हुए हरियाणा को शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने छह छक्के और एक चौका मारा।

हैदराबाद ने कुछ विकेट चटकाए, लेकिन छठे क्रम पर बल्लेबाजी के लिए आए जाखड़ ने आठ छक्के और एक चौका की मदद से 60 रनों की पारी के साथ टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचा दिया। पार्थ वत्स ने आखिरी ओवरों में 45 रन बनाए और हरियाणा ने 7 विकेट पर 246 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। हैदराबाद की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 16.1 ओवर में 122 रन पर ऑल आउट हो गई। अमित राणा ने गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिए, जबकि जाखड़, इशांत भारद्वाज और अंशुल कंबोज ने दो-दो विकेट लिए।

मुंबई ने राजस्थान को तीन विकेट से हराया

पुणे। अजिंक्य रहाणे के नाबाद 72 रन और सरफराज खान के 73 रन की मदद से मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सुपर लीग ग्रुप बी के मैच में राजस्थान को तीन विकेट से हराया। रहाणे ने 41 गेंद में सात चौकों और तीन छक्कों लगाए, लेकिन सरफराज ने 73 रन की पारी में सात छक्के और छह चौके जड़े। जीत के लिए 217 रनों के जवाब में मुंबई ने 11 गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। रहाणे और सरफराज ने दूसरे विकेट के लिए 111 रन जोड़े। सरफराज को मानव सुतार ने आउट किया जिन्होंने तीन विकेट चटकाए। इससे पहले राजस्थान ने दीपक हुड्डा (31 गेंद में 51 रन) और मुकुल चौधरी (28 गेंद में नाबाद 54 रन) की पारियों के दम पर पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 216 रन बनाए।

कमिंस-लियोन की तीसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम में वापसी

एडिलेड। उस्मान ख्वाजा इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की एकादश में चयन से चूक गए हैं क्योंकि ट्रेविस हेड को जेक वेदराल्ड के साथ पारी का आगाज करने को चुना गया है। ऑस्ट्रेलिया पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में 2-0 से आगे है और एडिलेड में जीत या ड्रॉ के साथ एशेज बरकरार रख सकता है।

इंग्लैंड ने अपनी एकादश सूची सोमवार को घोषित की थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम में ब्रेंडन डोगेट और माइकल नेसर की जगह कप्तान पैट कमिंस और नाथन लियोन की गेंदबाजी आक्रमण में वापसी हुई है जबकि शीर्ष सात में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

आईपीएल नीलामी: अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों को मिली बड़ी सफलता

अबू धाबी, एजेंसी

26 मार्च से 31 मई के बीच होगी आईपीएल 2026

कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के खिलाड़ियों की नीलामी में मंगलवार को कई दिग्गजों के साथ 'अनकैप्ड' (अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेलने वाले) खिलाड़ियों को भी लाभ हुआ। पृथ्वी साव और सरफराज खान जैसे बल्लेबाजों को अच्छी लय के बावजूद शुरुआती चरण में कोई खरीदार नहीं मिला। सरफराज को दूसरे दौर की नीलामी में सीएसके ने 75 लाख में खरीदा जबकि दिल्ली ने इसी रकम में साव को टीम में शामिल किया।

मुंबई के साव घरेलू क्रिकेट में लय में है जबकि सरफराज ने नीलामी शुरू होने से पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 22 गेंदों में 73 रन बनाए थे। दिल्ली ने न्यूजीलैंड के काइल जैमीसन को भी दो करोड़ में खरीदा। इस दौरान केकेआर और चेन्नई के बीच कड़ी बोली लगी, जिसके अंत में चेन्नई पिछड़ गई। वेंकटेश अय्यर को आरसीबी ने सात करोड़ में टीम से जोड़ा। विदेशी खिलाड़ियों के लिए नियमों के अनुसार, शेष राशि बीसीसीआई के खिलाड़ी विकास कार्यक्रम में जाएगी। ऐसे में इस सत्र के लिए उनका वेतन 18 करोड़ रुपये (19 लाख डॉलर) ही रहेगा।

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान को केकेआर ने 9.20 करोड़ और मप्र के तेज गेंदबाज मंगेश यादव को आरसीबी ने 5.20 करोड़ में खरीदा। हैदराबाद ने इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन के लिए 13 करोड़ खर्च किए, जबकि लखनऊ ने ऑस्ट्रेलिया के जोश इंग्लिस की सेवाएं 8.60 करोड़ में हासिल कीं। ऑस्ट्रेलिया के कूपर कॉनॉली को पंजाब ने तीन करोड़ में खरीदा। दूसरे चरण में ऑस्ट्रेलिया के जैक एडवर्ड्स को हैदराबाद ने तीन करोड़, न्यूजीलैंड के टॉम बैंटन और एडम मिल्ने को क्रमशः गुजरात ने दो करोड़ और राजस्थान ने 2.40 करोड़ में खरीदा।

द. अफ्रीका के डेविड मिलर को दिल्ली ने दो करोड़ में खरीदा। द. अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक एक करोड़ में अपनी पुरानी टीम मुंबई में जुड़े। तेज गेंदबाजों में दो करोड़ में एनरिच नॉर्किया और लुंगी एनगिडी को क्रमशः लखनऊ और दिल्ली ने खरीदा। स्पिनरों में रवि बिश्नोई को राजस्थान ने 7.2 करोड़ और सीएसके ने राहुल चाहर को 5.20 करोड़ और अकील हुसैन को दो करोड़ में खरीदा। नीलामी में कुल 359 खिलाड़ी (246 भारतीय और 113 विदेशी खिलाड़ी) शामिल थे, जिसमें से 77 खिलाड़ियों ने फ्रेंचाइजी टीमों से बोली हासिल की।

मुंबई। आईपीएल का अगला सत्र 26 मार्च से 31 मई की विंडो (तय समय) के बीच होगा, देखना होगा है कि क्या आरसीबी अपने घरेलू मैदान बेंगलुरु में टूर्नामेंट के पहले मैच की मेजबानी कर पाएगा या नहीं। नियमों के अनुसार एम चिन्नास्वामी स्टेडियम को टूर्नामेंट के पहले मैच की मेजबानी का मौका मिलना चाहिए क्योंकि आरसीबी ने आईपीएल 2025 जीता था। इस स्थल को कर्नाटक सरकार ने शर्तिया स्वीकृति दी है, लेकिन इस साल जून में आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान भगदड़ में 11 प्रशंसकों की मौत के बाद इसे जरूरी सुरक्षा मानकों को भी पूरा करना होगा।

सबालेंका फिर डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनीं

न्यूयॉर्क। एरिना सबालेंका ने सोमवार को लगातार दूसरी बार डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। उन्हें अमेरिकी ओपन जीतने, दो अन्य ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने और सत्र का अंत नंबर एक खिलाड़ी के रूप में करने के लिए मीडिया पैनल से 80 प्रतिशत वोट मिले। सबालेंका 25 वर्षों में सेरेना विलियम्स और इगा स्वियातेक के साथ लगातार दो बार यह सम्मान जीतने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। बेलारूस की 27 साल की सबालेंका 2025 में महिला टेनिस में मैच जीतने (63 जीत, 12 हार), खिताब जीने (चार) और फाइनल में पहुंचने (नौ) में सबसे आगे रहीं। उन्होंने एक करोड़ 50 लाख डॉलर की इनामी राशि जीतकर टूर रिकॉर्ड बनाया। वह पूरे साल नंबर एक खिलाड़ी रहीं। सबालेंका जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में मेडिसन कीज से और जून में फ्रेंच ओपन के फाइनल में कोको गॉफ से हारी थीं। वह जुलाई में विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचीं और फिर सितंबर में अमेरिकी ओपन के फाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को हराकर करियर की चौथी ग्रैंड स्लैम एकल ट्रॉफी जीती। अमेरिका की अनिसिमोवा को विंबलडन और अमेरिकी ओपन के फाइनल में पहुंचने के लिए सबसे अधिक सुधार करने वाली खिलाड़ी चुना गया। वह तीन और टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचीं, जिसमें दोहा और बीजिंग में डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीतना भी शामिल है।

कुंडू ने रचा इतिहास, युवा वनडे में दोहरा शतक जड़ने वाले पहले भारतीय बने

दुबई, एजेंसी

अंडर 19 एशिया कप

अभिज्ञान कुंडू के रिकॉर्ड नाबाद 209 रन और दीपेश देवेंद्रन के पांच विकेट की मदद से भारत ने अंडर 19 एशिया कप मैच में मंगलवार को मलेशिया को 315 रन से हराया। यह रनों के अंतर से युवा वनडे में भारत की दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 2022 में भारत ने युगांडा को 322 रन से हराया था।

कुंडू युवा वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बने। उन्होंने अपनी पारी में 125 गेंदों का सामना करके 17 चौके और नौ छक्के लगाये, जिसकी मदद से भारत ने सात विकेट पर 408 रन जोड़े। जवाब में दाहिने हाथ के मध्यम गति के तेज गेंदबाज देवेंद्रन ने 22 रन देकर पांच विकेट चटकाते हुए मलेशियाई बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। मलेशिया की टीम 32.1 ओवर में 93 रन पर आउट हो गई। भारत के लिए वैभव सूर्यवंशी ने 26 गेंद में 50 रन बनाए। उन्होंने यूएई के खिलाफ इसी टूर्नामेंट में 171 रन की पारी खेली थी।

चौथे नंबर पर उतरे वेदांत त्रिवेदी और कुंडू ने चौथे विकेट के लिए 209 रन की साझेदारी की। कुंडू ने अपनी पारी में 55 सिंगल निकाले। 17 वर्ष के कुंडू दक्षिण अफ्रीका के जोरिच वान शाकविक के बाद युवा वनडे में दोहरा शतक जमाने वाले दूसरे बल्लेबाज हो गए। जोरिच ने इस साल की शुरुआत में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ 153 गेंद में 215 रन बनाये थे। त्रिवेदी ने 106 गेंद में सात चौकों की मदद से 90 रन बनाए। कुंडू ने कनिष्क चौहान के साथ पांचवें विकेट के लिये 87 रन की साझेदारी की।

● दीपेश देवेंद्रन ने झटके पांच विकेट, मलेशिया पर 315 रनों की बड़ी जीत

बैडमिंटन | बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स : ग्रुप बी के मैच में कई ओलंपिक पदक विजेताओं से होगा सामना

ग्रुप ऑफ डेथ में सात्विक-चिराग की होगी कड़ी परीक्षा

हांगझू, एजेंसी

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को बुधवार से शुरू होने वाले सत्रांत बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में कड़ी चुनौती मिलेगी, क्योंकि भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी को उस ग्रुप में जगह मिली है जिसे 'ग्रुप ऑफ डेथ' (सबसे मुश्किल ग्रुप) माना जा रहा है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हर वर्ग में आठ शीर्ष खिलाड़ी या जोड़ियां शामिल होती हैं जिनका चयन विश्व टूर कैलेंडर में प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है।

दुनिया की पूर्व नंबर एक और अब तीसरे नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी इस एलीट प्रतियोगिता में एकमात्र भारतीय प्रतिनिधि हैं। एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग को ग्रुप बी में कई ओलंपिक पदक विजेताओं का सामना करना होगा। भारतीय जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग के खिलाफ करेगी जो पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता हैं। इसके बाद उनकी भिड़ंत इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिक्री से होगी।

शुक्रवार को अपने आखिरी ग्रुप मैच में भारतीय जोड़ी अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी आरोन चिया और सोह वूई यिक की मलेशियाई जोड़ी से भिड़ेगी जो पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता हैं। चिया और यिक को यहां दूसरी वरीयता मिली है। आमने-सामने के रिकॉर्ड की बात करें तो सात्विक और चिराग ने दुनिया की सातवें नंबर की चीन की जोड़ी के खिलाफ तीन मैच जीते हैं जबकि सात मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। सितंबर में हांगकांग ओपन फाइनल में भी सात्विक और चिराग को लियांग और वांग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय जोड़ी ने हालांकि चीन मास्टर्स में पिछले मुकाबले में इस जोड़ी के खिलाफ जीत दर्ज की थी।

सात्विक और चिराग को इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ अपनी एकमात्र भिड़ंत में ऑस्ट्रेलियाई ओपन क्वार्टर फाइनल में हार मिली थी, जबकि आरोन और सोह के खिलाफ भारतीय जोड़ी को परेशानी का सामना करना पड़ा है। प्रत्येक ग्रुप से केवल शीर्ष दो जोड़ियां सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी और ऐसे में गलती की गुंजाइश बहुत कम है।

चोट से वापसी के बाद दिखाई निरंतरता

सात्विक और चिराग ने इस साल कोई खिताब नहीं जीता लेकिन भारतीय जोड़ी ने चोट के कारण ब्रेक के बाद वापसी करते हुए निरंतरता और लचीलापन दिखाया है। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक के साथ फॉर्म में वापसी की और हांगकांग ओपन तथा चीन मास्टर्स में उपविजेता रहे। भारतीय जोड़ी मलेशिया ओपन, इंडिया ओपन, सिंगापुर ओपन, चीन ओपन और डेनमार्क ओपन में भी सेमीफाइनल में पहुंची। साल के आखिर में होने वाले फाइनल्स में भारत की उपस्थिति छिटपुट लेकिन महत्वपूर्ण रही है। पीवी सिंधू यह खिताब जीतने वाली एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने 2018 में महिला एकल का खिताब जीता था जबकि साइना नेहवाल 2011 में फाइनल में पहुंची थीं। युगल में ज्वाला गुट्टा और वी दिजू 2009 के सुपर सीरीज फाइनल में मिश्रित युगल के फाइनल में पहुंचे थे।